सुविचार

मनुष्य की शक्ति ही कितनी है। वह दो ही खेल खेलता है- प्रिय को देवता बना लेता है या फिर देवता को प्रिय बना लेता है।

-हजारी प्रसाद द्विवेदी

Daily THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Zareen Khan Joins Karan Kundrra... 12

Ranchi • Sunday, 11 January 2026 • Year : 04 • Issue : 355 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SARAFA

सोना	:	13,025
चांदी	:	275.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

जुएल ओराम बने प्रदेश भाजपा के चुनाव अधिकारी

JAMSHEDPUR : भाजपा के राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी डॉ. के. लक्ष्मण ने जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री व ओडिशा के सुंदरगढ़ से सांसद जुएल ओराम को झारखंड प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों के निर्वाचन के लिए चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है। भाजपा संगठन पर्व 2024 के अंतिम चरण में यह फैसला लिया गया। डॉ. लक्ष्मण ने पत्र में ओराम से अनुरोध किया है कि वे झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू, प्रदेश महामंत्री (संगठन) कर्मवीर सिंह व प्रदेश चुनाव अधिकारी डॉ. प्रदीप वर्मा से समन्वय कर यात्रा की योजना बनाएं।

ममता सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचा ईडी

NEW DELHI : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। बंगाल सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में केविएट दाखिल की है। सरकार की मांग है कि उसका पक्ष सुने बिना कोई आदेश पारित न किया जाए। ईडी का आरोप है कि गुरुवार को पॉलिटिकल कंसलटेंट फर्म के ऑफिस और उनके डायरेक्टर के घर हुई तलाशी के दौरान राज्य सरकार की ओर से रुकावट डाली गई। ईडी ने मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। इससे पहले शुक्रवार को ईडी ने कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया था, लेकिन कोर्टरूम में हंगामे के कारण सुनवाई नहीं हो सकी।

ओडिशा में 9 सीटर चार्टर फ्लाइट की क्रैश लैंडिंग

NEW DELHI : शनिवार को ओडिशा के राउरकेला में 9 सीटर फ्लाइट दुर्घटनाग्रस्त हुई। इंडिया वन एयर के चार्टर विमान की तकनीकी खराबी के बाद क्रैश लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट में 6 लोग सवार थे, जिनमें 4 यात्री और 2 पायलट शामिल हैं। सभी लोग घायल हैं। कुछ को गंभीर घाव हैं। अधिकारियों ने बताया कि फ्लाइट भुवनेश्वर से राउरकेला आ रही थी। क्रैश की घटना राउरकेला से 10 किमी दूर जाल्दा इलाके में हुई। क्रैश की जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें नजर आ रहा है कि वीटी केएसएस प्लेन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है। उसके विंग्स भी क्षतिग्रस्त हैं। ओडिशा के वाणिज्य और परिवहन मंत्री बी बी जेना ने कहा कि ए-1 कैटेगरी का प्राइवेट विमान क्रैश हुआ।

ड्रोन के जरिए गिराई गई हथियारों की खेप बरामद

JAMMU : जम्मू संभाग के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास अग्रिम क्षेत्र से पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए गिराई गई हथियारों की खेप बरामद की गई। अधिकारियों ने बताया कि आगामी गणतंत्र दिवस समारोह को बाधित करने के आतंकवादियों के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दो पिस्तौल, तीन मैगजीन, 16 राउंड और एक ग्रेनेड सहित इस खेप की बरामदगी की गई। उन्होंने बताया कि सीमा पार से ड्रोन की संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद बीएसएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के एसओजी की एक संयुक्त टीम ने शुक्रवार देर रात घगवाल के पलोरा गांव में तलाशी अभियान शुरू किया।

नौकरशाही

डॉ. ब्रजेश मिश्र

नववर्ष शुरू होने के बाद अब तक शुभकामनाओं के आदान-प्रदान का दौर चल रहा है। मिलना-मिलाना जारी है। नौकरशाही वाले मुहल्ले के सुल्तानों को भी नए साल से नई उम्मीदें हैं। लिहाजा 'ऊपरवाले' को खुश रखने के सभी जोर-जतन किए जा रहे हैं। हालिया प्रकरण भी कुछ ऐसा ही है। आखिर क्या चल रहा है अंदरखाने, जानें द फोटोन न्यूज के एक्जीक्यूटिव एडिटर की कलम से।

वो पीपल वाला पत्ता

कई दिन हो गए थे। सो, गुरुघर की राह पकड़ी। नीचे पहुंचने पर पता चला कि गुरु छत पर गुनगुनी धूप का आनंद उठा रहे हैं। सेवादार ने ऊपर का रास्ता दिखा दिया। सीढ़ियों से पहुंचा तो गुरु अपनी पारंपरिक वेशभूषा में कुर्सी लगाकर बैठे दिखे। मानो, इंतजार ही कर रहे थे। एक हाथ में चाय तो दूसरे में अखबार। कुछ दरबारी टाइप लोग उनके इर्द-गिर्द पहले से डेरा जमाए थे। नजर पड़ते ही गुरु ने दिल खोलकर स्वागत किया। कहा- आओ-आओ, बस तुम्हारी ही कमी थी। इस संबोधन का वास्तविक अभिप्राय नहीं समझ सका। उनकी अधिकांश बातें अभिधा, लक्षणा और व्यंजना में होती हैं। मुख से निकले शब्दों को समझने के लिए मस्तिष्क के तंतुओं को खोलकर रखना पड़ता है। अभिवादन कर सामने बैठा तो गुरु ने पहला सवाल पूछा- खाली हाथ चले आए? रास्ते में कोई पत्ता नहीं मिला? सकुचाते हुए पूछा- समझा नहीं गुरु। कुछ लाना था क्या? गुरु बोले- अरे भाई, कुछ तो सीखो नौकरशाही वाले सूरमाओं से। गुरु की गोल-गोल बातें अब भी पल्ले नहीं पड़ रही थीं। सो, फिर पूछा- कुछ नया घटित हो गया है क्या? गुरु बोले- अरे नहीं भाई। अखबार में काम करते हो। कुछ अगल-बगल की खोज-खबर रखा करो। कुछ देखा करो। देखकर सीखा करो। गुरु सारांश से विस्तार की ओर बढ़ चले थे। सप्रसंग व्याख्या शुरू की- सुनो! नए साल पर नौकरशाही की पूरी पलटन 'साहेब' के दरबार में सजदा करने पहुंची। सबके हाथ में कुछ न कुछ खास था। कोई पेंटिंग लेकर पहुंचा, कोई काड्र्स। इनमें कुछ तो इतने व्यग्र दिखे कि पुरानी परंपरा भूल गए। सवालभरी निगाहें डालीं, पुरानी परंपरा? गुरु बोले- अरे हां भाई। 'साहेब' ने पिछले बरस फरमान सुनाया था। मिलने वाले बुके की जगह बुक लेकर आएं। नौकरशाह बेचारे, कहां याद रखने वाले? 'साहेब' तक पहुंचने की जल्दी में जहां, जो मिला, उसे लेकर चल दिए। सबसे दिलचस्प कारनामा तो 'चूड़ियों वाले चतुर' ने किया। खुद को दूसरों से दो कदम आगे रखने के लिए पीपल के पत्ते पर चित्रकारी पेश कर दी। पूछा- इसमें कुछ आपत्तिजनक तो नहीं लग रहा। गुरु के चेहरे पर हल्की मुस्कान तैर गई। बोले- बात आपत्ति या आपत्तिजनक होने की नहीं है। बात चपलताभरी चतुराई, मौकापरस्ती की है। दरअसल, बात यह है कि 12 नंबर गेट से मैदान में पहुंचे अधिकतर प्लेयर अलग-अलग वजहों से बाहर हैं। लिहाजा इस चतुरसुजान को 'साहेब' के सन्निकट पहुंच कर प्रेम रस 'घोलने' का अकेले मौका दिख गया। सो, इस खिलाड़ी ने बिना मौका गंवाए चौका लगा दिया। यूं तो 'साहेब' से मिलने वालों की लंबी कतार रही, लेकिन चतुर की बराबरी कोई नहीं कर सका। बताने वाले तो यहां तक बताते हैं कि चतुर अपने चाहने वालों को इस प्रकरण का किस्सा सुना रहे हैं। 'साहेब ने जितनी मेरी पीठ थपथपाई, वैसी शाबाशी किसी और ने नहीं जुटाई'। अगर यह सच है तो सब पत्ते की कलाकारी है। धूप की गर्मी मंद पड़ रही थी। गुरु ने बात पूरी कर मौन साध लिया। लिहाजा विदाई वाली सलामी दी और अपने रास्ते निकल लिए। मन में बस एक ही सवाल था- आखिर चूड़ियों वाली कहानी अब कहां सुनाई देगी?

झारखंड हाईकोर्ट ने जमानत याचिका खारिज करते हुए की तल्ख टिप्पणी, कहा-

चौबे ने किया पद का दुरुपयोग गवाहों को कर सकते प्रभावित

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को झारखंड हाईकोर्ट ने हजारीबाग के तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर (डीसी) और निलंबित आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी। जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत ने मामले की गंभीरता और आरोपी के प्रभावशाली पद को देखते हुए यह फैसला सुनाया। गौरतलब है कि विनय चौबे के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने हजारीबाग में पदस्थापना के दौरान सरकारी और प्रतिबंधित जमीनों के अवैध हस्तांतरण के मामले में केस दर्ज किया था। सुनवाई के दौरान अदालत ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि एक आईएएस अधिकारी जिले में सरकार का प्रतिनिधि और रिकॉर्ड का कस्टोडियन होता है। रिकॉर्ड पर मौजूद सबूत बताते हैं कि याचिकाकर्ता बिचौलियों के जरिए इन लेन-देन में गहराई से शामिल थे और विनय चौबे ने अपने पद की शक्ति का गलत इस्तेमाल कर कुछ लोगों को अनुचित लाभ पहुंचाया। हाल के दिनों में सामाजिक-आर्थिक अपराधों में वृद्धि हुई है, जो देश की आर्थिक संरचना को प्रभावित करते हैं और सिस्टम में जनता के विश्वास को तोड़ते हैं। कोर्ट ने माना कि विनय चौबे एक अत्यंत प्रभावशाली पद पर रहे हैं, ऐसे में जमानत मिलने पर वे गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं और दस्तावेजी सबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं।

सबूत बता रहे- याचिकाकर्ता बिचौलियों के जरिए लेन-देन में गहराई से शामिल

अपने पोस्ट के पावर का गलत इस्तेमाल कर कुछ लोगों को पहुंचाया गया अनुचित लाभ

- सरकारी व प्रतिबंधित जमीनों के अवैध हस्तांतरण के मामले में दर्ज किया गया है केस
- हजारीबाग में डीसी के रूप में पदस्थापना के दौरान का है मामला
- जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत में हुई सुनवाई

नहीं कर रहे सहयोग, कई पहलुओं पर जांच अभी भी लंबित

सुनवाई के दौरान एसीबी के वकील ने दलील दी कि विनय चौबे जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं और कई पहलुओं पर जांच अभी भी लंबित है। कोर्ट के समक्ष उन गवाहों के बयान भी पेश किए गए, जिन्होंने सीधे तौर पर बताया कि कैसे बिचौलियों के माध्यम से उन्हें डीसी से आश्वासन मिला था। हालांकि विनय चौबे की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने यह दलील दी कि उन्हें झूठा फंसाया गया है और एफआईआर में उनका नाम शुरूआत में नहीं था, लेकिन अदालत ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए उन्हें राहत देने से इनकार कर दिया।

सामने आया चौबे के साले से जुड़ा नया कारोबारी नेटवर्क

सरदार सुरेंद्र सिंह व चौबे के साले शिपिज त्रिवेदी के बीच करीबी लेनदेन के संकेत

निलंबित आईएएस विनय चौबे से जुड़े मामले की जांच के दौरान उनके साले से संबंधित एक नया कारोबारी लिंक उजागर हुआ है। जांच में सरदार सुरेंद्र सिंह और चौबे के साले शिपिज त्रिवेदी के बीच करीबी लेनदेन के संकेत मिले हैं। यह संबंध मुकुंद अपार्टमेंट की खरीद-बिक्री से जुड़े लोगों की जांच के क्रम में सामने आया है। चौबे के पारिवारिक सदस्यों और करीबी रिश्तेदारों द्वारा संपत्ति खरीद की पड़ताल के दौरान यह तथ्य सामने आया कि मुकुंद अपार्टमेंट स्थित एक फ्लैट शिपिज त्रिवेदी की पत्नी प्रियंका त्रिवेदी ने खरीदा था। उक्त फ्लैट का मूल स्वामी ज्योतिष एनके बेरा था। बेरा ने फ्लैट की बिक्री के लिए सरदार सुरेंद्र सिंह को पॉवर ऑफ अटॉर्नी दी थी। नियमों के अनुसार, फ्लैट की बिक्री से प्राप्त राशि ज्योतिष एनके बेरा के खाते में जानी चाहिए थी, लेकिन यह रकम सरदार सुरेंद्र सिंह के खाते में ट्रांसफर की गई। मुकुंद अपार्टमेंट की राशि बेरा के खाते के बजाय सुरेंद्र सिंह के खाते में भेजे जाने के कारणों की जांच के लिए बेरा से पूछताछ की गई। बेरा से पूछताछ के बाद जांच एजेंसी ने सरदार सुरेंद्र सिंह की तलाश शुरू की। सुरेंद्र सिंह का वर्तमान पता दिल्ली बताया गया है।

अमन श्रीवास्तव सहित 19 पर यूएपीए के तहत नहीं चलेगा मुकदमा

PHOTON NEWS RANCHI : सुप्रीम कोर्ट ने विनोद पांडे के खिलाफ यूएपीए के तहत मुकदमा चलाने के आदेश को खारिज कर दिया है। आदेश के बाद अमन श्रीवास्तव समेत इन 19 लोगों को राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के तहत अब एंटी टेररिस्ट स्क्वायड (एटीएस) रांची द्वारा दर्ज मामले (1/2022) में अभियुक्तों के खिलाफ सिर्फ आईपीसी-बीएनएस की धाराओं के तहत ही मुकदमा चलेगा। विनोद पांडे द्वारा दायर अपील याचिका पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश दिया है। आरोप लगाया गया था कि विनोद पांडे, अमन श्रीवास्तव गैंग का सदस्य है। वह रंगदरी वसूलने और आतंक फैलाने का काम करता है। छापेमारी के दौरान विनोद के पास से 5.42 लाख रुपये और सिद्धार्थ साहू के पास से 28.55 लाख रुपये जब्त किए गए थे। इस मामले में अमन श्रीवास्तव समेत 19 लोगों के खिलाफ यूएपीए के तहत प्राथमिकी दर्ज करके कार्रवाई की गई थी। जानकारी के मुताबिक, राज्य सरकर ने उपायुक्त द्वारा तीसरी बार अनुरोध करने पर विनोद पांडे व अन्य के खिलाफ यूएपीए की धारा 16, 17, 18, 20 और 21 तहत मुकदमा चलाने की अनुमति दी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत आदेश को किया खारिज

- एटीएस का आरोप- अमन श्रीवास्तव गैंग के लिए काम करता है विनोद पांडे, फैलाता है आतंक
- छापेमारी के दौरान विनोद के पास से 5.42 लाख रुपये और सिद्धार्थ साहू से 28.55 लाख रुपये किए गए थे जब्त

55 साल के कश्मीरी व्यक्ति से हो रही पूछताछ

राम मंदिर में नमाज पढ़ने की कोशिश, सुरक्षाबलों ने पकड़ा

AGENCY AYODHYA : अयोध्या के राम मंदिर में एक 55 साल के कश्मीरी व्यक्ति ने नमाज पढ़ने की कोशिश की। जैसे ही उसने नमाज पढ़ने के लिए कपड़ा बिछाया, तो वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसको पकड़ लिया। इसके बाद वह नारेबाजी करने लगा। पूछताछ में उसने अपना नाम अबु अहद शेख बताया। वह कश्मीर के शोपियां का रहने वाला है। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां भी मौके पर पहुंच गईं। अबु अहद शेख से राम मंदिर परिसर में बने पुलिस कंट्रोल रूम में पूछताछ की जा रही है कि वो अयोध्या क्यों आया था? उसने जो बयान दिए हैं, उन्हें क्रॉस करने के लिए राम मंदिर पथ और रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी देखे जा रहे हैं।

ऑक्सफोर्ड के सेंट जॉन्स कॉलेज व अन्य संस्थानों के साथ संवाद करेंगे हेमंत

RANCHI : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस महीने के अंत में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय जाएंगे और वहां ब्रिटेन में सेंट जॉन्स कॉलेज सहित अन्य शैक्षणिक संस्थानों के साथ संवाद करेंगे। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। बताया कि यूरोप दौरे के दौरान वह स्विट्जरलैंड के स्की रिसॉर्ट शहर दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक में भी भाग लेने वाले हैं। ऑक्सफोर्ड में होने वाला यह कार्यक्रम झारखंड सरकार के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा ब्रिटेन की व्यापक आधिकारिक यात्रा का हिस्सा है, जो राज्य द्वारा 18 से 24 जनवरी तक दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में भाग लेने के बाद हो रही है।

सुबह में कोहरा के साथ सर्द हवाओं के कारण कम नहीं हो रही कनकनी

कोल्ड वेव की आगोश में झारखंड, खूंटी @ 1.4°

PHOTON NEWS RANCHI : पिछले कई दिनों से झारखंड पूरी तरह कोल्ड वेव की आगोश में है। कड़ाके की ठंड से लोग परेशान हैं। सुबह के समय कोहरा के साथ चल रही सर्द हवाओं ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। रांची मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, सभी जिलों में न्यूनतम तापमान सामान्य से बहुत नीचे है। उत्तर पश्चिमी हवाओं के चलने से खूंटी में पिछले 24 घंटे के भीतर पारा 0.1 डिग्री लुढ़ककर 1.4 डिग्री पर पहुंच गया। कल की शीतलहर को लेकर मौसम विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है। खूंटी के बाद सबसे ज्यादा ठंड गुमला में पड़ रही है। यहां का तापमान 1.5 डिग्री पर पहुंच गया है। इसके बाद डाल्टनगंज में 3.5 डिग्री, पश्चिमी सिंहभूम में 3.4 डिग्री और हजारीबाग में 3.7 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है।

1.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया गुमला का मिनिमम टेंपरेचर

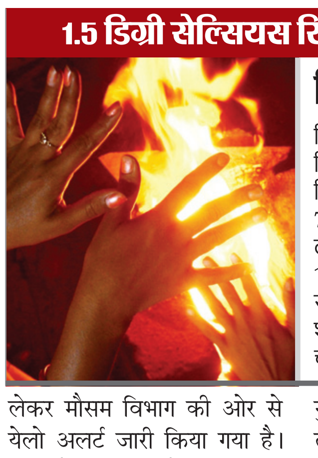

दिन में धूप के कारण रांची में मिली राहत

विभाग के अनुसार, बोकारो में 4.2 डिग्री, पाकुड़ में 6.1 डिग्री, रांची में 6.4 डिग्री, कोडरमा में 6.6 डिग्री, देवघर में 7.1 डिग्री, जमशेदपुर में 8.0 डिग्री, लातेहार में 8.0 डिग्री और लोहरदगा में 10.0 डिग्री तापमान रहा है। राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में शनिवार को सुबह से ही शीतलहर चलने के कारण कनकनी बढ़ गई। हालांकि, दिन में शीतलहर के थमते ही धूप की तपिश महसूस की गई, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली। मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि ठंड में कमी के बावजूद सावधानी बरतें और विशेष रूप से सुबह और रात के समय गर्म कपड़ों का उपयोग करें। सबसे ज्यादा तापमान चाईबासा में 26.8 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है।

सेहत की चिंता शरीर और वायुमंडल के तापमान में अंतर से बढ़ जाता है संकट

ठंड में बच्चों और बूढ़ों के लिए निमोनिया सबसे बड़ा खतरा

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : शीत ऋतु में तापमान कम होने के कारण शरीर के विभिन्न अंगों पर इसका प्रभाव पड़ता है। शरीर के भीतर और वायुमंडल के तापमान में असंतुलन पैदा होने पर सेहत प्रभावित होती है। चिकित्सा वैज्ञानिकों के अनुसार, ठंड के कारण जिन बीमारियों का सामना करना पड़ता है, उनमें सर्वाधिक खतरनाक निमोनिया मानी जाती है। कम उम्र के बच्चों और बूढ़ों में निमोनिया का खतरा ठंड में सबसे ज्यादा होता है। यह बीमारी तब होती है, जब फेफड़ों के वायुकोषों में सूजन आ जाती है और उनमें तरल पदार्थ या पस भर जाता है, जिससे सांस लेना कठिन हो जाता है, क्योंकि ऐसी स्थिति में शरीर के भीतर ऑक्सीजन का जाना और कार्बन डाइऑक्साइड का निकलना बाधित होने लगता है। अगर समय पर इलाज न मिले तो यह संक्रमण घातक साबित हो सकता है। निमोनिया बैक्टीरिया, वायरस या फंगस से होने वाला संक्रमण है। यह बीमारी तब फैलती है,जब संक्रमित व्यक्ति खांसता या छींकता है और उसके सूक्ष्म कण हवा में फैलकर दूसरे व्यक्ति के फेफड़ों में प्रवेश कर जाते हैं। दूषित सतहों को छूने के बाद चेहरा या नाक-मुंह छूना भी संक्रमण का एक आम कारण है।

दूषित सतहों को छूने के बाद चेहरा या नाक व मुंह टच करना संक्रमण का आम कारण

फेफड़ों के वायुकोषों में आ जाती है सूजन और उनमें भर जाता तरल पदार्थ या पस

- बैक्टीरिया, वायरस या फंगस के कारण इस बीमारी का तेजी से फैलता है संक्रमण
- रोग का असर बढ़ने पर बाधित होने लगती है शरीर में हवा के आने-जाने की गति

कई कारणों से शहरों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में इस बीमारी का प्रकोप ज्यादा

5 साल से कम उम्र के एक चौथाई बच्चों की मौत

भीड़भाड़ वाले और प्रदूषित वातावरण में इसके फैलने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। हाल ही में पिछले साल विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि निमोनिया दुनिया में बाल मृत्यु का प्रमुख कारण है, पांच साल से कम उम्र के लगभग एक चौथाई बच्चों की मौत इसके कारण हो रही है और भारत इसका बड़ा बोझ उठाने वाले देशों में शामिल है।

जागरूकता से आएगी 40 फीसद कमी

अंतरराष्ट्रीय जर्नल 'द लैंसेट' में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, समुदाय जनित निमोनिया (कम्युनिटी-एक्वायर्ड निमोनिया) के मामले दुनिया के कुल मरीजों के लगभग 23 फीसद भारत मे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि जागरूकता से बाल मृत्यु में 40 प्रतिशत तक की कमी संभव है। भारत में निमोनिया का प्रकोप शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में देखा जाता है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे इस बीमारी की चपेट में अधिक आते हैं। इसका मुख्य कारण स्वास्थ्य सुविधाओं की सीमित पहुंच, टीकाकरण में कमी, कुपोषण और घरों में ठोस ईंधन उपले, कोयला से खाना पकाने के कारण उत्पन्न धुएं का अधिक संपर्क। शहरी क्षेत्रों में भी जोखिम पूरी तरह खत्म नहीं है, क्योंकि प्रदूषण, भीड़भाड़ और वायरस के त्वरित प्रसार की वजह से निमोनिया के मामले तेजी से फैल सकते हैं। निमोनिया से बचाव पूरी तरह संभव है। इसके लिए केवल थोड़ी सी जागरूकता और सावधानी की जरूरत है।

राज्य निर्वाचन आयोग सभी आरओ और एआरओ को करेगा प्रशिक्षित

निकाय चुनाव : एक ही बैलेट बॉक्स में मेयर व पार्षद के लिए डाले जाएंगे वोट

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में होने वाले नगर निकाय चुनाव में वोटरों को एक ही बैलेट बॉक्स में पार्षद और मेयर के लिए वोट देना होगा। हालांकि इसके लिए पार्षद और मेयर के लिए दो अलग-अलग कलर के बैलेट पेपर मतदाताओं को दिए जाएंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए सभी रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) और असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर (एआरओ) को प्रशिक्षित करने का निर्णय लिया है। इसके लिए आयोग कार्यालय में 16 जनवरी को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा।

मतदाताओं को दिए जाएंगे अलग-अलग कलर के बैलेट पेपर

प्रक्रिया को नियमानुसार संचालित कराने की दी जाएगी जानकारी

कार्यक्रम में चुनाव प्रक्रिया को नियमानुसार संचालित कराने की जानकारी दी जाएगी। राज्य निर्वाचन आयोग ने सभी जिलों को 50-50 चुनाव चिह्न जारी करते हुए नॉमिनेशन के बाद प्रत्याशियों को आवंटित करने का निर्देश दिया है।

रिजल्ट आने में हो सकता है विलंब

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा एक ही बैलेट बॉक्स में पार्षद और मेयर का वोट डालने के निर्णय से कॉउटिंग में अत्यधिक विलंब होने की संभावना बढ़ गई है। कांउटिंग के वक्त सभी बैलेट बॉक्स से दोनों पद के लिए मिलने वाले बैलेट पेपर को अलग-अलग किया जाएगा। हालांकि, दो अलग-अलग रंग में बैलेट पेपर होने से छांटने में आसानी होगी। इसके बावजूद कॉउटिंग में स्वभाविक रूप से देरी होने के कारण चुनाव परिणाम आने में अधिक वक्त लग सकता है। सचिव राधेश्याम प्रसाद ने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर पर्याप्त बैलेट बॉक्स रहेंगे, जिसमें मत देने का काम होगा।

दिल्ली से मैनपाट : एक अविस्मरणीय यात्रा

घुमक्कड़ की पाती

दिल्ली से रायपुर की उड़ान मेरे सफर की पहली कड़ी थी। हवाई जहाज जब बादलों की परतों को चीरता हुआ ऊपर उठ रहा था, तभी मन में एक अजीब-सी ताजगी उतर रही थी। शहर के शोर से कुछ दिनों की मुक्ति और प्रकृति की गोद में जाने का सुख। रायपुर में उतरने के बाद मैंने अंबिकापुर के लिए एक गाड़ी ले ली, क्योंकि मैनपाट तक जाने का रास्ता वहीं से होकर गुजरता है। रास्ता लंबा जरूर था, पर छत्तीसगढ़ की धरती अपने बदलावों के साथ कितनी विविध और सौंदर्यपूर्ण हो सकती है, यह वहीं महसूस होता है। जंगल, पहाड़, छोटे-छोटे गांव और बीच-बीच में धान के खेत, हर दृश्य आपको अपने भीतर एक शांत लय में बहा ले जाता है।

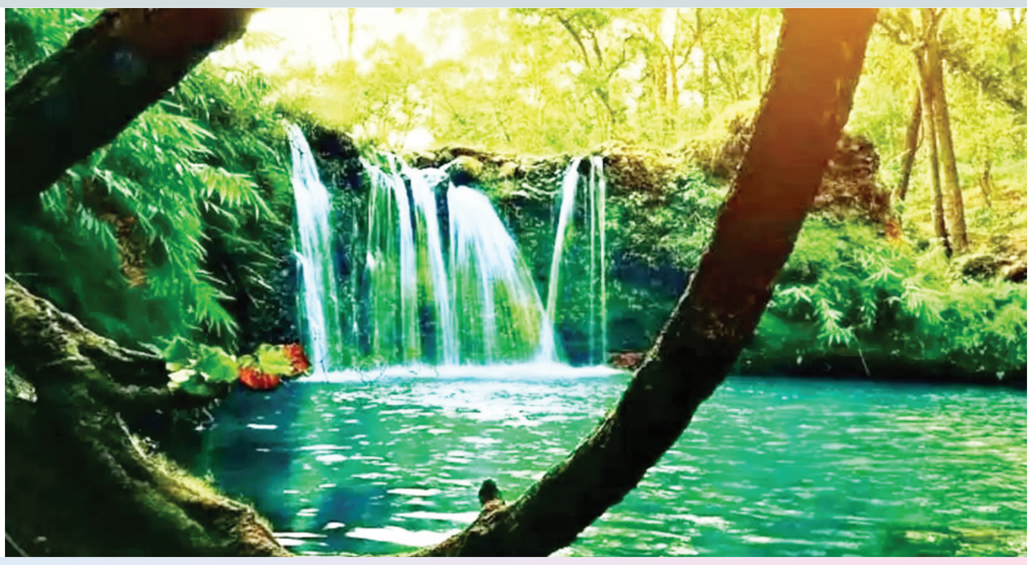

दिल्ली की सुबहें सर्दियों में एक अलग ही रंग लिए होती हैं। हल्की धुंध में लिपटी सड़कें, कॉफी की भाप में उठता शहर और कहीं दूर से आती मेट्रो की भनभनाहट। ऐसी ही एक सुबह मैंने अपने बैग की चेन बंद की और मैनपाट की ओर तीन दिन की यात्रा पर निकल पड़ा। मैनपाट जिसे छत्तीसगढ़ का 'मिनी शिमला' कहा जाता है। मेरी कल्पना में एक हरे-भरे, शांत, और लगभग अनसुने पहाड़ी कस्बे की तरह था, जो अपनी एकांतता में भी सौम्य और स्वागतशील हो।

दिल्ली से रायपुर की उड़ान मेरे सफर की पहली कड़ी थी। हवाई जहाज जब बादलों की परतों को चीरता हुआ ऊपर उठ रहा था, तभी मन में एक अजीब-सी ताजगी उतर रही थी। शहर के शोर से कुछ दिनों की मुक्ति और प्रकृति की गोद में जाने का सुख। रायपुर में उतरने के बाद मैंने अंबिकापुर के लिए एक गाड़ी ले ली, क्योंकि मैनपाट तक जाने का रास्ता वहीं से होकर गुजरता है। रास्ता लंबा जरूर था, पर छत्तीसगढ़ की धरती अपने बदलावों के साथ कितनी विविध और सौंदर्यपूर्ण हो सकती है, यह वहीं महसूस होता है। जंगल, पहाड़, छोटे-छोटे गांव और बीच-बीच में धान के खेत, हर दृश्य आपको अपने भीतर एक शांत लय में बहा ले जाता है।

अंबिकापुर से मैनपाट का सफर पहाड़ों की ओर चढ़ाई शुरू होने के साथ ही बदल जाता है। सड़कें धीरे-धीरे पतली होने लगती हैं, हवा ठंडी होने लगती है और चीड़ के पेड़ों की खुशबू खुद-ब-खुद गाड़ी में प्रवेश कर जाती है। करीब डेढ़ घंटे की चढ़ाई के बाद जब पहली बार मैनपाट का नाम लिखा बोर्ड दिखा, तो ऐसा लगा जैसे किसी अनदेखे संसार के द्वार पर पहुंच गया हूं।

मैनपाट का पहला प्रभाव मन पर नर्म बारिश की बूंदों की तरह पड़ता है। सरल, सुकूनभरा और बिल्कुल स्वाभाविक। कोई भी पर्यटन स्थल जिस तरह चमक-दमक से भरा होता है, उसकी तुलना में मैनपाट अपनी खामोशी में ही खूबसूरती से खींचता है। मैंने गांव के पास बने एक साफ-सुथरे होमस्टे में कमरा लिया। लकड़ी का छोटा-सा कमरा, बाहर बालकनी से दिखता असीम हरियाली का विस्तार और शाम की ठंडी हवा। पहली रात वहीं बीत जानी थी, पर मैं बाहर की प्रकृति को देखने का मोह छोड़ न सका। पहले दिन की शुरूआत दलाई लामा कैंप और तिब्बती बस्तियों से की। कहा जाता है कि 1960 के दशक में कई तिब्बती परिवार यहां आकर बसे थे और उन्होंने अपने संस्कृति-सुगंध से इस जगह को नया रूप दिया। जैसे ही मैं बस्ती में प्रवेश करता हूं, तिब्बती झंडियों की फरफराहट, मठ के सामने बटर लैंप की चमक और धीमे-धीमे बजती प्रार्थना-संगीत हवा में समा गया। वहां के लोगों की सरल मुस्कान और अपनापन ऐसा था कि पहली ही मुलाकात में आपका मन हल्का और शांत हो जाए।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

यहां थरथराती है धरती

इसके बाद मैंने 'जलजला' नाम की जगह देखी, जो मैनपाट की सबसे अनोखी विशेषताओं में से एक है। कहते हैं कि यहां की जमीन पर खड़े होकर आप हल्की-सी छलांग लगाएं तो जमीन थरथराती सी महसूस होती है, मानो धरती किसी छिपी हुई सांस में हिल रही हो। यह प्राकृतिक घटना दलदली भूमि की वजह से होती है, पर अनुभव इतना विचित्र और रोमांचक होता है कि बच्चे हों या बड़े हर कोई मुस्कुराते हुए इसे दोहराने लगता है। यह मैनपाट की पहचान बन चुकी है और शायद ही कोई इसमें बिना आश्चर्य के लौटता हो। दूसरे दिन मैंने मैनपाट के खूबसूरत जलप्रपातों का रुख किया। 'टाइगर प्वाइंट वाटरफॉल' अपनी ऊंचाई और घने जंगलों के बीच बहती धाराओं की वजह से मन को लुभा लेता है। पानी की गिरती धारा की आवाज में प्रकृति की एक लयबद्ध धड़कन सुनाई देती है। इतने शांत परिवेश में बैठकर चाय का कप हाथ में लेकर दुनिया को भूल जाना ही असली यात्रा का स्वाद है। वहां से आगे बढ़कर 'फिश प्वाइंट' पहुंचा, जहां बहती नदी के किनारे स्थानीय लोग मछली पकड़ते दिखते हैं। पानी ठंडा था और बहाव साफ। इच्छाशक्ति हो तो पैर डुबोकर घंटों बैठे रहिए, समय का पता ही नहीं चलता।

तिब्बती व्यंजन भुला देंगे फास्ट फूड का स्वाद

मैनपाट में खाने-पीने की बात हो और तिब्बती व्यंजनों का जिक्र न आए, यह हो ही नहीं सकता। मैंने स्थानीय ढाबे में थुकपा और मोमो खाए। ताजा सूप और पहाड़ी सब्जियों का स्वाद इतना सादगीपूर्ण था कि दिल्ली का फास्ट फूड याद ही नहीं रहा। स्थानीय लोग चावल और देसी सब्जियों पर आधारित भोजन करते हैं, जिससे एक प्राकृतिक ताजगी मिलती है। रहने की सुविधा यहां आजकल काफी अच्छी हो चुकी है। कई होमस्टे और रिसॉर्ट पहाड़ियों पर बने हैं। लकड़ी के बने कमरों की खिड़कियों से सुबह का कोहरा उठता हुआ देखने का अनुभव अपने आप में आनंद है। रातें ठंडी होती हैं, लेकिन कंबल की गर्माहट और बाहर झींगुरों की ध्वनि आपको प्रकृति की बाहों में सुला देती है। तीसरे दिन की सुबह मैंने पास के जंगलों में हल्की पैदल यात्रा की। रास्ते में हवा में बांस की महक घुली हुई थी। पक्षियों की आवाजें, दूर-दूर तक फैला नीला आसमान और कहीं-कहीं गहरी घाटियों के दृश्य, ये सब मिलकर मन में गहरी शांति भर देते हैं। मैनपाट किसी भी यात्री को सिर्फ दृश्य नहीं देता, वह अपनी प्रकृति के माध्यम से आत्मा तक पहुंचने वाला सुकून देता है, जो आज की भागदौड़ में दुर्लभ है।

अंबिकापुर से नजदीक का रास्ता

यदि कोई व्यक्ति मैनपाट की यात्रा करना चाहे, तो रास्ता आसान है। दिल्ली से रायपुर या बिलासपुर तक हवाई यात्रा की जा सकती है। वहां से सड़क मार्ग द्वारा अंबिकापुर और फिर मैनपाट पहुंचा जा सकता है। रेल मार्ग से भी अंबिकापुर पहुंचना सुविधाजनक है। सड़कें अच्छी हैं और पहाड़ी चढ़ाई रोमांचक, लेकिन सुरक्षित है। मैनपाट की खास बात सिर्फ उसका मौसम या प्रकृतिक सुंदरता नहीं है, बल्कि उसका शांत स्वभाव और सांस्कृतिक संगम भी है। तिब्बती संस्कृति, स्थानीय जनजातीय जीवन, पहाड़ी जंगलों की महक, और साफ पानी की धाराएँ इसे एक अद्वितीय स्थान बनाती हैं। यहां न भीड़ है, न शोर, न अनावश्यक व्यापारिक चमक बस प्रकृति का सादा और निर्मल रूप। जब मैं तीसरे दिन शाम को वापस लौटने लगा, तो रास्ते में फैली धुंध और ढलता सूरज मानो कह रहा था कि मैनपाट एक बार आने भर का स्थान नहीं, बल्कि बार-बार बुलाने वाला पर्वतीय गांव है। दिल में एक हल्की कसक और मन में एक शांत मुस्कान लिए मैं वापस दिल्ली की ओर लौट पड़ा पर मैनपाट की वो हरियाली, वो पहाड़ी हवा, वो शांत जलप्रपात और वो मुस्कुराते चेहरे अब हमेशा मेरी स्मृतियों का हिस्सा बन चुके थे। मैनपाट जाना वास्तव में प्रकृति से दोस्ती करने जैसा है और ऐसी दोस्ती जितनी बार निभाई जाए, कम ही है।

सुशील कुमार

प्रार्थना प्रेम की तरह

प्रार्थना
सबसे प्राचीन भाषा है-
शब्द से पहले की भाषा

न दीपक, न घंटा,
सिर्फ.श्वासों का अनसुना संगीत।

और मैं
तुममें विलीन,
सुध-बुध से परे,
जैसे सम्पूर्ण अस्तित्व हो
प्रेम की तरह।

टूटना ही अविकल सौंदर्य है प्रेम का

कितना कुछ छुपा लेती है मिट्टी
अपने भीतर,
तभी वह 'धरा' कहलाती है

जैसे कलाकार शिल्प में
थोड़ी सी
मृत्यु छुपा लेता है और खुश होता है

जो रिक्ति है शब्दों के बीच की
किसी अनकहे प्रेम की तरह ,
वही थोड़ा सा बच पाता है

जो आकार लेता है ,
टूटना ही उसका अविकल सौंदर्य है,
किसी फूल के झर जाने की तरह।

कहानी

बिसाही नामे पिछड़ी

कमल
रांची, झारखंड

'फुलवा को मारना होगा'। घने पत्तों पर दौड़ती जंगली हवाओं के साथ जहरीले साँप सी सरसराती वह आवाज न जाने किस तरफ से आई और फिर उन्हीं हवाओं में न जाने किस तरफ खो गई।

जामुनी टोला से लखीपाई तक पाँच मील की दूरी के लगभग बीचो-बीच वह एक मील लंबा घना जंगल पड़ता है। वैसे झारखंड के जंगलों से परिचित लोगों को उसे जंगल कहने में भी थोड़ी झिझक हो सकती है। क्योंकि अगर उसमें से सरई, बेर, पलाश, सागवान, जामुन, बाँस आदि के उन पेड़ों को हटा दिया जाए, तो उसे एक खूबसूरत फूलों वाला घास का मैदान कहा जा सकेगा, जैसा कि उत्तराखंड में फूलों की घाटी को कहते हैं।

लगभग एक मील लंबे, घने उस जंगल में पुटुस, कनेर, थेथर, गेंदा, गुलाब, अमरलता और न जाने कितनी तरह के ढेर सारे रंग-बिरंगे फूलों और झाड़ियों के बीच गिलहरी, गौरेया, तितली और तरह-तरह के पशु-पक्षी मजे से खाते-टहलते रहते हैं। वहाँ फगुआ में तो पलाश के इतने सारे फूल खिलते हैं कि हरा जंगल, रंग बदल कर लाल हो जाता है। उस जंगल के चारों तरफ दूर तक फैले खेतों और गाँव-देहात को देख कर यही लगता है, मानों किसी ने जंगल के उस टुकड़े को सिंहभूम के सारंडा वनों से उठा कर यहाँ ला रखा और फिर वापस लौटते वक्त इसे अपने साथ ले जाना भूल गया हो।

जमुनी टोला के सरकारी स्कूल से पैदल चलते, बिजला तिग्गा और बोनो करवा दोनों ने थोड़ी देर पहले ही उस जंगल में प्रवेश किया था। वहाँ बोनो कक्षा छह में और बिजला सातवीं में पढ़ते थे। उस दिन की अपनी पढ़ाई कर लौटते हुए वे दोनों अतिरिक्त उत्साह में थे और होते भी क्यों नहीं, कितने दिनों बाद उस दिन, उनका स्कूल खुला था। दोनों का ही घर लखीपाई में होने के कारण वे साथ-साथ स्कूल जाते और साथ-साथ ही लौटते।

'आज स्कूल में कितना मजा आया न', बोनो करवा चहकते हुए बोली।

'हाँ, हाँ। मजा तो आना ही था। कोरोना के कारण हमारा स्कूल इतने दिनों बाद जो खुला'। बिजला तिग्गा की उत्साही आवाज ने भी उसका वैसा ही साथ दिया।

'बाजार-दुकान, बस-रेलगाड़ी सब्बे कुछ तो बंद था। फिर हमारा स्कूल कैसे खुला रहता?' बोनो ने समझदारी दिखाते हुए कहा।

मस्ती में झूमते बातें करते वे दोनों अपने घरों की ओर बढ़ते जा रहे थे। सामने बायीं तरफ एक खुली-सी जगह थी। वहाँ खिले फूलों पर रंग-बिरंगी तितलियाँ मंडरा रही थीं। उस जगह रुक कर तितली पकड़ना उनके लिए सामान्य-सी बात थी। बोनो ने अपनी चाल धीमी करते हुए कहा।

'चल, तितली पकड़ते हैं'।

'हाँ, हाँ !' बिजला ने हामी भरी।

दोनों ने अपने-अपने बस्ते एक तरफ घास पर रखे और आस-पास उड़ती तितलियों को पकड़ने में मशगूल हो गए। वहाँ उड़ती अधिकांश तितलियाँ भी मानों उनको पहचानती हों। उनके पास आ जाने तक वे इत्मिनान से अपनी जगह पर बैठी रहतीं और जैसे ही वे पकड़ने के लिए दम साधे उन तितलियों की तरफ अपना हाथ बढ़ाते, वे फुर्र...र्र हो जातीं। अगर वे कोई तितली पकड़ भी लेते तो खुशी से चहकते हुए एक-दूसरे को दिखलाते और फिर उसे उड़ा देते। उन्होंने कभी भी अपने खेल में किसी तितली को नुकसान नहीं पहुँचाया था।

एक बहुत सुंदर रंग-बिरंगी तितली कुछ देर से बिजला को लगातार छका रही थी। जब-जब वह उसे पकड़ने को होता, तितली फुर्र...र्र से उड़ जाती। उस बार वह उड़ते हुए दायीं तरफ की घनी झाड़ियों की ओर बढ़ गई। बिजला को उसके पीछे जाता देख बोनो ने टोका।

'अब उसे छोड़ो। चलो घर चलते हैं, नहीं तो देर हो जाएगी'।

तितलियों के उस खेल में तब तक बिजला भी थक चुका था, लेकिन उस रंग-बिरंगी तितली का आकर्षण कुछ ऐसा था, कि हार मानने को वह तैयार न हुआ।

'अरे देखा नहीं, वो कितनी सुन्दर है। बस दो मिनट। अभी आया'- कहता हुआ वह भी उस तितली के पीछे झाड़ियों में घुस गया। आज वह तितली भी मानों ठाने बैठी थी कि बिजला की पकड़ में नहीं आने वाली। तितली उसे छकाती हुई, घनी झाड़ियों में दाएं-बाएं करती और आगे उड़ी जा रही थी। बिजला ने मुड़ कर देखा, पीछे बोनो नहीं दिख रही थी। लेकिन बोनो की आवाज आयी।

'तुम आते हो या मैं जाऊँ?'

'अच्छा बाबा आता हूँ'- बोनो की ओर मुँह कर उसने उत्तर दिया।

मगर लौटने की जगह वह फिर से तितली की ओर वापस मुड़ गया। लेकिन, तब तक वह तितली उसकी आँखों से ओझल हो चुकी थी। उसने दाएं-बाएं, ऊपर-नीचे, अगल-बगल चारो तरफ नजरें दौड़ाईं। मगर उस तितली को न दिखना था, न ही वो उसे नजर आयी। निराश मन से वह झाड़ियों से निकलने को मुड़ा ही था कि हवाओं पर तैरता हुआ वह वाक्य उसके कानों से आ टकराया।

'फुलवा को मारना पड़ेगा'- भारी और लड़खड़ाती सी, वह आवाज बोनो करवा की तो नहीं थी।

तितली न पकड़ पाने की निराशा में झाड़ी से बाहर निकलते हुए बिजला को वह वाक्य सुन कर ऐसा लगा, मानों उसने कोई साँप देख लिया हो। वह जस का तस जड़ हो गया। फिर उसने पंजों के बल दम साधे झाड़ियों में थोड़ा आगे जा कर देखा, उधर छह-सात लोग पास-पास बैठे बातें कर रहे थे। बिजला उनमें से अपने गाँव लखीपाई के मताल और रघुनु को पहचान गया। दोनों फुलवा काकी के गोतिया थे। मताल के बगल में काले रंग का प्लास्टिक का जार रखा था, जिसमें से प्लास्टिक के गिलासों में ढाल कर, वह बारी-बारी से सबको हड़िया दे रहा था। उनके बीच दो-तीन पत्तलों में कुछ खाने का समान रखा हुआ था। बिजला को समझते देर न लगी, खाते-पीते, नशे में झूमते, वे सब फुलवा काकी की हत्या की योजना बना रहे थे।

उसके ही गाँव की फुलवा माने फूलो काकी उसकी सगी काकी नहीं थी। काकी का पति चुड़का दिल्ली में काम करता था और वे दोनों दिल्ली में ही रहते थे। हाँ हर साल सरहुल पर वे त्योहार मनाने लखीपाई जरूर आते। तब उसकी और फूलो काकी की खूब बनती थी। काकी उसे केवल खूब सारी कहानियाँ ही नहीं सुनाती, बल्कि उसकी स्कूल की पढ़ाई में भी बहुत मदद करती थी। उन दिनों काकी के साथ उसका समय कैसे बीत जाता, बिजला को पता ही न चलता। सरहुल के बाद फूलो काकी के वापस दिल्ली लौट जाने के बाद से ही बिजला बड़ी बेसब्री से अगले सरहुल की प्रतीक्षा करता।

...लेकिन उस बार फुलो काकी और काका दिल्ली से असमय लौटे थे। अस्त-व्यस्त, भूखे-प्यासे, बेहाल। फूलो काकी बताती थी, पूरी दिल्ली में ही आफत आ गयी थी।

'उहे कोरोनवा बिमारी, न कभ्भी अइसन बिमारी का सुना था, न जानते थे। सब्बे कुछ बंद हो गिया रे। बजार, दुकान सगरो तो करफू जइसा लाकडाउन लगा न। तोर काका का फेक्टरी बंद हो गिया। पहले तो लगा कि कुछ दिन का बात है, सब ठीक हो जएगा। लेकिन एकदम्मे अईसा नहीं हुआ रे। कमाई बंद तो खाते कहाँ से? बस, टरेन बंद तो आते कइसे? फिर देखा सब लोग पैदले दिल्ली से अपना-अपना देस लौट रहे हैं। कोई यूपी, कोई बिहार, कोई कहाँ तो कोई कहाँ। हम सुने तो हमरा जाने निकल गिया। बाप रे ओतना दूर दिल्ली से पैदले लखीपाई आना होगा? लेकिन सबलोग दिल्ली से भाग रहा था तो हमलोग कइसे रहते, हम भी चल दिए। दिन भर, रात भर केतना तो पैदल चले। कभी थोड़ा दूर तक कोई टरक, टेक्टर मिल जाता था। लेकिन जादे तो पैदले चले रे'।

'काकी अब तुम कब्भी दिल्ली मत जाना। दिल्ली अच्छा जगा नहीं है'।

वह मानों काकी को समझाता और काकी बड़े प्यार से उसके बालों में हाथ फिराती हुई हामी भर देती।

अगले अंक में पढ़ें पार्ट-2।

BRIEF NEWS

छात्रवृत्ति को लेकर एनएसयूआई ने केंद्र के खिलाफ निकाला मार्च

RANCHI : झारखंड में पिछले लगभग दो वर्षों से छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति देने की मांग को लेकर शनिवार को नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) छात्र संगठन ने केंद्र सरकार के खिलाफ जन आक्रोश मार्च निकाला। यह मार्च मोरहाबादी मैदान से शुरू होकर लोक भवन तक पहुंचा। मार्च के दौरान छात्रों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और छात्रवृत्ति जल्द जारी करने की मांग की। छात्र संगठनों ने आरोप लगाया कि छात्रवृत्ति की राशि राज्य और केंद्र सरकार मिलकर देती हैं, लेकिन केंद्र सरकार अपने हिस्से का 60 प्रतिशत फंड झारखंड को देने में असफल रही है। इसी कारण राज्य सरकार छात्रवृत्ति की राशि जारी नहीं कर पा रही है। एनएसयूआई नेताओं ने केंद्र सरकार पर झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया।

एसोसिएशन ने पेंशन अधिनियम संशोधन के विरोध में दिया धरना

RANCHI : राष्ट्रीय आह्वान के तहत फोरम ऑफ सिविल पेंशनर्स एसोसिएशन, रांची के बैनर तले शनिवार को शहीद चौक, रांची में पेंशन अधिनियम में किए गए वैलिडेशन संशोधन और आठवें वेतन आयोग को भेजे गए टर्म ऑफ रेफरेंस के विरोध में जिला स्तरीय धरना का आयोजन किया गया। धरना में विभिन्न केंद्रीय विभागों के पेंशनर्स ने भाग लिया। सभा का संचालन करते हुए एमजेड खान ने बताया कि धरना को रेलवे के चंचल कुमार सिंह, जगजीत सिंह बहल, बीएसएनएल के नरेश लाल, बैंक के एमएल सिंह, पोस्टल के साधन कुमार सिन्हा सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि संसद में 25 मार्च को वित्त विधेयक के माध्यम से पारित कर्मचारी और पेंशनर्स विरोधी संशोधन को जब तक सरकार वापस नहीं लेती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

जेरेया में एक दिवसीय टुसू मेला-सह-फुटबॉल प्रतियोगिता 16 को

NAMKUM : नामकुम जेरेया स्कूल मैदान में 16 जनवरी को टुसू मेला आयोजन समिति की ओर से एक दिवसीय टुसू मेला-सह-फुटबॉल खेल प्रतियोगिता एवं आधुनिक नागपुरी संस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। समिति के संयोजक महादेव मुंडा ने बताया कि प्रतियोगिता में फुटबॉल में विजेता टीम को डेढ़ लाख, द्वितीय पुरस्कार में एक लाख, तृतीय व चतुर्थ विजेता को हजार हजार पुरस्कार रखा गया है। टुसू चैड़ल में प्रथम पुरस्कार 7500, द्वितीय पुरस्कार 5500 व तृतीय पुरस्कार 4500 रुपये रखा गया है। मस्ताना म्युजिकल ग्रुप द्वारा नागपुरी संस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि खिजरी विधायक राजेश कच्छप, कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा व विशिष्ट अतिथि में खूंटी विधायक रामसूर्य मुंडा शामिल होंगे।

रांची में आरपीएफ और सीआईबी की संयुक्त कार्रवाई में हुआ खुलासा

रेलवे टिकटों की कालाबाजारी रोकने के लिए बने सिस्टम को दलालों ने दी चुनौती

VIVEK SHARMA, RANCHI : रेलवे टिकटों की कालाबाजारी भले ही कम हुई है। लेकिन, दलाल इसका तोड़ निकाल ही लेते हैं। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पर्सनल यूजर आईडी का इस्तेमाल कर दलालों ने लाखों रुपये का टिकट बुक कर पैसेंजर्स को बेच दिया। इसका खुलासा आरपीएफ की कार्रवाई के बाद हुआ। इसमें पकड़े गए दलालों ने टिकट बुकिंग के खेल की पूरी कहानी बयां की। इस दौरान कई और चौंकाने वाली बातें भी सामने आई है।

उल्लेखनीय है कि अवैध टिकट के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आरपीएफ और सीआईबी रांची की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक साल में 13 मामलों में 13 टिकट दलालों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान उनके पास से 2,06,540.25 रुपये मूल्य के रेलवे टिकट बरामद किए गए हैं। जिसे ये लोग भारी कीमत पर पैसेंजर को बेचने की तैयारी में थे।

पर्सनल यूजर आईडी का इस्तेमाल कर बनाते थे टिकट, ज्यादा दाम पर बेचने से हुई बंपर कमाई

- एक साल में 13 दलाल गिरफ्तार, दो लाख से अधिक के टिकट बरामद
- राजधानी में एक दिन में दो टिकट दलाल चढ़े आरपीएफ के हत्थे
- पकड़े गए दलालों ने टिकट बुकिंग के खेल की बयां की पूरी कहानी

केस-1

9 जनवरी 2026 को गुप्त सूचना के आधार पर आरपीएफ पोस्ट रांची और सीआईबी रांची की संयुक्त टीम ने थाना लोअर बाजार पुलिस की सहायता से पुरुलिया रोड स्थित पत्थलकुदवा क्षेत्र में नेट वर्ल्ड नामक दुकान पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान दुकान में ऑनलाइन कार्य कर रहे एक व्यक्ति से पूछताछ की गई, जिसने अपना नाम विनोद टुडू (28 वर्ष) थाना पतरातू जिला रामगढ़ बताया। जांच के दौरान वह आईआरसीटीसी का कोई अधिकृत एजेंट आईडी प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह अपने व्यक्तिगत यूजर आईडी के माध्यम से रेलवे ई-टिकट जेनरेट कर जरूरतमंद यात्रियों को निर्धारित किराए से अधिक राशि लेकर बेचता था। उसके कंप्यूटर सिस्टम से 11 पुराने और उपयोग किए गए रेलवे ई-टिकट बरामद किए गए, जिनका कुल मूल्य 29,553 रुपये आंका गया। मौके से 11 पुराने रेलवे ई-टिकट, एक सैमसंग मोबाइल फोन, एक एसर मॉनिटर और जेब्रॉनिक्स कंपनी का असेंबल्ड सीपीयू जब्त किया गया।

केस-2

ऑपरेशन उपलब्ध के तहत आरपीएफ रांची ने एक अन्य टिकट दलाल को भी गिरफ्तार किया। एसआई सोहन लाल के नेतृत्व में आरपीएफ और सीआईबी की टीम ने पीआरएस बुकिंग काउंटर रांची पर छापेमारी की। रेलवे कार पार्किंग गेट के पास संदिग्ध अवस्था में पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम मनोज कुमार महतो (36 वर्ष) चंदनकियारी बोकारो बताया। उसके पास से ट्रेन संख्या 20839 (रांची नई दिल्ली) की दो यात्रियों के तत्काल काउंटर टिकट बरामद किए गए। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि टिकट उपलब्ध कराने के बदले उसने अतिरिक्त राशि ली थी।

दलालों के विरुद्ध चलाया जा रहा अभियान

आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार ने बताया कि रांची मंडल में टिकट दलालों के विरुद्ध लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। सूचना मिलने पर कार्रवाई की जा रही है। कई दलाल हमारी टीम की गिरफ्त में आए हैं। नेटवर्क का भी पता लगाने की हम कोशिश कर रहे हैं। हाल में कार्रवाई के दौरान 2 दलाल पकड़े गए हैं। उनके पास भी टिकट बरामद किया गया है। पहले टिकट बुकिंग का भी रिकॉर्ड मिला है, जिससे साफ है कि ये लोग लंबे समय से टिकट का अवैध कारोबार करते रहे है।

लेकिन, उससे पहले ही आरपीएफ की कार्रवाई हो गई। हालांकि दलालों के पास मिले रिकॉर्ड से खुलासा हुआ कि पहले से टिकट बुक कर उन्होंने पैसेंजर्स को ज्यादा पैसे लेकर टिकट दिया था।

अलग आईकार्ड से टिकट बुकिंग

कार्रवाई के दौरान जांच में आरपीएफ की टीम को जानकारी मिली कि पर्सनल यूजर आईडी का इस्तेमाल कर टिकट दलाल ट्रेनों के टिकट बुक करते थे। जिसमें अलग-अलग आईडी कार्ड से टिकट बुक कर रख लेते थे। इसके बाद पैसेंजर्स को मनमाने दाम पर टिकट उपलब्ध कराते थे। ट्रेनों में भीड़ अधिक होने के कारण केवल टिकट चेक किया जाता है। अगर पैसेंजर की आईडी भी चेक की जाए तो इस नेटवर्क का खुलासा हो सकता है। कार्रवाई में 14 पर्सनल यूजर आईडी और 2 एजेंट आईडी का भी पता लगाया गया है, जिनका उपयोग अवैध रूप से टिकट बनाने में किया जा रहा था।

जस्टिस शाहदेव ने अलग राज्य आंदोलन को दी नई दिशा : बाबूलाल मरांडी

RANCHI : झारखंड आंदोलन के प्रबल योद्धा और धरतीपुत्र न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एलपीएन शाहदेव की पुण्यतिथि पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं ने रांची स्थित शाहदेव चौक पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू, पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, केंद्रीय राज्य मंत्री संजय सेठ सहित कई भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बाबूलाल मरांडी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि एलपीएन शाहदेव झारखंड की मिट्टी और उसके उत्थान के लिए समर्पित एक महान योद्धा थे। उन्होंने अलग झारखंड राज्य के आंदोलन को नई दिशा दी और इसे आदिवासी-मूलवासी समाज का व्यापक जनआंदोलन बनाया। मरांडी ने कहा कि न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त होने के बाद भी एलपीएन शाहदेव ने आंदोलन के लिए स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर दिया। उन्होंने आंदोलन के दौरान अपनी गिरफ्तारी तक दी। लिहाजा, झारखंड की युवा पीढ़ी को ऐसे समर्पित आंदोलनकारियों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। प्रदेश भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू ने भी एलपीएन शाहदेव को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने झारखंड को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने का सपना देखा था। उनका संघर्ष और विचार आज भी राज्य के विकास के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

बाइक चोर गिरोह का जगरनाथपुर पुलिस ने किया खुलासा, तीन अपराधी गिरफ्तार

PHOTON NEWS RANCHI : जगरनाथपुर थाना पुलिस ने बाइक चोरी के एक संगठित गिरोह का खुलासा किया है। वहीं पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इनके पास से चोरी की आठ मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी चोरी की बाइक के नंबर बदलकर और फर्जी कागजात तैयार कर उन्हें बेचने की फिराक में थे। सिटी एसपी पारस राणा ने जगरनाथपुर थाना परिसर में प्रेसवार्ता के दौरान ये जानकारी दी। अपराधियों की पहचान राज उर्फ विजय सिंह, संतोष उर्फ करण ठाकुर और विनीत उर्फ प्रिंस पासवान के रूप में की गई हैं। सभी

पहले करते थे चोरी, फिर नंबर प्लेट बदलकर बेचने का काम

सिंह मोड़ हटिया क्षेत्र के रहने वाले है। सिटी एसपी ने बताया कि इनके खिलाफ पहले से कई थानों में बाइक चोरी के मामले दर्ज हैं। अन्य सहयोगियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। सिटी एसपी ने बताया कि 9 जनवरी को पुलिस को सूचना मिली थी कि हेसाग तालाब के पास कुछ असामाजिक तत्व चोरी की मोटरसाइकिलों के साथ घूम रहे हैं और नशापान व अन्य अवैध गतिविधियों में संलिप्त हैं। सूचना के आधार पर सिटी एसपी के निर्देश पर जगरनाथपुर थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने हेसाग तालाब और आसपास के इलाकों में छापेमारी कर तीन युवकों को चोरी की तीन मोटरसाइकिलों के साथ गिरफ्तार किया।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने इटकी में स्वास्थ्य मेला का किया उद्घाटन

RANCHI : झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने शनिवार को इटकी प्रखंड में एक ओर जहां प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का उद्घाटन किया, वहीं खंभा गांव में ग्रामीणों को कई विकास योजनाओं की सौगात दी। उन्होंने ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार का भरोसा दिलाया। मंत्री ने इटकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में आयोजित स्वास्थ्य मेला का उद्घाटन कर विभिन्न स्वास्थ्य स्टॉलों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला आयोजित करने का उद्देश्य आम लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच उपलब्ध कराना तथा अधिक से अधिक लोगों को सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं से जोड़ना है।

गणतंत्र दिवस पर परेड में दिखाई जाएंगी 12 विभागों की झांकियां, डीसी ने की समीक्षा

PHOTON NEWS RANCHI : रांची में गणतंत्र दिवस समारोह-2026 की तैयारियों को लेकर शनिवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में समाहरणालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक रांची राकेश रंजन सहित प्रशासन, पुलिस और विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह को भव्य, सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल-1 को मैदान के समतलीकरण, बैरिकेडिंग, वाटरप्रूफ

- समारोह की तैयारियों को लेकर उपायुक्त ने की बैठक
- अधिकारियों को समय पर कार्य पूरा करने का दिया निर्देश

अधिकारियों के साथ बैठक करते उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री

पंडाल, गैलरी, कुर्सी, मंच, साउंड सिस्टम और टावर निर्माण की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं विद्युत कार्य प्रमंडल को निर्बाध बिजली आपूर्ति और साउंड प्रूफ जेनरेटर की व्यवस्था समय पर पूर्ण करने को कहा गया।

समारोह स्थल के पास विशेष सफाई : उपायुक्त ने पेयजल, अस्थाई और वीआईपी शौचालय, मेडिकल कैंप, एंबुलेंस, अग्निशमन, ट्रैफिक व पार्किंग व्यवस्था, साफ-सफाई और सड़कों की मरम्मत को लेकर भी संबंधित विभागों को जिम्मेदारी सौंपी। नगर निगम रांची को समारोह स्थल और आसपास के क्षेत्रों की विशेष सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

प्रशांत ने डीएवी नेशनल वुशु चैंपियनशिप में झारखंड को दिलाया सिल्वर मेडल

PHOTON NEWS RANCHI : कांके प्रखंड के बालू गांव निवासी प्रशांत कुमार सिंह ने डीएवी स्पोर्ट्स नेशनल में सिल्वर मेडल प्राप्त कर राज्य और अपने गांव का नाम रोशन किया है। प्रशांत डीएवी नीरजा सहाय के छात्र हैं। रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस चैंपियनशिप में डीएवी ग्रुप्स में 900 स्कूलों के 45 बच्चे प्रतिभागी रहे। प्रशांत अंडर-19 झारखंड की ओर से वुशु चैंपियनशिप खेल रहे थे। इनके अद्भुद खेल प्रदर्शन की बदौलत झारखंड रनरअप रहा, जबकि व्यक्तिगत तौर पर सिल्वर मेडल हासिल कर एक कीर्तिमान स्थापित किया। प्रशांत के पिता रणधीर सिंह एक किसान हैं।

इनके प्रदर्शन और सिल्वर मेडल प्राप्त करने पर स्कूल, गांव और इलाके में खुशी की लहर है। अंडर-19 वर्ग में झारखंड टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रशांत ने लगातार अपने मुकाबलों में उत्कृष्ट तकनीक, गति और आत्मविश्वास का परिचय दिया। उन्होंने अपने पूल मुकाबलों से लेकर सेमीफाइनल तक सभी प्रतिद्वंद्वियों को मात दी और शानदार अंदाज में फाइनल में प्रवेश किया।

मौसीबाड़ी से लापता बच्चों का 9वें दिन भी नहीं मिला कोई सुराग, आज बंद रहेगा धुर्वा

PHOTON NEWS RANCHI : धुर्वा क्षेत्र के मौसीबाड़ी मल्लारकोचा खटाल से 2 जनवरी को लापता हुए 5 वर्षीय अंश और 4 वर्षीय अंशिका का 9वें दिन भी कोई सुराग नहीं मिला। अब लोग आक्रोशित है और सड़क पर उतरकर जन आंदोलन कर रहे है। इतना ही नहीं रविवार को धुर्वा बंद बुलाया गया है। अंश-अंशिका बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले शनिवार को विशाल मशाल जुलूस निकाला गया, जिसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। यह जुलूस मौसीबाड़ी खटाल से शुरू होकर सेक्टर-2 झोपड़ी मार्केट, पुराना विधानसभा होते हुए बिरसा चौक पहुंचा। जहां भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा के समक्ष सभा कर

समापन हुआ। मशाल जुलूस का नेतृत्व समिति के संयोजक सह राजद नेता कैलाश यादव ने किया। उन्होंने कहा कि 9 दिन बीतने के बाद भी प्रशासन की ओर से कोई ठोस जानकारी नहीं दी गई है, जिससे लोगों में गुस्सा और निराशा बढ़ती जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द बच्चों की सकुशल बरामदगी नहीं हुई तो जनाक्रोश जनांदोलन का रूप ले लेगा। अंश-अंशिका की सुरक्षित वापसी की मांग को लेकर 11 जनवरी रविवार को संपूर्ण एचईसी औद्योगिक क्षेत्र में सुबह 6 बजे से शाम 5 बजे तक बंद का आह्वान किया गया है। इस दौरान बाजार, दुकानें, ऑटो व वाहन बंद रहेंगे। सुबह 10 बजे सेक्टर-2 पंचमुखी हनुमान मंदिर से शांतिमार्च निकाला जाएगा।

NEWS BOX

कांग्रेस ने की सभी जिलों में 'मनरेगा बचाओ' आंदोलन की घोषणा

PHOTON NEWS RANCHI : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस ने राज्यभर में 'मनरेगा बचाओ' नामक विरोध आंदोलन चलाने की घोषणा की है। इसके तहत सभी जिलों में कांग्रेस के जिलाध्यक्षों की ओर से प्रेस वार्ताओं का आयोजन कर आंदोलन की रूपरेखा साझा की जा रही है। इसी कड़ी में शनिवार को रांची स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस इस संघर्ष को निर्णायक परिणाम तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार मनरेगा के माध्यम से गरीबों से काम का अधिकार छीनने का प्रयास कर रही है, जिसे कांग्रेस किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेगी। जबतक यह अधिकार पूरी तरह बहाल नहीं किया जाता, तबतक पार्टी का आंदोलन जारी रहेगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मनरेगा ग्रामीण भारत की जीवनरेखा है और इसे कमजोर करने का प्रयास सीधे तौर पर गरीबों, मजदूरों और वंचित वर्गों पर हमला है। पार्टी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने मौके पर आंदोलन के कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आंदोलन के प्रथम चरण में 11 जनवरी को राज्य के सभी जिलों में डॉ. भीमराव अंबेडकर और महात्मा गांधी की प्रतिमाओं के समक्ष उपवास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

रांची भाजपा के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्षों का संजय सेठ ने किया स्वागत

PHOTON NEWS RANCHI : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अरगोड़ा स्थित सांसद कार्यालय में शुक्रवार को रांची जिला भाजपा के तीनों नवनिर्वाचित जिला अध्यक्षों का अभिनंदन किया गया। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रांची महानगर अध्यक्ष वरुण साहू, रांची ग्रामीण पूर्वी अध्यक्ष विनय महतो उर्फ धीरज और रांची ग्रामीण पश्चिम अध्यक्ष नरेंद्र सिंह को सम्मानित किया। इस अवसर पर रांची जिले के विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि यह सुखद और सकारात्मक संकेत है कि रांची जिले में संगठन की कमान युवाओं के हाथों में सौंपी गई है। उन्होंने विश्वास जताया कि तीनों जिला अध्यक्ष अपनी ऊर्जा, उत्साह और संगठनात्मक क्षमता के बल पर पार्टी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्य, भाजपा की विचारधारा और अंत्योदय की संकल्पना को धरातल पर उतारने में ये तीनों अध्यक्ष ब्रांड एंबेसडर की भूमिका निभाएंगे। उन्होंने संवाद के दौरान संगठन से जुड़े अपने अनुभव भी कार्यकताओं के साथ साझा किए। उन्होंने कहा कि संगठन की विचारधारा ही हमारे लिए प्रकाश स्तंभ है और इन्हीं विचारों को लेकर राष्ट्रप्रथम के भाव से निरंतर आगे बढ़ना है। इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन एवं भाजपा नेता हरविंदर सिंह बेदी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

एक्टिव एक्शन | अतिक्रमण करने वालों को चेतावनी, सख्ती से निपटने का निर्देश

नगर प्रशासक ने किया मेन रोड और डोरंडा बाजार का निरीक्षण

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची के विकास और सरकारी भूमि संरक्षण की दिशा में रांची नगर निगम एक के बाद एक कई महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। वहीं प्रशासक सुशांत गौरव भी एक्शन मोड में है। शुक्रवार को उन्होंने शहर के मेन रोड और डोरंडा बाजार का निरीक्षण किया। इस दौरान मेन रोड स्थित आरअली ग्रैंड मॉल के सामने निगम की 13.5 डिसमिल भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। पूर्व में बंदोबस्ती की गई दुकानों में से अतिक्रमण कर बनाई गई 8 दुकानों और 2 गुमटियों को हटाया गया। साथ ही बताया गया कि उस भूमि पर जी+1 मार्केट कॉम्प्लेक्स विकसित करने की योजना है। इस क्रम में प्रशासक ने वार्ड संख्या-45 के डोरंडा बाजार स्थित लगभग एक एकड़ निगम भूमि का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डोरंडा थाना के समक्ष मार्केट, झंडा चौक और आसपास के कनेक्टिंग मार्गों में फैले अतिक्रमण व अव्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। प्रशासक ने अधिकारियों को क्षेत्र की मापी कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने, ड्रोन मैपिंग कराने और इनफोर्समेंट शाखा को वृहद अभियान चलाने के निर्देश दिए।

आरअली ग्रैंड मॉल के सामने निगम की 13.5 डिसमिल भूमि को कराया अतिक्रमण से मुक्त

अधिकारियों के साथ नक्शा देखते प्रशासक सुशांत गौरव

पार्किंग स्थल होगा चिह्नित

नगर प्रशासक ने इंजीनियरिंग शाखा को जी+2 मॉडर्न रोड-साइड वेंडर मार्केट के प्रस्ताव को शीघ्र लागू करने, लेबर चौक के विकास कार्य में तेजी लाने, व्यवस्थित पार्किंग स्थल चिह्नित करने और विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। साथ ही क्षेत्र में शौचालयों की स्वच्छता और सुव्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

शहर को मिला ऑटो स्टैंड

यातायात व्यवस्था को सुधारने की दिशा में एक और अहम निर्णय लेते हुए नागा बाबा वेजिटेबल मार्केट के बगल में स्थित निगम की त्रिकोणीय भूमि को ऑटो स्टैंड के रूप में निर्धारित किया गया। अपर प्रशासक संजय कुमार और यातायात पुलिस अधीक्षक ने मौके पर ऑटो चालकों को निर्देश देते हुए कहा कि अब रातु रोड क्षेत्र में दो निर्धारित ऑटो स्टैंड संचालित होंगे। फिलहाल यह व्यवस्था नि:शुल्क रहेगी। इसके अलावा स्वामी विवेकानंद जयंती (युवा दिवस) को ध्यान में रखते हुए बड़ा तालाब (विवेकानंद सरोवर) क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त किया गया है। सभी खराब स्ट्रीट लाइट को दुरुस्त कर पूरे क्षेत्र को प्रकाशमय बनाया गया है। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे अतिक्रमण से बचें, निर्धारित स्थलों का ही उपयोग करें।

राष्ट्रीय स्कूली गतका प्रतियोगिता में वेदांत ने जीता कांस्य पदक

RANCHI : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के तत्वावधान में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय स्कूली गतका प्रतियोगिता में झारखंड के खिलाड़ी वेदांत भारद्वाज ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य का नाम रोशन किया है। अंडर-19 बालक वर्ग के फरी सोटी इंडिविजुअल इवेंट में वेदांत ने कांस्य पदक जीतकर झारखंड के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। परिषद के अनुसार, यह प्रतियोगिता 06 से 11 जनवरी 2026 तक पंजाब के लुधियाना स्थित पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के ओपन थियेटर में आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता के नॉकआउट राउंड में वेदांत भारद्वाज ने छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी को कड़े मुकाबले में 63-59 से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

BRIEF NEWS

जमशेदपुर महानगर के भाजपा जिलाध्यक्ष बने संजीव सिन्हा

JAMSHEDPUR : भाजपा, जमशेदपुर महानगर के जिला अध्यक्ष संजीव सिन्हा बनाए गए हैं। इनके नाम की घोषणा शनिवार को साकची स्थित जिला कार्यालय में जिला चुनाव अधिकारी सह प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह व चुनाव पर्यवेक्षक सह पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने की। इस अवसर पर प्रदेश परिषद सदस्य के रूप में पूर्व सांसद आभा महतो, पूर्व विधायक मेनका सरदार, प्रदेश मंत्री नंदजी प्रसाद, पूर्व जिलाध्यक्ष बिनोद सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मनोज सिंह तथा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष मुचिराम बाउरी के नामों की भी घोषणा की गई।

सुभाष राणा हत्याकांड का खुलासा, आरोपी किया गया गिरफ्तार

KODERMA : विगत आठ जनवरी की रात्रि जयनगर थानान्तर्गत पिपचो बाजार में बरामद शव और हत्या मामले का खुलासा हो गया है। इस मामले में शामिल आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। कोडरमा एसपी कार्यालय के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में डीएसपी रतीभान सिंह ने उक्त जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शव बरामद होने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई थी। उक्त मामले में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस दौरान संजु देवी, पति सुभाष राणा, साकिन बेको, थाना जयनगर, जिला कोडरमा ने शव की पहचान अपने पति सुभाष राणा के रूप में की। घटना के संबंध में संजु देवी पति सुभाष राणा की ओर से थाना प्रभारी, जयनगर को दिये गये बयान पर जयनगर थाना (कांड सं 6/26) दर्ज की गयी।

जन वितरण प्रणाली के विक्रेताओं में फोर जी ई-पॉस मशीन का वितरण

PALAMU : जन वितरण प्रणाली के विक्रेताओं के लंबे संघर्ष के बाद फोर जी ई-पास मशीन को दी जा रही है। शनिवार से इसका वितरण शुरू कर दिया गया। पलामू समाहरणालय परिसर में जिला आपूर्ति कार्यालय की ओर से कार्यक्रम आयोजित कर मेदिनी नगर शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के पीडीएस डीलरों के बीच ई-पास मशीन का वितरण किया गया। जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्को ने शहरी क्षेत्र के 89, जबकि सदर प्रखंड क्षेत्र के 95 पीडीएस डीलरों के बीच ई पास मशीन का वितरण किया। मौके पर आपूर्ति पदाधिकारी ने कहा कि लंबे समय से टू जी ई पास मशीन का इस्तेमाल हो रहा है। नेटवर्क की समस्या हमेशा रहती थी और खाद्यान्न का वितरण करने में परेशानी आती थी। इसे देखते हुए फोर जी ई पास मशीन का वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि अब वितरण व्यवस्था प्रभावी तरीके से होगी।

24 दिसंबर को अपराधियों ने घटना को दिया था अंजाम

बालाजी ज्वेलर्स में लूट व फायरिंग मामले में चार गिरफ्तार, दो फरार

PHOTON NEWS JAMTARA : जामताड़ा शहर के कायस्थपाड़ा चौक के समीप बालाजी ज्वेलर्स में 24 दिसंबर को लूट की घटना हुई थी। इस मामले में पुलिस ने 17 दिन बाद चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में देवघर के पड़रिया निवासी अजीत यादव (26), जरमुंडी के हसमत अंसारी (22), बदियामोड़ के चंदन कुमार (18) व चितरपोंका निवासी मुकेश यादव (20) है। गिरोह के दो सदस्य फरार हैं। शनिवार को एसपी राजकुमार मेहता ने नगर थाने में प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि 24 दिसंबर के दो मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए चार नकाबपोश ने हथियार का भय दिखाते हुए आभूषण दुकान के मालिक अमन बर्मन को गोली मारकर जख्मी कर दिया व ज्वेलरी दुकान में लूटपाट की थी। भागते समय अपराधियों ने बाजार में फायरिंग भी की थी। एसपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जामताड़ा-नाला के नेतृत्व में तीन अलग-अलग एसआईटी का गठन किया गया था। इसमें पुलिस निरीक्षक, पुलिस अवर निरीक्षक, सहायक अवर निरीक्षक स्तर के पदाधिकारी शामिल थे। टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तकनीकी साक्ष्य का विश्लेषण और गुप्त सूत्रों के आधार पर संदिग्ध अपराधकर्मियों के विरुद्ध विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की। इसी क्रम में संदिग्ध अपराधी अजीत यादव को देवघर के पड़रिया और हसमत अंसारी को जरमुंडी से पकड़ा गया। तलाशी लेने पर अजीत यादव के पास से एक 7.65 एसएम बोर की लोडेड पिस्टल बरामद की गई। कड़ी पूछताछ के बाद दोनों ने बालाजी ज्वेलर्स लूट में अपनी संलिप्तता को स्वीकार किया। इन्होंने इस अपराध में शामिल अपने सहयोगियों के नाम भी बताए। आरोपियों ने बताया कि अजीत यादव, अनिल सिंह, प्रवीण कुमार यादव व हसमत अंसारी के साथ मिलकर लूट एवं फायरिंग की घटना को अंजाम दिया था। इनकी निशानदेही पर रेकी एवं अन्य सहयोग में शामिल इनके सहयोगी चंदन कुमार साव और मुकेश यादव को पकड़ा गया। चंदन साव के पास से घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की बाइक और लूटे गए सामान बरामद किए गए। यह बात भी सामने आई कि ज्वेलरी शॉप को पहले भी लूटने की कोशिश की गई थी। लेकिन, पुलिस बल की मौजूदगी के कारण सफल नहीं हो सके। घटना को अंजाम देने वालों में घोरमारा सरसा का अनिल सिंह ओर चितरपोंका का प्रवीण कुमार फरार है।

■ सभी देवघर जिला के निवासी, पहले भी कई वारदात में रहे हैं शामिल बिना मोबाइल के ही करते थे रेकी

सबका आपराधिक रिकॉर्ड

एसपी ने बताया कि इस गिरोह का मुख्य अपराध क्षेत्र देवघर जिला रहा है। इन सबका पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है। बोकारो में लूट के दौरान एक व्यक्ति की हत्या करने का भी आरोप है। इसके अलावा 2020 में सारवां थाना, 2023 में मोहनपुर थाना, 2020 में सारवां थाना, 2021 में सारठ थाना, 2021 में सारवां थाना, 2020 में सोनारायठाड़ी थाना और मारगोमुंडा थाना में इन लोगों पर लूट व आर्म्स रखने का मामला दर्ज है।

नशे में धुत शख्स ने पत्थर से कर दी पत्नी की हत्या, अरेस्ट हुआ आरोपी

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत कदमडीहा पंचायत के वनग्राम बुरुहातु में एक महिला की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतका अनिता लागुरी (40) की हत्या उसके पति पातोर लागुरी ने पत्थर से कर दी। सूचना के बाद शनिवार को गोइलकेरा थाना की पुलिस ने महिला का शव बरामद किया। जबकि, आरोपी पति को भी गिरफ्तार कर लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शुक्रवार को पतिझपत्नी दोनों सोनुवा बाजार गए थे। शाम को दोनों नशे की हालत में अपने घर लौट रहे थे। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इससे आक्रोशित पातोर लागुरी ने रास्ते में ही पत्थर से अपनी पत्नी के सिर पर वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद मोसो नामक एक युवक के साथ अपनी पत्नी को उसके घर ले गया। रात बिताने के लिए पातोर अपनी घायल पत्नी के साथ मोसो के घर पर ही रुक गया। सुबह उसने पत्नी को मृत अवस्था में पाया। इसके बाद गांव के कुछ लोगों के साथ मिलकर पत्नी की लाश को वनग्राम बुरुहातु ले गया। ग्रामीण मुंडा ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

आरोपी

ट्रेलर की चपेट में आए बाइक सवार दंपती, पति ने तोड़ा दम, घायल पत्नी की हालत नाजुक

PHOTON NEWS JSR : मानगो गोलचक्कर पर शनिवार शाम को तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार दंपती को पीछे से टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में बाइक चला रहे पति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल महिला को फौरन अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर के बाद ट्रेलर बाइक को काफी दूर तक घसीटता हुआ ले गया। घटना के बाद ट्रेलर चालक वाहन छोड़ कर फरार हो गया।

दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दी।

लोगों का कहना है कि घटनास्थल से महज 50 मीटर की दूरी पर यातायात थाना है। इसके बाद भी भारी वाहनों की रफ्तार पर कोई नियंत्रण नहीं है। जाम के कारण साकची-मानगो मुख्य मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर जाम हटवाया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज-अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल मृत युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस फरार ट्रेलर चालक की तलाश में आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

NEWS BOX

हिंदी को बनाएं आम लोगों की भाषा : डॉ. सुधीर सुमन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा शनिवार को विश्व हिंदी दिवस पर विशिष्ट व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. सुधीर सुमन ने कहा कि भाषा का प्रसार तभी होगा, जब वह आम लोगों की भाषा रहेगी। भाषा को विशिष्ट और क्लिष्ट बनाने पर उसकी व्यापकता कम हो जाएगी। हिंदी भाषा के विकास में हिंदी के विद्यार्थियों की भूमिका अहम होती है। अतः उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वह अधिक से अधिक किताब खरीदें और पढ़ें। स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम में क्षेत्रीय साहित्यकारों पर शोध करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अमर सिंह ने हिंदी को रोजगार की भाषा बनने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने हिंदी के भविष्य पर चर्चा करते हुए कहा कि यदि हिंदी को रोजगार से नहीं जोड़ा गया तो इस भूमंडलीकरण के दौर में हिंदी पिछड़ जाएगी। धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ. पुष्पा सिंह ने किया। इस दौरान विभाग की अध्यापिका डॉ. प्रियंका सिंह व डॉ. सबिता पॉल भी उपस्थित रहीं।

एमबीएनएस ग्रुप ने ग्रामीणों में कंबल वितरित कर दी ठंड से राहत

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : श्री आचार्य गुरुकुल एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा संचालित एमबीएनएस ग्रुप ने ग्रामीणों को ठंड से राहत पहुंचाई। संस्थान की ओर से बताया गया कि आसनबनी (चांडिल) परिसर में ग्रामीण कल्याण को समर्पित भव्य कार्यक्रम में 700 से अधिक कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ईचागढ़ की विधायक सविता महतो रहीं। उनके साथ विशिष्ट अतिथियों में कॉलेज के संरक्षक एवं काली मंदिर के महंत विद्यानंद सरस्वती, कॉलेज के गार्जियन रामकेवल सिंह, कॉलेज के अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह, डायरेक्टर अनुपा सिंह, जिला परिषद के प्रतिनिधि ओम लायक, विधायक प्रतिनिधि काबलू महतो, ग्राम प्रधान प्रबोध उरांव तथा समाजसेवी दिलीप महतो उपस्थित रहे।

एटीएम से पैसों की निकासी करने वाला बिहार से धराया

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले की पुलिस ने एटीएम फ्रॉड के एक मामले में आरोपी को नवादा, बिहार से गिरफ्तार किया है। एसडीपीओ बहामन टुटी ने शनिवार को प्रेसवार्ता में बताया कि 14 दिसंबर को चाईबासा के एक एटीएम में अज्ञात युवकों ने जालसाजी करते हुए एटीएम मशीन में चिप लगाकर मंझारी थाना क्षेत्र के विरची निवासी मुकु बारी का एटीएम कार्ड चोरी कर लिया और खाते से कुल 1,54,390 रुपये की अवैध निकासी कर ली थी। इस मामले में पीड़ित ने 17 दिसंबर को मामला दर्ज कराया। इसके बाद तकनीकी शाखा की मदद से पुलिस ने बिहार के नवादा से 26 वर्षीय प्रिंस कुमार को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में अभियुक्त ने अपने साथियों के साथ मिलकर एटीएम कार्ड फंसाकर चोरी करने, पीड़ित को एटीएम हेल्पलाइन नंबर का झांसा देकर ओटीपी प्राप्त करने तथा दूसरे एटीएम से पैसे निकालने की बात स्वीकार की है। अभियुक्त का आपराधिक इतिहास है। वह पूर्व में बिहार में अवैध शराब कारोबार के मामले में जेल जा चुका है। अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

261 लीटर अवैध विदेशी शराब के साथ एक अरेस्ट

PHOTON NEWS SARAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिला में उत्पाद विभाग ने शनिवार को खरसावां थाना अंतर्गत ग्राम हरिभंजा में छापेमारी की। इसमें नरेश कुमार मंडल के आवास से 29 कार्टन अवैध विदेशी शराब बरामद की गई, जिसकी कुल मात्रा 261 लीटर आंकी गई है। अवैध शराब के कारोबारी को भी घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया। उत्पाद अधीक्षक, सरायकेला द्वारा बताया गया कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं बिक्री पर आगे भी छापामारी अभियान संचालित किए जाएंगे।

मतदाता सूची मैपिंग कार्य 70 प्रतिशत पूर्ण एक भी पात्र मतदाता न छूटे : के. रवि

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य में विगत गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची से वर्तमान मतदाता सूची की मैपिंग का कार्य 70 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुका है। शेष कार्य को शीघ्र और त्रुटिरहित ढंग से पूरा करने का निर्देश देते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के.रवि कुमार ने कहा कि एक भी पात्र भारतीय मतदाता सूची से न छूटे इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर सभी पदाधिकारी कार्य करें।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी शनिवार को निर्वाचन सदन से सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी,ईआरओ,एईआरओ एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में मतदाता सूची मैपिंग को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

अधिकारियों के साथ बैठक करते सीईओ के. रवि • फोटोन न्यूज

साथ ही सरकारी कार्यालयों में कैंप लगाकर पदाधिकारियों एवं कर्मियों को मैपिंग कार्य के लिए प्रशिक्षित करने को कहा, ताकि अधिक से अधिक लोगों को सहायता मिल सके। उन्होंने बताया कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा जारी किए गए स्टीकरों पर संबंधित मतदान केंद्र के बीएलओ का नाम, मतदान केंद्र संख्या, विधानसभा क्षेत्र और मोबाइल नंबर अंकित किया जाना है। इन स्टीकरों को बीएलओ क्षेत्र में लगाया जाए, ताकि मतदाताओं को अपने बीएलओ से संपर्क करने में आसानी हो। इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी 1950 टॉलफ्री नंबर और 'बुक ए कॉल' फीचर के प्रचार पर भी जोर दिया गया।

संगीत की खुशबू से तरबतर हुए संगीतप्रेमी

JAMSHEDPUR : शास्त्रीय संगीत के प्रति समर्पित संस्था बंशी बोस म्यूजिक फाउंडेशन की ओर से शनिवार को बिष्टुपुर स्थित पितृछाया प्रेक्षागृह में शास्त्रीय संगीत संध्या हुई। इसमें देश के प्रख्यात सितार वादक पं. अंजन चट्टोपाध्याय ने राग मालगुंजी में आलाप, जोड़, झाला बजाकर विलंबित और द्रुत तीनताल में बंदिशें पेश कीं। तबले पर शहर के सुपरिचित तबला वादक स्वरूप मोइत्रा ने बखूबी साथ निभाया। उन्होंने उठान, पेशकार, टुकड़ा, साथ संगत कर लोगों का खूब मनोरंजन किया। इससे पहले कार्यक्रम की शुरूआत शहर के उभरते सितारवादक रियन बोस ने राग देश में आलाप, जोड़, झाला के साथ तीनताल में खूबसूरत बंदिशें पेश कीं। उनके साथ तबले पर कार्तिक कर्मकार ने संगत किया।

किताबों के साथ ग्रामीण व आदिवासी विमर्श के नाम रहा पूर्वी सिंहभूम साहित्य उत्सव

PHOTON NEWS JSR : पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन द्वारा आयोजित पूर्वी सिंहभूम साहित्य उत्सव का दूसरा दिन किताबों के साथ ग्रामीण व आदिवासी विमर्श के नाम रहा। बिष्टुपुर स्थित गोपाल में आयोजित समारोह में शनिवार के सत्र की शुरूआत लाइब्रेरीमैन संजय कच्छप की किताबों, पुस्तकालयों को लेकर चलाई जा रही मुहिम, समुदाय के प्रति उत्तरदायित्व, जीवन-संघर्ष और जीवन उद्देश्यों को लेकर यदुवंश प्रणय से बातचीत से हुई। उन्होंने पहले पुस्तकालय खुलने की कठिनाई, समुदाय का उसको लेकर अविश्वास से लेकर आज झारखंड में 60 पुस्तकालय खुलने तक की यात्रा, किताबों के साथ ही वहां उपलब्ध डिजिटल सूचनाएं झारखंड के सुदूर क्षेत्रों में आज किस तरह लोगों की सोच, शैक्षणिक स्तर और जीवनशैली बदलने के जनांदोलन का रूप ले रहा है इसपर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में विचार रखते महादेव टोप्पो, डॉ. प्रेमचंद उरांव व अन्य • फोटोन न्यूज

आज के विभिन्न सत्रों में महादेव टोप्पो, प्रेमचंद उरांव, शिवशंकर उरांव, विनीत कुमार भगत, पद्मश्री पुष्पेश पंत, चंद्रहास चौधरी, डॉ सुरिंदर सिंह जोधका, अनुकृति उपाध्याय, अक्षय बहीवाला, शताब्दी मिश्रा, सौरभ रॉय, नीलोत्पल मृणाल ने अपनी बातें रखीं। दूसरे सत्र में कुड़ुख भाषा पर साहित्य चर्चा हुई जिसमें महादेव टोप्पो, प्रेमचंद उरांव, शिवशंकर उरांव और विनीत कुमार भगत ने भाग लिया। महादेव टोप्पो ने कहा कि कोई भी भाषा छोटी नहीं होती है।

कार्यक्रम | चार आईएएस, एक आईपीएस और दो जेपीएससी के पदाधिकारियों ने छात्रों को दिए टिप्स

राज्य में पहली बार प्री-बोर्ड परीक्षा के 691 अव्वल छात्र सम्मानित

PHOTON NEWS DHANBAD : न्यू टाउन हॉल में शनिवार को अनूठा कार्यक्रम हुआ, जिसमें मैट्रिक-इंटरमीडिएट की प्री-बोर्ड परीक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले 691 छात्र सम्मानित किए गए। इसके साथ ही धनबाद राज्य का पहला ऐसा जिला बन गया, जिसने बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम लाने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए इस तरह का आयोजन किया। झारखंड शिक्षा परियोजना के धनबाद कार्यालय ने 17 से 24 दिसंबर तक 143 हाई स्कूल और 38 प्लस टू स्कूलों में प्री-बोर्ड परीक्षा कराई थी। इसमें मैट्रिक में 24 हजार और इंटर में 15 हजार छात्र शामिल हुए। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। इनमें 220 प्रथम, 225 द्वितीय एवं 230 तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले छात्र-छात्राएं थे। कार्यक्रम में छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए चार आईएएस, एक आईपीएस और झारखंड प्रशासनिक सेवा के दो पदाधिकारी मंच पर थे। कार्यक्रम की शुरूआत उपायुक्त आदित्य रंजन, एसएसपी प्रभात कुमार, डीडीसी सन्नी राज, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, एसडीएम लोकेश बारंगे, डीईओ अभिषेक झा एवं डीएसई आयुष कुमार ने दीप जलाकर किया। इस दौरान उपायुक्त आदित्य रंजन ने घोषणा की कि बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम लाने वाले टॉप-30 छात्रों को जिला प्रशासन की ओर से झारखंड व भारत दर्शन कराया जाएगा। 15 जनवरी से दूसरा प्री-बोर्ड होगा। इसके टॉपर्स भी इसी तरह सम्मानित होंगे। इस अवसर पर प्री-बोर्ड का प्रश्नपत्र तैयार करने वाले शिक्षकों ने भी छात्रों को आगामी परीक्षा के लिए टिप्स दिए। कुछ छात्रों ने भी अपने विचार रखे। प्रथम स्थान पर रहे छात्रों को एक ब्लेजर एक, बैग और एक बॉटल, द्वितीय स्थान को एक बैग व एक बॉटल और तृतीय स्थान के छात्रों को एक बैग व प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। मंच संचालन घनश्याम दुबे व एमिली बासु ने किया।

मैट्रिक-इंटर के टॉप-30 छात्रों को कराएंगे झारखंड व भारत दर्शन : उपायुक्त

अन्य जिलों ने भी हमारे प्रश्नपत्र का किया अनुसरण : डीसी

डीसी आदित्य रंजन ने कहा कि जिले में प्री-बोर्ड परीक्षा पदाधिकारियों की निगरानी में संपन्न हुई। विशेष रूप से उन सभी शिक्षकों और अधिकारियों का आभार व्यक्त करना चाहेंगे, जिन्होंने अपने नियमित दायित्वों के अतिरिक्त दिन-रात मेहनत करते हुए कम समय में प्रश्नपत्र तैयार किए। गर्व की बात है कि हमारे द्वारा तैयार प्रश्नपत्र न केवल धनबाद, बल्कि अन्य जिलों में भी उपयोग किए गए। यह पूरे धनबाद शिक्षा विभाग और हमारे शिक्षकों के लिए सम्मान की बात है। इस बार प्री-बोर्ड परीक्षा और परिणाम दोनों ही रिकार्ड समय में पूरे किए गए।

हैंडराइटिंग बढ़िया होना जरूरी, ताकि एग्जामिनर को न हो सिरदर्द : एसएसपी

एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि पुलिस अधिकारी का कार्यक्षेत्र और दिनचर्या सामान्य परिस्थितियों में इस प्रकार के कार्यक्रमों में शामिल नहीं होता, लेकिन आप सभी के कारण इस अवसर पर छात्रों से संवाद करने का मौका मिला। पिछले वर्ष धनबाद की रैंकिंग 13 थी, और इस बार इसे सुधारने की जिम्मेदारी छात्रों पर है। इस 13 में से एक डिजिट जरूर हटाना है। इस पर छात्रों ने उत्साहपूर्वक जवाब दिया - तीन हटाएंगे। एसएसपी ने कहा कि मोबाइल ने जीवन को आसान जरूर बनाया है, लेकिन इसका सबसे बड़ा दुरुपयोग यह है कि यह छात्रों के लिए डिस्ट्रैक्शन का सबसे बड़ा कारण बन गया है। जहां जरूरत हो, वहीं मोबाइल का उपयोग करें।

हाथी के हमले से घायल वनकर्मी की मौत, ओडिशा से फिर लौटा गजराज

PHOTON NEWS CHAIBASA : पागल दंतैल हाथी ने शुक्रवार को मझगांव के बेनीसागर में बंगाल से आए जिस वनकर्मी को सूंड से उठाकर पटक दिया था, उसकी शनिवार को क्योंझर, ओडिशा में इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया जाता है कि इसके बाद हाथी ओडिशा की ओर चला गया था, शनिवार को लौट आया। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मझगांव प्रखंड क्षेत्र के खड़पोस पंचायत के पन्डुवाबुरू में शनिवार को भी हाथी का आतंक देखने को मिला। उसने कई घरों में तोड़फोड़ की और फसलों को नुकसान पहुंचाया। शुक्रवार को सुबह में उसने एक बच्चे और एक बुजुर्ग को मार दिया था। हाथी को नियंत्रित करने के लिए ओडिशा से वाइल्डलाइफ मेडिकल टीम के अलावा, गुजरात के वनतारा जू और असम से भी विशेषज्ञों की टीम आई है। दो ट्रेंकुलाइज गन के जरिए हाथी को बेहोश करने का प्रयास किया जा रहा है। पागल हाथी 1 जनवरी से अब तक कुल 22 लोगों की जान ले चुका है। इधर वन अधिकारियों के मुताबिक, झुंड से बिछड़ने के कारण यह हाथी अत्यंत हिंसक हो गया है। इसकी रफ्तार भी चिंता का विषय है। यह प्रतिदिन लगभग 30 किलोमीटर की दूरी तय कर रहा है, जिससे इसकी सटीक लोकेशन ट्रैक करना मुश्किल हो रहा है।

पटना समेत 32 जिलों में कोल्ड डे और घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट

AGENCY PATNA : बिहार में पहाड़ी राज्यों से आ रही बर्फीली हवाओं के चलते जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। राज्यभर में तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। स्थिति यह है कि प्रदेश के 16 जिलों में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। ठंड के साथ-साथ घने कोहरे का प्रकोप भी जारी है, जिससे दृश्यता काफी कम हो गई है और यातायात पर असर पड़ा है। मौसम विभाग ने बिहार के 32 जिलों में कोल्ड डे और घने कोहरे को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, राज्य में फिलहाल मौसम शुष्क बना रहेगा, लेकिन ठंड से राहत के आसार कम हैं। विशेष रूप से उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी हिस्सों में कोल्ड डे जैसी स्थिति बनी रहने की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर-पश्चिम और उत्तर-मध्य बिहार के कई इलाकों में सुबह और रात के समय घना कोहरा छाया रह सकता है। इससे सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित होने की आशंका है। लोगों को आवश्यक सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। शनिवार को राज्य में अधिकतम तापमान 16 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान 6 से 8 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा सकता है। हालांकि, अगले एक से दो दिनों में न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। कोल्ड डे का अलर्ट राजधानी पटना सहित नालंदा, गया, जहानाबाद, भागलपुर, सीवान, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी, नवादा, शेखपुरा, जमुई, लखीसराय, मुंगेर, शिवहर, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सुपौल, अररिया, बांका, खगड़िया, बेगूसराय, समस्तीपुर, वैशाली, सारण, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, मधेपुरा और सहरसा जिलों के लिए जारी किया गया है।

मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि ठंड और कोहरे को देखते हुए सावधानी बरतें, अनावश्यक यात्रा से बचें और बुजुर्गों व बच्चों का विशेष ध्यान रखें।

- राज्य के 16 जिलों में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस से पहुंच गया नीचे
- फिलहाल मौसम शुष्क बना रहेगा, लेकिन ठंड से राहत के आसार कम

प्रदेश में बर्फीली हवाओं से जनजीवन हुआ प्रभावित

BRIEF NEWS

संकटमोचन मंदिर के पास मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

SARAN : सोनपुर थाना क्षेत्र के संकटमोचन मंदिर के सामने शनिवार की सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रातः लगभग 08:00 बजे सोनपुर थाना को सूचना मिली कि संकटमोचन मंदिर के समीप एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सोनपुर एवं थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर कागजी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। पुलिस के अनुसार मृत्यु का कारण प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि अत्यधिक ठंड लगने के कारण व्यक्ति की मृत्यु हुई है।

गणतंत्र दिवस में डुमरी के मुखिया को मिलेगा राष्ट्रीय मंच पर सम्मान

BUXAR : 26 जनवरी को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाले राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस समारोह में जिले की सशक्त भागीदारी सुनिश्चित हुई है। बिहार राज्य पंचायत संसाधन संस्थान, पंचायत राज विभाग पटना के पत्रांक 1752 दिनांक 17 दिसंबर 2025 के आलोक में प्रखंड सिमरी अंतर्गत ग्राम पंचायत डुमरी के मुखिया प्रेम सागर कुंवर को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। उनके साथ उनकी धर्मपत्नी शोभा देवी भी समारोह में शामिल होंगी। जिला पंचायत राज पदाधिकारी द्वारा जारी पत्र में इस नामांकन की पुष्टि की गई है। समारोह में देशभर से चयनित पंचायत प्रतिनिधि गणतंत्र दिवस परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और राष्ट्रीय उपलब्धियों से जुड़े आयोजनों में भाग लेंगे।

भागलपुर में ठंड के कारण वृद्ध की मौत

BHAGALPUR : जिले में बढ़ती भीषण शीतलहर के बीच एक ओर जिला प्रशासन द्वारा राहत कार्य किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर मोजाहिदपुर पुलिस की लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। जिलाधिकारी डॉक्टर नवल किशोर चौधरी के निर्देश पर गरीबों, असहायों एवं जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण किया जा रहा है, ताकि लोग कड़ाके की ठंड से कुछ राहत पा सकें। प्रशासन की इस पहल की आमजन द्वारा सराहना की जा रही है। इसी बीच मोजाहिदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बीती देर रात्रि एक बुजुर्ग व्यक्ति की ठंड लगने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वृद्ध कई घंटों से सड़क किनारे ठंड में पड़ा हुआ था। इसकी सूचना गश्ती पदाधिकारी को समय रहते दी गई थी। लोगों का कहना है कि यदि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी तत्परता दिखाते हुए वृद्ध को वृद्ध आश्रम या किसी सुरक्षित स्थान पर पहुंचा देते, तो उसकी जान बच सकती थी।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर शिव मंदिर में दीपोत्सव, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी बोले-

सोमनाथ भारत की सभ्यतागत निरंतरता का शक्तिशाली प्रतीक

AGENCY PATNA : सोमनाथ मंदिर पर हुए ऐतिहासिक आक्रमण के 1000 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर गौरवशाली भारतीय इतिहास, आस्था और आत्मसम्मान को स्मरण करते हुए 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व-2026' के अंतर्गत शनिवार को पटना स्थित खाजपुरा शिव मंदिर परिसर में भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया गया। यह आयोजन राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत संपन्न हुआ, जिसमें बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सहभागिता की।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के पावन अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विधिवत पूजा-अर्चना कर दीप प्रज्वलित किया और भगवान शिव से बिहारवासियों के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लगभग 1000 वर्ष पूर्व बर्बर आक्रांता मुहम्मद गजनी द्वारा पवित्र सोमनाथ मंदिर को नष्ट करने का कुत्सित प्रयास किया गया था, लेकिन भारत की आस्था और आत्मा को कभी पराजित नहीं किया जा सका।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में आज उसी गौरवशाली इतिहास को ह्यसोमनाथ स्वाभिमान पर्वह्व के रूप में पूरे देश में श्रद्धा और स्वाभिमान के साथ मनाया जा रहा है। यह पर्व विनाश की स्मृति नहीं, बल्कि सहनशीलता, विश्वास और सभ्यतागत आत्मसम्मान को नमन करने का प्रतीक है।

सम्राट चौधरी ने कहा कि सोमनाथ मंदिर को सदियों तक उन आक्रमणकारियों द्वारा निशाना बनाया गया, जिनका उद्देश्य भक्ति नहीं, बल्कि विनाश था। इसके बावजूद प्रत्येक विध्वंस के बाद भक्तों और राष्ट्र के सामूहिक संकल्प से मंदिर का पुनर्निर्माण हुआ। पुनरुद्धार का यह अटूट क्रम सोमनाथ को भारत की सभ्यतागत निरंतरता और सांस्कृतिक शक्ति का प्रतीक बनाता है। आज सोमनाथ आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक विमर्श और राष्ट्रीय स्मरण का केंद्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि यह पर्व उन वीरों की स्मृति में मनाया जा रहा है, जिन्होंने मंदिर और संस्कृति की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनका त्याग आने वाली पीढ़ियों की सांस्कृतिक चेतना को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

इस अवसर पर खाजपुरा शिव मंदिर परिसर में 1000 दीपों का भव्य दीपोत्सव आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम श्री श्री महाशिवरात्रि महोत्सव शोभा यात्रा अभिनंदन समिति के संरक्षक एवं विधायक डॉ. संजीव चौरसिया के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बिहार भाजपा के संगठन महामंत्री भीखूभाई दालसनिया सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, श्रद्धालु एवं आम नागरिक उपस्थित रहे।

दीपोत्सव के दौरान खाजपुरा शिव मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया। एक हजार दीपों की रोशनी से पूरा परिसर जगमगा उठा, जिससे वातावरण पूर्णतः दिव्य, आध्यात्मिक और भक्तिमय हो गया।

कार्यक्रम में भाग लेते उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी व अन्य

कस्तूरबा विद्यालयों में कम उपस्थिति पर शिक्षक घर जाकर करेंगे संपर्क

AGENCY SARAN : छपरा जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समाहरणालय में संपन्न हुई इस बैठक में जिलाधिकारी ने स्कूलों की आधारभूत संरचना, छात्रवृत्ति, और डिजिटल शिक्षा की प्रगति की गहन समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जिले के सभी विद्यालयों में कक्षाओं के अनुरूप अतिरिक्त कमरों की आवश्यकता का आकलन करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि 15 दिनों के भीतर इसकी विस्तृत रिपोर्ट सौंपी जाए। जिन स्कूलों में भवन के ऊपरी मंजिल पर अतिरिक्त कमरे बनाने की तकनीकी संभावना है उनकी जाँच कराकर प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया गया ताकि छात्रों को बैठने में असुविधा न हो। समीक्षा के दौरान इसुआपुर, मढ़ौरा और मशरख के कस्तूरबा विद्यालयों में छात्राओं की कम उपस्थिति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिन छात्राओं की उपस्थिति कम है, उनके अभिभावकों से सीधे संपर्क कर शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। केजीबीवी की छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य और मार्गदर्शन के लिए जिले की महिला वरीय उप-समाहर्ता एवं अन्य महिला अधिकारी स्कूलों में जाकर मोटिवेशनल सेशन लेंगी।

तबादले के बाद एसपी अंजनी कुमार ने गिनाए एक साल के आपराधिक आंकड़े व उपलब्धियां

AGENCY ARARIA : अररिया के एसपी अंजनी कुमार का जिले में एक साल का कार्यकाल रहा और इस एक साल के दौरान कुल 6860 मामले जिले के विभिन्न थानों में दर्ज हुए, वहीं अधिकांश जटिल मामलों को तकनीकी और वैज्ञानिक अनुसंधान से सुलझाने में एसपी अंजनी कुमार काफी कामयाब रहे। एक जनवरी 2025 को अंजनी कुमार अररिया में एसपी के रूप में तैनात हुए थे और इस एक साल के दौरान जिले में कुल 6755 गिरफ्तारी, देशी कट्टा या पिस्टल की बरामदगी 44, गोला बारूद 94 बरामद किए गए।वहीं 354 मोटरसाइकिल, 36 कार, 17 ट्रक, 37 पिकअप वैन, 8 टेंपू, 4 ई रिक्शा, एक बस और एक ट्रैक्टर को जब्त किया गया। एक साल के दौरान शराब कांड में 231 वाहन बरामद किए गए। वहीं मादक पदार्थों की बरामदगी में स्मैक और ब्राउन शुगर 2.615 किलोग्राम, गांजा 4915.86 किलोग्राम, विदेशी शराब 23043 लीटर, देशी शराब 17506 लीटर और प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कफ सिरप 2197.7 लीटर बरामद किए गए। इस बात की जानकारी एसपी अंजनी कुमार ने दी।

एसपी अंजनी कुमार ने बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान एक साल में 59 हत्याएं, 4 डकैती, 46 लूट, 62 गृहभेदन, 912 चोरी, सामान्य दंगा 29, सांप्रदायिक दंगा 7, अपहरण 339, फिरौती के लिए अपहरण शून्य, बलात्कार की 29 और विविध घटनाएं 5373 दर्ज की गई।

उल्लेखनीय हो कि एसपी अंजनी कुमार का तबादला कर दिया गया है और जिले में नए एसपी के रूप में 2015 बैच के आईपीएस जितेन्द्र कुमार को जिले की जिम्मेवारी सौंपी गई है।

- कुल 6860 मामले जिले के विभिन्न थानों में किए गए दर्ज
- विभिन्न स्थानों से शराब कांड में बरामद किए गए 231 वाहन

धर्म-अध्यात्म कई पवित्र नदियों के जल से किया जाएगा अभिषेक

विशाल शिवलिंग की स्थापना को लेकर जोरों पर तैयारी

AGENCT EAST CHAMPARAN : जिले के कल्याणपुर प्रखंड स्थित कैथवलिया में बन रहे विराट रामायण मंदिर में आगामी 17 जनवरी को विश्व के सबसे ऊंचे शिवलिंग की स्थापना को लेकर तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। इस अवसर पर कैलाश-मानसरोवर, गंगोत्री, यमुनोत्री समेत कई पवित्र नदियो के जल से भगवान भोलेनाथ के इस अद्भुत शिवलिंग का अभिषेक किया जाएगा। इसके साथ ही हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की जायेगी।इस अवसर पर करीब एक लाख से ज्यादा श्रद्धालुओ के साथ ही देश के कई राज्यो के साधु संतो की जुटने की संभावना है।लिहाजा कई जेसीबी से पूरे परिसर को समतल बना कर विशाल पंडाल बनाया जा रहा है। शिवलिंग को स्थापित करने के लिए भोपाल से 750 टन क्षमता वाली दो विशाल क्रेन मंगाई गई हैं। ये क्रेन 15 तारीख तक कैथवलिया पहुंच जाएगी और इनकी मदद से शिवलिंग को खड़ा किया जाएगा। पटना हनुमान मंदिर के सचिव सायन कुणाल ने बताया, शिवलिंग की स्थापना के लिए हरिद्वार और पटना से विशेष आचार्य बुलाए गए हैं। विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना के बाद शिवलिंग की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी। इसके बाद देश की प्रमुख नदियों से लाए गए पवित्र जल को हेलिकॉप्टर से शिवलिंग पर अर्पित किया जाएगा।शिवलिंग की स्थापना के बाद शिवलिंग को बनाने वाले तमिलनाडु के शिल्पकारों का पूजा किया जाना है। इसकी भी तैयारी की जा रही है।वहीं शिवलिंग के पूर्व दिशा में स्थित एक बड़े मंडप में यज्ञ स्थल का निर्माण किया जा रहा है। आयोजन में देश के प्रमुख साधु-संतों शामिल होंगे।शिवलिंग स्थापना के दौरान हेलिकॉप्टर से फूलों की बारिश की जाएगी। पूजा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए दो सौ क्विंटल से अधिक बताशे का प्रसाद भी तैयार किया जा रहा है।

सारण में हुई विहिप व बजरंग दल की बैठक

SARAN : छपरा विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की जिला कार्यकारिणी की बैठक शनिवार को उत्तरी दहिया टोला स्थित होटल रामबाग बैंक्वेट में आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से संगठन की मजबूती, आगामी प्रशिक्षण वर्गों और धर्म रक्षा निधि संग्रह के लक्ष्यों पर चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए उत्तर बिहार प्रांत के नवनियुक्त प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह ने संगठन के विभिन्न आयामों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य को कुशलतापूर्वक करने के लिए प्रशिक्षण अनिवार्य है। इसी उद्देश्य से संगठन समय-समय पर प्रशिक्षण वर्गों का आयोजन करता है।

NEWS BOX

मांझी-एकमा सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत

AGENCY SARAN : मांझी –एकमा मुख्य मार्ग पर गंजपर गांव के समीप एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो बाइक सवार युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान दाउदपुर थाना क्षेत्र के अरियाव टोला निवासी दिलीप राम के 22 वर्षीय पुत्र करण कुमार और स्वर्गीय श्याम नारायण राम के 29 वर्षीय पुत्र हेम नारायण राम के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार करण कुमार एकमा में मुन्ना सिंह के गैरेज में बाइक मिस्त्री का काम करता था। शुक्रवार की रात वह हेम नारायण राम के साथ उनकी बुलेट बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान गंजपर गांव के पास किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना एकमा थाना प्रभारी को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया। इस हादसे के बाद मृतक हेम नारायण की पत्नी सरिता देवी और अन्य परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में मातम का माहौल है।

व्यवहार न्यायालय परिसर में पति पत्नी के बीच चला हाई वोल्टेज ड्रामा

AGENCY BHAGALPUR : भागलपुर व्यवहार न्यायालय परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शनिवार को पति–पत्नी के बीच करीब एक घंटे तक हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। मामला वैवाहिक विवाद से जुड़ा है, जहां पत्नी ने अपने पति पर दहेज उत्पीड़न के तहत मामला दर्ज कराया है। वहीं पति अपनी पत्नी को अपने साथ ले जाने की जिद पर अड़ा रहा। कोर्ट की कार्यवाही के दौरान दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हुई, जिससे न्यायालय परिसर में अफरा–तफरी का माहौल बन गया। स्थिति को देखते हुए न्यायालय प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए और पुलिस बल की तैनाती की गई। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने स्पष्ट टिप्पणी करते हुए कहा कि पत्नी बालिग है और उसे अपने जीवन से जुड़े फैसले स्वयं लेने का पूरा अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि वह जिसके साथ रहना चाहे, रह सकती है, इस पर न तो पति का और न ही उसके माता–पिता का कोई अधिकार बनता है। कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद मामला शांत हुआ। फिलहाल दहेज उत्पीड़न से जुड़े केस की सुनवाई न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे जारी रहेगी।

रहस्यमय ढंग से महिला लापता पति ने थाने में दिया आवेदन

AGENCY BHAGALPUR : जिले के सबौर थाना क्षेत्र से एक महिला के अचानक लापता हो जाने का मामला प्रकाश में आया है। महिला के पति ने इस संबंध में शनिवार को थाना में लिखित आवेदन देकर अपनी पत्नी की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है। घटना के बाद से परिजन परेशान हैं और महिला की तलाश जारी है। आवेदन के अनुसार, सबौर पंचायत घाट निवासी संजीत कुमार साह उर्फ संजीत कुमार ने थाना अध्यक्ष को बताया कि उनकी पत्नी ज्योति देवी दिनांक 18 दिसंबर 2025 को दोपहर करीब 12 बजे बिना किसी को बताए घर से निकल गईं। जब वे घर लौटे तो पत्नी को घर पर नहीं पाया। काफी देर इंतजार करने और आसपास खोजबीन करने के बाद भी जब उनका कोई सुराग नहीं मिला, तब उन्होंने मोबाइल फोन से संपर्क करने का प्रयास किया। पति ने बताया कि उन्होंने पत्नी के मोबाइल पर कॉल किया, जिस पर शुरूआत में यह जानकारी मिली कि वह अपनी बहन के पास कुसैर्ला जा रही है। लेकिन कुछ घंटे बाद जब दोबारा संपर्क किया गया तो दोनों मोबाइल नंबर स्विच ऑफ पाए गए। इसके बाद उन्होंने कुसैर्ला में रिश्तेदारों से संपर्क किया, जहां से जानकारी मिली कि ज्योति देवी वहां नहीं पहुंची हैं।

दिनदहाड़े मेडिकल दुकान में चोरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद

AGENCY BHAGALPUR : जिले के पीरपैंती नगर पंचायत में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ाने वाली एक गंभीर और चौंकाने वाली चोरी की घटना सामने आई है। नगर पंचायत क्षेत्र में स्थित डॉक्टर एनके वर्मा के मेडिकल से चोर शनिवार को पैसों से भरा बॉक्स लेकर बेखौफ फरार हो गया। हैरानी की बात यह है कि यह पूरी वारदात पीरपैंती नगर पंचायत द्वारा लगाए गए सीसीटीवी कैमरे में साफ तौर पर कैद हुई है। इसके बावजूद चोरों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। दिनदहाड़े हुई इस घटना ने नगर पंचायत क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सार्वजनिक धन से लगाए गए सीसीटीवी कैमरों के बावजूद ऐसी घटनाओं का सामने आना आम लोगों के बीच चिंता का विषय बना हुआ है। लोग यह जानना चाहते हैं कि आखिर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों और आम नागरिकों में गहरी नाराजगी देखी जा रही है।

कृष्णाब्रह्म थाना में एसपी ने लगाया जनता दरबार, कई मामलों की हुई सुनवाई

AGENCY BUXAR : कृष्णाब्रह्म थाना परिसर में पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य की अध्यक्षता में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत जनता दरबार का आयोजन शनिवार को हुआ। इसमें ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। एसपी ने फरियादियों से कहा कि सामूहिक समस्याओं को प्राथमिकता से रखें, जिससे त्वरित समाधान हो सके। जनता दरबार में एक दर्जन से अधिक शिकायतें सामने आईं। चौकियां गांव में तालाब की सरकारी जमीन पर अतिक्रमण व जलनिकासी की समस्या उठाई गई। कठार गांव की एक महिला से बहला–फुसलाकर गहने लेकर फरार होने के मामले में पीड़ित पक्ष ने न्याय की गुहार लगाई। नारायण दूबे हत्याकांड में मृतक के परिजनों ने अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की। इसके अलावा बिजली व भूमि विवाद से जुड़े कई मामले भी रखे गए।

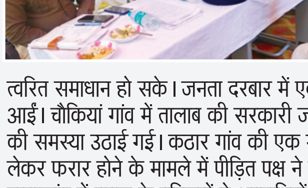

अमेरिका की साम्राज्यवादी नीतियां तीसरे विश्व युद्ध की नींव रख रही हैं

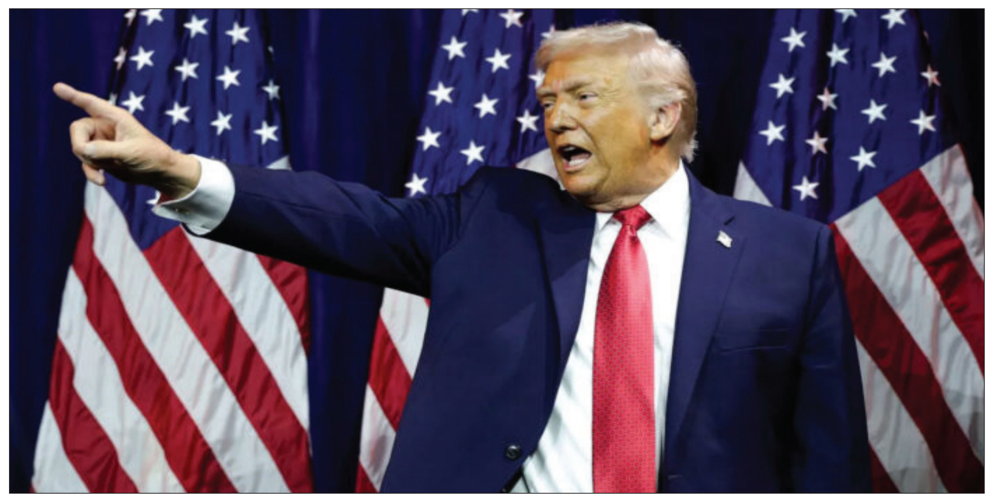

प्रह्लाद सबनानी

आज की वैश्विक व्यवस्था में जब विभिन्न देश विभिन्न कारणों से एक दूसरे पर निर्भर हैं, ऐसे में अमेरिका द्वारा विश्व के कई शक्तिशाली देशों के साथ अपने सम्बन्धों को खराब करना, अमेरिका के हितों के विपरीत तो है ही, साथ ही, वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी विपरीत रूप से प्रभावित कर सकता है। अमेरिकी एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए इसे अमेरिकी नागरिकों को तो समझना ही होगा।

अब तो अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने खुले तौर पर घोषणा कर दी है कि ब्रिक्स संगठन के सक्रिय सदस्य देशों - भारत, रूस, ब्राजील एवं चीन - एवं कुछ अन्य देशों पर 500 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाया जा सकता है। इस संदर्भ में उन्होंने एक प्रस्ताव पर अपने हस्ताक्षर करते हुए इसे अमेरिकी संसद में पारित कराने हेतु भेज दिया है। दरअसल अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट में कुछ याचिकाएं लम्बित हैं जिनमें डॉनल्ड ट्रम्प द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका में होने वाले उत्पादों के आयात पर लागू किए गए टैरिफ को चुनौती दी गई है। संभवतः अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपना निर्णय दिनांक 9 जनवरी 2025 को दिया जा सकता है। यदि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का निर्णय ट्रम्प के खिलाफ आता है तो ट्रम्प अपने पास टैरिफ को लागू करने सम्बंधी अधिकार को सुरक्षित रखना चाहते हैं इसीलिए उन्होंने 500 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाए जाने सम्बंधी प्रस्ताव अमेरिकी संसद में पेश किया है। घोषित तौर पर तो ट्रम्प द्वारा भारत और चीन द्वारा अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले उत्पादों पर टैरिफ इसलिए लगाया जा रहा है क्योंकि यह दोनों देश रूस से भारी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कर रहे हैं और इस संदर्भ में ट्रम्प द्वारा दी जा रही चेतावनियों की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। परंतु, वास्तव में ट्रम्प ब्रिक्स संगठन के सदस्य देशों, विशेष रूप से भारत, रूस, ब्राजील एवं चीन से बहुत परेशान है, क्योंकि यह देश अमेरिकी डॉलर को चुनौती देते हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही, यह देश अपने विदेशी व्यापार के भुगतान को अमेरिकी डॉलर के स्थान पर अपनी अपनी मुद्राओं में करने को प्रोत्साहन दे रहे हैं। ब्रिक्स संगठन के सदस्य देशों के बीच होने वाले व्यापार के भुगतान का निपटान करने हेतु ब्रिक्स मुद्रा को लाने का प्रयास भी इन देशों द्वारा किया जा रहा है। इससे निश्चित ही वैश्विक स्तर पर डीडोलराईजेशन की प्रक्रिया तेज होगी। इससे अमेरिका की चौधराहट पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा। अतः ट्रम्प उक्त चारों देशों से बहुत अधिक नाराज है एवं इन चारों देशों को सबक सिखाना चाहते है।

परंतु, अब ट्रम्प को वैश्विक स्तर पर हो रहे विभिन्न घटनाक्रमों को गम्भीरता से लेने की आवश्यकता है। भारत, रूस, ब्राजील एवं चीन आज विश्व के शक्तिशाली देशों की सूची में शामिल हैं। यह देश वेनेजुएला जैसे छोटे देश नहीं हैं जिन पर ट्रम्प अपना अधिकार एवं अपनी चौधराहट जता पाए। वेनेजुएला के राष्ट्रपति को उनकी पत्नी सहित ट्रम्प की सेना द्वारा रात्रि को सोते समय गिरफ्तार कर अमेरिका में ले जाया गया है। इसके बाद से ट्रम्प द्वारा यह बयान दिया जा रहा है कि वेनेजुएला स्थित तेल के कुओं से कच्चे तेल के भंडार को अब अमेरिकी कम्पनियों द्वारा निकाला जाएगा एवं इसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचा जाएगा और इस व्यवहार से होने वाले लाभ पर अमेरिका एवं वेनेजुएला का अधिकार होगा। यह तो संप्रुभता सम्पन्न राष्ट्र के अधिकारों का सीधा सीधा हनन है। वास्तव में अमेरिका की वेनेजुएला में कच्चे तेल एवं मूल्यवान खनिज पदार्थों के भंडार पर नजर है एवं इन्हें वह अपने कब्जे में लेना चाहता है इसीलिए वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर अमेरिका में लाया गया है और उन पर मुकदमा चलाया जा रहा है। इसी प्रकार, अब ग्रीनलैंड नामक द्वीप जिस पर इस समय डेनमार्क का अधिकार है, को भी अमेरिका अपने कब्जे में लेना चाहता है। अमेरिका के पास पहिले से ही ग्रीनलैंड में एक सैन्य अड्डा ह्लपिटुफिक स्पेस बेसह्व है। परंतु, ट्रम्प यह पूरा द्वीप ही अमेरिकी कब्जे में लाना चाहते हैं क्योंकि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए इस द्वीप की उन्हें जरूरत है। वेनेजुएला को हथियाने के तुरंत बाद ट्रम्प ने वेनेजुएला के पश्चिमी पड़ौसी देश कोलम्बिया जहां तेल के विशाल भंडार है तथा सोना, चांदी, पन्ना प्लेटिनम और कोयले की भारी मात्रा में खदाने हैं, को भी चेतावनी दे दी है कि सरकार विरोधी प्रदर्शनों पर इतनी सख्ती नहीं की जानी चाहिए कि प्रदर्शन करने वाले नागरिकों की मौत ही हो जाए। अन्यथा, अमेरिका को इस स्थिति से निपटने के लिए हस्तक्षेप करना पड़ सकता है। ईरान भी इस समय बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों का सामना कर रहा है और ट्रम्प ने ईरान को भी चेतावनी दे डाली है कि ईरान में अगर और अधिक प्रदर्शनकारियों की मौत हुई तो अमेरिका को कठोर जवाब देना होगा।

मेक्सिको पर भी अमेरिका की टेढ़ी दृष्टि पड़ रही है और अमेरिका का सोचना है कि मेक्सिको से अमरीका में ड्रग्स एवं अवैध अप्रवासियों का आना जारी है। अमेरिका का कहना है कि इसे यदि मेक्सिको प्रशासन द्वारा रोका नहीं गया तो अमेरिका को हस्तक्षेप करना पड़ेगा। ज्ञातव्य हो कि वर्ष 2025 में अपने दूसरे कार्यकाल के पहिले दिन ही ट्रम्प ने ह्लगल्फ आफ मेक्सिकोह्व का नाम बदलकर ह्लगल्फ आफ अमेरिकाह्व करने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। वर्ष 2016 में अपने पहिले कार्यकाल के दौरान भी ट्रम्प ने मेक्सिको के साथ दक्षिणी सीमा पर एक दीवार बनाने का बयान दिया था।

क्यूबा के वेनेजुएला के साथ घनिष्ठ सम्बंध रहे हैं। वेनेजुएला द्वारा कथित तौर पर क्यूबा को लगभग 30 प्रतिशत तेल की आपूर्ति की जाती रही है, इसके बदले में क्यूबा, वेनेजुएला को डॉक्टर एवं चिकित्साकर्मी उपलब्ध कराता रहा है। क्यूबा, फ्लोरिडा (अमेरिका) से केवल 90 मील दक्षिण स्थित द्वीप है और 1960 के दशक की शुरूआत से ही अमेरिकी प्रतिबंधों को झेल रहा है। परंतु, अब क्यूबा, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के पश्चात, तेल की आपूर्ति ठप्प होने के चलते मुश्किलों से घिर गया है और इसे अब अमेरिका पर निर्भर रहना ही होगा।

संयुक्त राज्य अमेरिका की साम्राज्यवादी नीतियां लम्बे समय से चली आ रही है एवं अमेरिका अभी तक के अपने इतिहास में अन्य देशों पर हस्तक्षेप जैसे सैकड़ों मामलों में शामिल रहा है। वर्ष 1776 से वर्ष 2026 के बीच अमेरिका लगभग 400 हस्तक्षेपों में शामिल रहा है। इसमें से लगभग 200 हस्तक्षेप वर्ष 1950 के बाद के खंडकाल में हुए हैं।

वर्तमान समय में भी अमेरिका 5 अलग अलग युद्धों में सार्वजनिक रूप से ज्ञात सैन्य अभियानों में शामिल है। सोमालिया, सीरिया और यमन में हो रहे युद्धों में अमेरिका अपने आप को, आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में शामिल होना बताता है और वेनेजुएला में मादक पदार्थों के खिलाफ युद्ध में शामिल होना बताता है। इसी प्रकार अमेरिका रूस यूक्रेन के बीच हो रहे युद्ध, इजराईल हम्मास के बीच चल रहे युद्ध एवं कम्बोडिया थाईलैंड के बीच हुए युद्ध में भी अपनी चौधराहट दिखाता रहता है। अमेरिका द्वारा अन्य देशों के मामलों में हस्तक्षेप किया जाना सामान्य सी बात है। अभी हाल ही में नेपाल, बांग्लादेश एवं श्रीलंका में सत्ता परिवर्तन कराने में भी अमेरिका का हाथ बताया जाता है। अमेरिका द्वारा इन हस्तक्षेपों को जिन कारणों से उचित ठहराया जाता है, उनमें शामिल हैं - आतंकवाद विरोधी अभियान, शासन परिवर्तन, क्षेत्रीय विस्तार, अमेरिकी नागरिकों और राजनयिकों की सुरक्षा, आर्थिक अवसर, राष्ट्र निर्माण को बढ़ावा देना, लोकतंत्र को बढ़ावा देना और अंतरराष्ट्रीय कानून को लागू करना, आदि है। अमेरिका की विदेश नीति की हस्तक्षेपवाद मुख्य विचारधारा रही है। इसी नीति के तहत अमेरिका की नजर वेनेजुएला, ग्रीनलैंड, कोलम्बिया, ईरान, क्यूबा, मेक्सिको एवं नाईजेरिया में भी हस्तक्षेप करने की नजर आती है।

यूरोप के 7 देशों (फ्रान्स, जर्मनी, इटली, पोलैंड, स्पेन, ब्रिटेन एवं डेनमार्क) ने अमेरिका को गम्भीर चेतावनी दी है कि यदि ग्रीनलैंड पर अमेरिका द्वारा कोई सैनिक कार्यवाही की गई तो इसके गम्भीर परिणाम अमेरिका को भुगतने होंगे और बहुत सम्भव है कि इस कार्यवाही के बाद यूरोपीय देशों एवं अमेरिका का संयुक्त नाटो संगठन ही बिखर जाए। नाटो संगठन के सदस्य देशों के बीच यह समझौता है कि इस संगठन के किसी भी एक सदस्य पर यदि सैन्य हमला होता है तो यह सैन्य हमला समस्त सदस्य देशों पर माना जाएगा और समस्त सदस्य देश मिलकर इस सैन्य हमले का जवाब देंगे।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने दिनांक 7 जनवरी 2026 को 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अमेरिका को अलग करने की जानकारी प्रदान की है। इसमें 35 गैर संयुक्त राष्ट्र संगठन और 31 संयुक्त राष्ट्र की संस्थाएं शामिल हैं। ट्रम्प का सोचना है कि इन संगठनों की सदस्यता के चलते अमेरिकी हितों के अनदेखी हो रही है और इससे अमेरिकी पैसे की बबार्दी हो रही है। अमेरिका का यह कदम ह्लअमेरिका फर्स्टह्व नीति का हिस्सा माना जा रहा है और वैश्विक संस्थाओं से अमेरिका को दूर ले जाने का प्रयास है।

संपादकीय

दूषित पेयजल

यह विडंबना ही है कि हमारे नागरिक प्रशासन का नियामक तंत्र आग लगने पर कुआं खोदने की मानसिकता से मुक्त नहीं होता। यदि समय रहते संवेदनशील या फिर घातक साबित होने वाली स्थिति व परिस्थिति पर नजर रखी जाए तो जनधन की हानि टाली भी जा सकती है। हाल ही में दूषित पेयजल से इंदौर में हुई जन हानि के बाद रोहतक और झज्जर की उन चेतावनियों की अनदेखी नहीं की जा सकती,जिसमें नागरिक घरों में आने वाले गंदे व बदबूदार पानी की शिकायत करते रहे हैं। निश्चय ही इस स्थिति को जन स्वास्थ्य से जुड़े आपातकाल के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके साथ ही नागरिकों की शिकायत की जांच-पड़ताल कर अविलंब कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन इसके बावजूद जवाबदेही न निभाने और एक-दूसरे विभाग पर दोष मढ़ने का पुराना सिलसिला ही अकसर सामने आता है। उल्लेखनीय है कि इंदौर की हालिया दूषित पेयजल की त्रासदी में नगरपालिका द्वारा सप्लाई किए जा रहे पानी के सेवन से कई लोगों की जान चली गई और बड़ी संख्या में लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। विडंबना यह है कि वहां भी नागरिकों की शुरूआती चेतावनियों को सामान्य शिकायतों के रूप में देखकर खारिज कर दिया गया था। लेकिन एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत के बाद अधिकारियों ने स्वीकार किया कि इंदौर में पेयजल पाइपलाइनों में सीवेज का रिसाव हुआ था। यह स्वीकारोक्ति भी तब सामने आई जब बड़ा नुकसान हो चुका था। लगता है कि रोहतक व झज्जर भी इसी तरह के आसन्न खतरे के मुहाने पर खड़े हैं। वैसे देखा जाए तो देश के विभिन्न हिस्सों में सामने आने वाले ऐसे मामले न तो रहस्यमय हैं और न ही ये कोई नई बात ही है। बुनियादी ढांचागत व्यवस्था का जर्जर होना, सीवर लाइनों में रिसाव, अनियोजित शहरी विस्तार और नागरिक एजेंसियों के बीच आवश्यक समन्वय का अभाव, अकसर ऐसी स्थिति पैदा कर देता है, जहां सीवेज और पीने का पानी खतरनाक रूप से एक-दूसरे के करीब आ जाते हैं। गाहे-बगाहे देश के विभिन्न भागों में स्थानीय नागरिक जब-तब आरोप लगाते हैं कि पीने के पानी में सीवर का पानी मिलने की आशंका है। ऐसे में शासन-प्रशासन की पहली प्रतिक्रिया, इसके सत्यापन, पाइप लाइन की मरम्मत और वैकल्पिक पेयजल उपलब्ध कराने की होनी चाहिए। ऐसे में स्वास्थ्य संकट को दूर करने और अपनी बात मनवाने के लिये यदि नागरिकों को सड़कों पर उतरना पड़ता है तो यह शासन-प्रशासन की विफलता को ही दर्शाता है।

चिंतन-मनन

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है। एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो। बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है?

यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चप्रव्यूह में फंसकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं? संप्रदायवाद, जातिवाद, भाषावाद और प्रांतवाद को भड़का करके क्यों सत्ता की गोटियां बिठाई जा रही हैं? आज की राजनीति को देखकर मन ग्लानि और वितृष्णा से भर जाता है। आखिर यह सबकुछ कब तक चलता रहेगा?

प्रभु रामः आस्था का सेतु और मानवता का शाश्वत संदेश

दिलीप कुमार पाठक

आज 11 जनवरी 2026 को जब अयोध्या में प्रभु श्री राम के दिव्य विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ (तिथि अनुसार) मनाई जा रही है, तो यह केवल एक मंदिर का उत्सव नहीं, बल्कि उन मानवीय मूल्यों का पर्व है जो सदियों से भारतीय समाज को जोड़े हुए हैं। श्री राम का व्यक्तित्व किसी भौगोलिक सीमा या विशेष विचारधारा तक सीमित नहीं है; वे एक ऐसी मयार्दा के प्रतीक हैं जो हर मनुष्य के लिए अनुकरणीय है। आज का दिन आत्मचिंतन का है कि हम उनके जीवन से उन सूत्रों को कैसे निकालें जो आज के आधुनिक और अशांत समाज को नई दिशा दे सकें।

प्रभु श्री राम का आध्यात्मिक पक्ष हमें भीतर के रावण को जीतने की प्रेरणा देता है। अध्यात्म की दृष्टि में राम का अर्थ है—वह जो कण-कण में रमण करता है। जब हम राम की बात करते हैं, तो हम एक ऐसे चरित्र की बात करते हैं जिसमें धैर्य, करुणा और न्याय का अद्भुत संतुलन है। आज के आपाधापी भरे दौर में, जहाँ मानसिक तनाव और रिश्तों में बिखराव बढ़ रहा है, राम का संयम हमें सिखाता है कि विषम परिस्थितियों में भी अपनी मयार्दा और विवेक को कैसे जीवित रखा जाए। उनका जीवन संदेश देता है कि शक्ति का वास्तविक अर्थ दूसरों पर अधिकार करना नहीं, बल्कि दूसरों की रक्षा और सेवा करना है। सामाजिक सरोकार की दृष्टि से देखें तो श्री राम का चरित्र समावेशी समाज की सबसे सुंदर आधारशिला है। वनवास के दौरान उन्होंने राजसी वैभव को त्यागकर समाज के सबसे अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को गले लगाया। निषादराज के साथ उनकी मित्रता, शबरी के जूठे बेर खाना और वंचित शक्तियों को संगठित करना यह दशार्ता है कि राम अंत्योदय के प्रथम प्रणेता थे। उनका प्रेम किसी जाति, वर्ग या संप्रदाय का मोहताज नहीं था। आज के समाज को, जहाँ दूरियां बढ़ रही हैं, राम के इस समरसता वाले स्वरूप की सबसे अधिक आवश्यकता है। वे सिखाते हैं कि समाज तभी सशक्त होता है जब वह भेदभाव से ऊपर उठकर एक-दूसरे का संबल बनता है।

महिलाओं के प्रति प्रभु राम का दृष्टिकोण सम्मान और गरिमा की पराकाष्ठा है। अहिल्या का उद्धार हो या माता शबरी का सम्मान, राम ने सदैव स्त्री शक्ति को उनकी योग्यता और भक्ति के आधार पर सर्वोच्च स्थान दिया। उन्होंने सिद्ध किया कि एक आदर्श समाज वही है जहाँ नारी की गरिमा सुरक्षित हो और उसे निर्णय लेने की स्वतंत्रता प्राप्त हो। आज जब हम महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं, तो राम का चरित्र हमें याद दिलाता है कि स्त्री के प्रति सम्मान केवल शब्दों में नहीं, बल्कि आचरण में होना चाहिए। राम का व्यक्तित्व यह संदेश देता है कि एक पुरुष की असली महानता उसकी शक्ति में नहीं, बल्कि स्त्री की गरिमा के प्रति उसकी संवेदनशीलता में निहित है।

राम का रामराज्य केवल एक राजनीतिक व्यवस्था नहीं थी, बल्कि वह एक कल्याणकारी समाज का सपना था, जहाँ दैहिक दैविक भौतिक तापा, राम राज नहिं काहुहि ब्यापा (अर्थात जहाँ किसी को कोई कष्ट न हो)। यह विचार हर मनुष्य के लिए एक समान सुखद है, क्योंकि हर धर्म का अंतिम लक्ष्य शांति और लोक-कल्याण ही है। राम सबके हैं क्योंकि वे करुणा के सागर हैं। उनका व्यक्तित्व एक ऐसे पुल की तरह है जो अलग-अलग विचारों को आपस में जोड़ता है। राम का अर्थ संघर्ष नहीं, बल्कि संवाद और समन्वय है, जो आज की विभाजित दुनिया को एकता के सूत्र में पिरो सकता है। प्रभु राम का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि न्याय केवल शक्तिशाली के लिए नहीं, बल्कि निर्बल के लिए भी सुलभ होना चाहिए। उनकी न्यायप्रियता में शत्रु के प्रति भी शिष्टाचार और सम्मान का भाव छिपा है, जो हमें सिखाता है कि वैचारिक मतभेदों के बावजूद मानवीय गरिमा को बनाए रखा जा सकता है। आज जब हम इस दूसरी वर्षगांठ का आनंद ले रहे हैं, तो हमें अपने पर्यावरण और प्रकृति के प्रति भी उसी प्रेम का संकल्प लेना चाहिए जो राम ने अपने वनवास के दौरान दिखाया था। उन्होंने प्रकृति के हर जीव और वृक्ष को अपना मित्र माना, जो आज के वैश्विक पर्यावरण संकट के दौर में सबसे बड़ी सीख है।

अंततः, राम की भक्ति का वास्तविक अर्थ उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारना है। यदि हम अपने हृदय में क्षमा, त्याग और परोपकार के दीप जला सकें, तो वही इस उत्सव की सार्थकता होगी। राम हमें एक बेहतर इंसान बनने की राह दिखाते हैं—एक ऐसा इंसान जो दुख में विचलित न हो और सुख में निरहंकारी रहे। आइए, इस पावन अवसर पर हम घृणा और द्वेष को त्यागकर एक ऐसे समाज की रचना करें, जहाँ प्रेम ही धर्म हो और सेवा ही ईश्वर की सच्ची इबादत। राम का नाम तभी सार्थक होगा जब हम उनके बताए प्रेम के पथ पर चलकर समस्त मानवता को एक परिवार मानेंगे। जय सियाराम!

(लेखक पत्रकार हैं)

भारतीय राजनीति के अमूल्य रत्न थे लाल बहादुर शास्त्री

ललित गर्ग

भूख केवल एक शारीरिक पीड़ा नहीं है, वह सामाजिक असंतुलन, मानसिक कुंठा और नैतिक विचलन की जननी भी है। इतिहास साक्षी है कि जब पेट खाली होता है, तो विचार उग्र हो जाते हैं, व्यवस्था के प्रति विश्वास डगमगाने लगता है और विद्रोह की भावना पनपती है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे पहली जिम्मेदारी यह होती है कि उसका कोई भी नागरिक भूखा न रहे। इसी बुनियादी और मानवीय सोच के साथ दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार द्वारा शुरू की गई रुपये 5 में भोजन उपलब्ध कराने की 'अटल कैंटीन योजना' निस्संदेह एक दूरदर्शी, करुणामय, मानवीय और जनकल्याणकारी पहल है। इस योजना का उद्देश्य अत्यंत स्पष्ट और मानवीय है कि दिल्ली में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। राजधानी जैसे महानगर में, जहाँ एक ओर समृद्धि और चमक-दमक है, वहीं दूसरी ओर असंगठित श्रमिक, दिहाड़ी मजदूर, रिक्शाचालक, ठेला-पटरी वाले, घरेलू कामगार और बेघर लोग भी बड़ी संख्या में रहते हैं। इनके लिए दो वक्त का सम्मानजनक और पौष्टिक भोजन आज भी एक चुनौती बना हुआ है। अटल कैंटीन योजना इन्हीं वर्गों के लिए जीवनरेखा बनकर सामने आई है, जो 'संकल्प से सिद्धि' के लक्ष्य को दशार्ता है और इसे देश में भोजन सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

इस योजना का शुभारंभ भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर किया जाना केवल एक औपचारिक तिथि चयन नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक है। अटलजी का संपूर्ण राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन अंत्योदय अर्थात समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के विचार से प्रेरित रहा। वर्ष 2000 में शुरू की गई अंत्योदय अन्न योजना ने यह स्पष्ट कर दिया था कि अटलजी के लिए गरीब केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि नीति का केंद्र था। उस योजना के अंतर्गत अत्यंत गरीब परिवारों को रियायती दरों पर अनाज उपलब्ध कराया गया, जिससे करोड़ों लोगों को भुखमरी से राहत मिली। अटल कैंटीन योजना उसी सोच का आधुनिक शहरी संस्करण है, जहाँ अनाज के बजाय तैयार, पौष्टिक और स्वच्छ भोजन सीधे थाली में परोसा जा रहा है। यह नीतिगत निरंतरता इस बात का प्रमाण है कि सुशासन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि संवेदनशील क्रियान्वयन से साकार होता है। अटल कैंटीन में भोजन की कीमत रुपये 5 रखी गई है, जबकि सरकार प्रत्येक थाली पर रुपये 25 की सब्सिडी दे रही है। यह मूल्य निर्धारण अत्यंत सोच-समझकर किया गया है। भोजन पूरी तरह मुफ्त न देकर एक न्यूनतम राशि तय करने का उद्देश्य यह है कि भोजन की कद्र बनी रहे और लाभार्थी इसे भीख नहीं, बल्कि अधिकार और सम्मान के रूप में ग्रहण करे। यह नीति सामाजिक मनोविज्ञान को समझने का उत्कृष्ट उदाहरण है।

रेखा गुप्ता सरकार ने सीमित संसाधनों के बावजूद जनकल्याण को प्राथमिकता देते हुए जिस संवेदनशीलता, निर्णय क्षमता और प्रशासनिक दक्षता का परिचय दिया है, वह उनके प्रभावी राजनीतिक नेतृत्व को रेखांकित करता है; अटल कैंटीन जैसी योजनाएँ बताती हैं कि वे शासन को सत्ता नहीं, सेवा का माध्यम मानती हैं। किंतु सर्दी के इस कठोर मौसम में दिल्ली की सड़कों, फुटपाथों और फ्लाईओवरों के नीचे ठिठुरती रातें काटने को विवश गरीब और बेघर लोगों के लिए केवल मौसमी रैन-बसेरे पर्याप्त नहीं हैं, आवश्यकता एक स्थायी, समन्वित और मानवीय शीत-रक्षा योजना की है, जिसमें अस्थायी आश्रय के साथ गरम वस्त्र, पौष्टिक भोजन, प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा और पुनर्वास की स्पष्ट व्यवस्था हो, ताकि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की राजधानी की सड़कों पर कोई भी व्यक्ति सर्द रात में बेसहारा और अदृश्य न रहे; ऐसा कदम न केवल प्रशासनिक संवेदनशीलता का प्रमाण होगा, बल्कि लोकतंत्र की नैतिक जिम्मेदारी का भी सशक्त निर्वाह बनेगा। महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि उपलब्ध कराया जा रहा भोजन पोषण मानकों के अनुरूप है। भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एफएसएसएआई मानकों का पालन किया जाता है, जिसमें प्रति थाली 700-800 कैलोरी और 20-25 ग्राम प्रोटीन होता है। डिजिटल टोकन, सीसीटीवी और निगरानी के साथ पारदर्शिता सुनिश्चित की जाती है। प्रत्येक कैंटीन प्रतिदिन लगभग 1000 लोगों को भोजन परोसने की क्षमता रखी है, और 100 कैंटीन खोलने का लक्ष्य है। दाल, सब्जी, रोटी/चावल जैसे संतुलित आहार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिसमें आरओ वाटर एवं अचार आदि भी परोसा जा रहा है ताकि यह योजना केवल पेट भरने तक सीमित न रहकर स्वास्थ्य सुधार में भी योगदान दे सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा गरीबों और निम्न आय वर्ग के लिए मुफ्त एवं रियायती अनाज योजनाएँ लगातार संचालित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना जैसी पहलों ने संकट काल में करोड़ों परिवारों को राहत दी है। इन योजनाओं का मूल दर्शन यही है कि भूखा नागरिक न आत्मनिर्भर बन सकता है और न ही राष्ट्रनिर्माण में भागीदार। रेखा गुप्ता सरकार की अटल कैंटीन योजना इन राष्ट्रीय प्रयासों के साथ सामंजस्य स्थापित करती है। यह दशार्ती है कि केंद्र और राज्य, यदि समान मानवीय दृष्टि से काम करें, तो सामाजिक समस्याओं का समाधान अधिक प्रभावी ढंग से संभव है। समाजशास्त्र और अर्थशास्त्र दोनों ही इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि भुखमरी और अपराध के बीच गहरा संबंध होता है। जब व्यक्ति की मूल आवश्यकताएँ पूरी नहीं होतीं, तो वह व्यवस्था के प्रति विद्रोही दृष्टिकोण अपनाने लगता है। यही कारण है कि अनेक महान नेताओं ने यह कहा है कि गरीब को पहले रोटी दो, उपदेश बाद में।

भूखे को खिलाना किसी प्रकार का राजनीतिक प्रलोभन नहीं है। यह सच्ची राष्ट्रभक्ति, मानवीय कर्तव्य और सामाजिक सुरक्षा का आधार है। अटल कैंटीन जैसी योजनाएँ अपराध को नियंत्रित करने, सामाजिक असंतोष को कम करने और लोकतंत्र में विश्वास को मजबूत करने का कार्य करती हैं। हालाँकि, किसी भी जनकल्याणकारी योजना की सफलता केवल उसकी घोषणा से नहीं, बल्कि उसके पारदर्शी, निगरानी और ईमानदार क्रियान्वयन से तय होती है। यह अत्यंत आवश्यक है कि अटल कैंटीन योजना को भ्रष्टाचार, अपव्यय और लापरवाही से पूरी तरह मुक्त रखा जाए। खाद्य सामग्री की खरीद, भोजन की गुणवत्ता, लाभार्थियों की पहुँच, वित्तीय प्रबंधन और संचालन व्यवस्था-हर स्तर पर सख्त निगरानी, नियमित ऑडिट और सामाजिक सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। यदि इस योजना में किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार प्रवेश करता है, तो वह न केवल सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग होगा, बल्कि गरीब के विश्वास के साथ भी विश्वासघात होगा।

दिल्ली की यह पहल देश के अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन सकती है। शहरीकरण के इस दौर में लगभग हर बड़े शहर में श्रमिक और निम्न आय वर्ग भोजन संकट से जूझ रहा है। यदि प्रत्येक राज्य अपनी परिस्थितियों के अनुसार ऐसी योजनाएँ विकसित करे, तो देश से भुखमरी को काफी हद तक समाप्त किया जा सकता है। यह समझना आवश्यक है कि ऐसी योजनाएँ खर्च नहीं, बल्कि सामाजिक निवेश हैं। यह निवेश समाज को स्थिरता, शांति और विश्वास लौटाता है। अंततः रुपये 5 की थाली केवल भोजन नहीं है। यह करुणा, गरिमा और सामाजिक न्याय की अभिव्यक्ति है। यह अटल बिहारी वाजपेयी की अंत्योदय सोच और नरेन्द्र मोदी के वर्तमान नेतृत्व की मानवीय दृष्टि का सार्थक संगम है। रेखा गुप्ता सरकार की यह पहल यह संदेश देती है कि सुशासन वही है, जो सबसे पहले सबसे कमजोर व्यक्ति तक पहुँचे। यदि इस योजना को पारदर्शिता, ईमानदारी और निरंतरता के साथ आगे बढ़ाया गया, तो यह न केवल दिल्ली, बल्कि पूरे देश के लिए भूख-मुक्त भारत की दिशा में एक मजबूत कदम सिद्ध होगी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

The unpredictable man who turns on weak neighbours

The new year has begun with a military adventure. In a move that stunned the world, the established government of Venezuela was overthrown, and President Nicolás Maduro and his wife were dragged from their beds in Caracas, flown to the US, and imprisoned in New York. Not since the invasion of Iraq has the US made such an aggressive geopolitical gesture.Yet, even the Iraq campaign was less crassly executed. When George W Bush sought to avenge the assassination attempt on his father by Saddam Hussein, he at least constructed the pretext of 'weapons of mass destruction' and assembled a multinational coalition with Britain, Australia and Poland. In Venezuela, there was no such cover. Declaring Maduro the chief of a cocaine ring, Trump captured the leadership and exulted in his victory over a smaller, weaker Latin American neighbour—one that happens to possess the world's largest oil reserves.Psychologists might argue this aligns with the diagnosis of 'malignant narcissism'—a blend of narcissism, antisocial behaviour, paranoia and sadism—attributed to Trump by psychologists. In Trump's mind, no predecessor—not Biden, Clinton or Obama, not even George Washington or Abraham Lincoln—can match him. He initially sought to subdue the world through punitive tariffs, though the efficacy of this economic warfare remains debatable. It is likely the American consumer suffered most, evidenced by the quiet withdrawal of tariff hikes on over 200 food products. While US inflation hovers between 2.8 percent and 3 percent, many economists argue it would have cooled further without his protectionist levies.

Initially, Trump indulged his narcissism through a crusade for the Nobel Peace Prize. He claimed credit for preventing conflicts globally, including the short India-Pakistan war—a claim India firmly repudiated. During his angry election campaign, he vowed the Ukraine war would end the day he assumed office. Yet, the reality is starkly different. Russia continues near-daily missile strikes on Ukraine's energy grid, leaving civilians freezing while its forces press forward with the objective of capturing Kupyansk by February.

aving largely failed in his mission of making the world kowtow to him by unilaterally imposing tariffs and in his mission to make Russia capitulate by ending their war against Ukraine, Trump has now turned to using his military to crush weak countries. He claims to have taken Venezuela, which he says will now be under American control until the situation is to his liking. The Venezuelan Vice President, Delcy Rodríguez, went on television and demanded the immediate release of Maduro and his wife Cilia Flores, calling Maduro "the only president of Venezuela". It is yet to be seen how Trump will establish his dominance over Venezuela in the days to come. He has even threatened American boots on the ground if Rodríguez "doesn't do what is right". She has subsequently toned down her rhetoric.Trump's ambitions appear boundless. In typical style, he also warned Colombian President Gustavo Petro to "watch his back", stating that "a sick man governs Colombia" and "Operation Colombia sounds good to me". He reiterated that "we do need Greenland absolutely" and "Cuba is ready to fall" in the absence of Venezuelan oil. If the Trump of 2025 was a peace-seeker chasing a Nobel, the Trump of 2026 is on a warpath. A resource-based neo-colonialism is taking shape, placing Latin America in grave peril.Global condemnation has been mixed. China and Russia denounced the invasion but are unlikely to intervene; Beijing is focused on economic growth and internal anti-corruption drives, while the Ukraine war consumes Moscow. Brazilian President Lula da Silva stated the US crossed "an unacceptable line", a sentiment echoed by Spain, Chile, Colombia, Mexico and Uruguay. Conversely, Argentina and Ecuador seem overjoyed.

Lessons from the pandemic battlefield

The true legacy of Covid-19 lies not just in survival, but in the systems built for the next health emergency.

Exactly six years ago, India began fighting its most deadly war ever against an invisible tiny virus and won the battle. The coronavirus disease or Covid-19, was an infectious disease caused by the SARS-CoV-2 virus. Indian scientists have documented the learnings from the pandemic so that the country is better prepared when a similar catastrophe strikes. It is not a question of if but when the next pandemic strikes the world.Seven million people are estimated to have died worldwide as the coronavirus pandemic tore through societies, with some assessments placing the true toll several times higher. India's official count stood at about half a million deaths, but the World Health Organisation estimated fatalities to be nearly ten times that number.Six years on, a definitive scientific account of how India confronted the virus has been published in the form of a peer-reviewed book, 'At War with the Single Strand: How Indian Science Fought the COVID-19 Pandemic', brought out by Springer, a leading publisher for science. All the key players who fought the war against the virus have documented their learnings.The world came to a standstill in early 2020, as a microscopic RNA virus, named SARS-CoV-2, threw humanity into chaos. For India, this was not just a health emergency; it was a defining moment for science and innovation. What followed was an extraordinary saga of resilience, collaboration and determination. It was a war fought in laboratories, hospitals and digital platforms, with science as the frontline soldier.

India established the One Health Mission in 2024 to holistically look at diseases that originate in animals and plants and spill over to humans. The mission is a collaborative, multidisciplinary approach that unites human, animal and environmental health sectors. It recognises the interconnectedness of these domains, aiming to optimise health outcomes and address challenges across sectors. The country's Principal Scientific Adviser's office is leading the inititiave. With its diverse wildlife, one of the largest livestock populations and a high density of human population, India carries heightened risks for the inter-compartmental spread of diseases.One learning was highlighted by Prime Minister Narendra Modi when he said, "The coronavirus crisis has taught India to be self-sufficient and not depend on others for anything we need in our daily lives. It has made it absolutely clear that we have to depend only on ourselves for our survival."

As news of the virus spread in China in late December 2019, Indian scientists began urgent discussions on how to respond. By early January 2020, the country had a clear R&D strategy built on four pillars: understanding the virus through genome sequencing, developing affordable diagnostics, creating novel therapeutics and building vaccines to prevent infection. This blueprint would become the foundation of the country's fight against Covid-19.Dr Renu Swarup, former Secretary of the Department of Biotechnology and lead author of the book, recalls those early days: "Science became the frontline defence. From genome sequencing to diagnostics and vaccines, our researchers and industry partners worked tirelessly to deliver solutions in record time. This was not just a fight against Covid-19, it was a

fight to build a robust ecosystem for future health challenges."In March 2020, India was dependent on imported diagnostic kits. Within three months, that changed dramatically. By June, India had achieved complete self-reliance in testing. Industry leaders, academia and startups collaborated to produce indigenous molecular diagnostic kits that were both affordable and highly sensitive. The Department of Biotechnology, Andhra Medtech Zone (AMTZ) and Mylab, a startup, led this transformation, ensuring uninterrupted testing even during the peak of the Delta wave. Today, these kits are also exported - a shining example of atmanirbhar Bharat.

India's fight faltered during the second deadly wave when the Delta variant struck the country with virulence and the mismanagement of oxygen cylinders in the country left many dead.Perhaps the most remarkable chapter in this fight is India's vaccine development programme, named Mission Covid Suraksha. Leveraging multiple platform technologies -- from inactivated virus to mRNA and DNA -- India created a diverse portfolio of vaccine candidates. Bharat Biotech's Covaxin and Serum Institute's Covishield became household names, while Zydus Cadila, Biological-E and Gennova Biopharmaceuticals added many vaccines to the arsenal. Dr Narendra Kumar Arora, Chairman of INCLEN Trust International, emphasises the scale of this achievement: "India was known as the world's vaccine manufacturer. During the Covid-19 pandemic, India got recognised as a global leader in vaccine development. This was possible because of strong industry-academia partnerships and an enabling ecosystem that will accelerate future vaccine research for diseases like TB, HIV and malaria." Since then, India has been testing new vaccines against TB, dengue and Zika.The country executed the largest vaccination drive in history, administering over 2 billion doses. Behind this success was a vast clinical trial network and regulatory systems that ensured safety and efficacy. A critical enabler of India's vaccination success was CoWIN, an indigenously developed digital platform that streamlined registration, scheduling and certification. CoWIN also set a global benchmark for digital health solutions. Its success has inspired plans for future adult vaccination programmes in India.Through initiatives like Vaccine Maitri and contributions to the Access to Covid-19 Tools (ACT) Accelerator, India supplied millions of vaccine doses to countries across Asia, Africa and Latin America. A whopping 162 million doses were supplied to 96 countries even as Indians were vaccinated with nearly two billion doses. This act of solidarity reinforced India's role as a trusted global health partner and a solid supply chain backbone.The rapidly mutating virus demanded constant vigilance. The Indian SARS-CoV-2 Consortium on Genomics or Indian SARS-CoV-2 Genetics Consortium (INSACOG) was set up to track variants and correlate mutations with clinical outcomes. This effort positioned India as a major contributor to global genomic databases and strengthened preparedness for future pandemics.While the pandemic exposed gaps like the unforeseen shortage of oxygen cylinders, it also created opportunities. India now possesses a robust ecosystem for translational research, vaccine development and digital health. The learnings from Covid-19 will guide strategies for tackling emerging diseases and developing antivirals, a global lacuna exposed during the pandemic. India's online education and the robust fintech ecosystem with the Unified Payments Interface (UPI) have now become part of everyday existence.Dr Swarup sums up the sentiment: "The fight against Covid-19 was not just about science, it was about partnerships, governance and the collective will of a nation. We have built capacities that will serve us well in the years to come."Today, the country stands better prepared, more confident, and globally recognised as a leader in health technology and pandemic response. The book gives a detailed understanding of the Covid-19 learnings and experience.

A biting order: Dog census by teachers defies logic

The Tribune Editorial: Teachers at Sasaram in Bihar have been asked to step into streets to count stray dogs.

EVEN as the Supreme Court grapples with the complex and contentious issue of stray dogs, a municipal corporation in Bihar has produced an order so ill-conceived that it borders on the absurd. Teachers in Sasaram have been asked to step into streets to count stray dogs. This task falls within the domain of municipal governance. The directive exposes a chronic administrative laziness that treats teachers as an all-purpose workforce. Census duties, election work, disaster surveys — and now dog counting. Bihar's teachers are already stretched thin, struggling to balance academic responsibilities with a growing pile of non-teaching assignments. Every diversion chips away at classroom time, lesson planning and student engagement.Primary education lays the foundation of a child's development. Bihar's learning outcomes, repeatedly flagged by ASER surveys over the years, are already among the weakest in the country. Pulling

teachers out of classrooms for yet another non-academic task is a self-inflicted blow to the education system.

Worse, the order is fraught with real danger. Counting stray dogs is not a harmless paperwork exercise. Many teachers may be fearful of dogs; others may be genuinely at risk. The Supreme Court itself has underlined that it is impossible to "read a dog's mind" or predict when an animal may turn aggressive. Asking untrained civilians to conduct such an exercise is reckless, especially when dog-bite incidents and rabies deaths remain a public health concern.The irony is stark. While the apex court has questioned municipal failures in implementing animal birth control and public safety measures, a municipal body has responded by outsourcing its core responsibility to teachers. This is governance by abdication. The order must be rescinded immediately. Municipal authorities must do their jobs, and teachers must be allowed to do theirs.

Budget boosts needed in 2026 for Viksit Bharat by 2047

To achieve a Viksit Bharat by 2047, India needs a bigger healthy and skilled workforce. For that, the upcoming Union Budget should invest more in education and health. Focused missions, industry tie-ups and streamlined regulation would also be necessary

Developing human capital will be at the heart of India's journey towards a Viksit Bharat at 2047. As we approach the Union Budget for 2026-27, a coherent strategy linking education, health, employment and skill development is essential. These pillars form the architecture of a productive, resilient and inclusive society, one that can sustain high growth and global competitiveness over the coming decades.

A healthy and skilled population is central to realising India's potential as a knowledge-driven, innovation-led economy. Strengthening the health system is a natural starting point. A more decentralised, outcome-linked financing model where central transfers are tied to measurable improvements would allow states greater autonomy while ensuring accountability and real-time monitoring. This approach can help ensure that every rupee spent on health yields tangible results on the ground. Equally important is addressing the acute shortage of healthcare professionals. Enforcing quality standards under the Clinical Establishments (Registration and Regulation) Act, 2010 through certified professionals supported on an interim basis by the central health regulators NABH and NHA can help raise standards nationwide. At the same time, India must make healthcare careers more aspirational. Structured pathways for task-shifting, where routine clinical responsibilities are reassigned to trained doctors, nurses, and allied health practitioners can alleviate specialist shortages. This should be complemented with civil services-recognised upskilling routes and expanded opportunities for senior secondary students and graduates to enter the healthcare ecosystem through clear progression ladders. Modernising regulatory frameworks is also essential. A single national licence for online healthcare players covering e-pharmacies, e-

diagnostics, and digital clinics would bring long-needed clarity. Updated provisions under the Drugs and Cosmetics Act for telemedicine and digital therapeutics, alongside tax parity for e-hospitals, will ensure that India's evolving health-tech ecosystem is supported by contemporary rules. On the education front, India needs a predictable, long-term expenditure roadmap. A phased increase in public spending from 4.6 percent of GDP in 2026-27 to 6 percent by 2030-31 would provide the financial foundation needed to strengthen schools, teacher training and research. A national task-force on education technology and inclusion can accelerate the adoption of public-private partnership models for platforms such as DIKSHA and SWAYAM, while also helping modernise curriculums and expand high-quality digital content. Higher education, too, warrants a shift from prescriptive regulations to principle-based advisory. Allowing institutions to self-declare adherence to regulatory guidelines can promote autonomy and global best practices. India should also move decisively to facilitate the entry of foreign university campuses through streamlined approvals, stronger industry linkages, and scholarship-backed access for students replicating Gujarat's GIFT City education hub model in other regions. Creating jobs at scale will require fresh thinking in employment and skilling. A comprehensive national policy for the gig economy can help extend social protection, strengthen worker registration systems, and ensure continuity of benefits across platforms. Pilot urban employment guarantee programmes in select cities can provide short-term work opportunities while boosting civic infrastructure.Expanding apprenticeships is another high-impact lever. A service sector apprenticeship programme covering hospitality, logistics, retail, healthcare, and financial services can offer 12-18 month fixed-term pathways combining on-the-job training, digital skills modules and recognised certification. Industry-led consortia can help smaller businesses to participate effectively by offering curriculum support and shared training facilities.

For the long term, India must prepare its workforce for future industries. A Future Skills 2047 Mission to train or reskill 10 million youth annually in areas such as AI, robotics, clean energy, biotechnology and semiconductors will be crucial. Cluster-based integrated skill development centres aligned to regional industry needs can serve as the backbone of this mission.

Women's economic participation remains one of India's biggest untapped opportunities. Investments in childcare, safe and reliable transport, and affordable accommodation can help bring millions of women into the workforce and strengthen household incomes and productivity. Finally, a universal labour information management system linked to the National Career Service can serve as a unified employment-intelligence layer. When combined with an integrated skilling dashboard, drawing real-time data from state missions and government portals, it can allow policymakers, employers, and workers to navigate labour markets with unprecedented precision.

Drowning in debt: How easy loans are turning into an EMI nightmare for Indians

New Delhi.(Agency)

For many Indian families today, the month does not begin with hope or planning. It begins with anxiety.The salary comes in and almost immediately starts flowing out. EMIs are deducted. Credit card bills are due. Loan app reminders flash on phones. By the time the money settles, there is barely enough left to run the household.This is not a story of reckless spending. It is about how easy access to credit, once meant to help families manage gaps and emergencies, has quietly turned into a persistent strain on household finances.What is unfolding is a silent debt crisis, one that has grown steadily as borrowing shifts from being an occasional support to a monthly necessity.A nationwide survey conducted by debt and loan resolution company Expert Panel between June and December 2025 among 10,000 financially distressed borrowers across India captures the scale of this crisis in stark terms.The findings show that debt pressure has become a defining feature of everyday life for a large section of Indian households.

THE EMI TRAP IS DEEPER THAN IT LOOKS

The survey reveals that 85% of distressed borrowers are spending more than 40% of their monthly income on EMIs. In many households, nearly half the salary is already committed before food, rent, transport, school fees, or medical expenses are accounted for.The pressure is particularly severe among lower- and middle-income earners. Borrowers with monthly incomes between Rs 35,000 and Rs 65,000 reported EMI obligations ranging from Rs 28,000 to Rs 52,000.

At these levels, household budgeting stops being a matter of choice and becomes an exercise in survival.This is no longer borrowing to get ahead. It is borrowing to stay afloat.

FRESH LOANS TO REPAY EXISTING ONES

When EMIs swallow incomes, families resort to coping strategies that often worsen their situation over time.

Around 40% of distressed borrowers said they rotate credit cards just to manage expenses. Another 22% rely on friends,

family members, or informal lenders for support.Many take fresh loans to repay older ones, pushing themselves deeper into a cycle of borrowing that becomes harder to escape with each passing month.These measures offer temporary relief, typically lasting two to six months. But they also increase interest burdens, reduce future borrowing capacity, and accelerate long-term financial deterioration.

CUTTING ON ESSENTIALS TO PAY EMIs

The strain of sustained repayments shows up most clearly in what households are forced to sacrifice.Around 65% of borrowers surveyed said they had cut back on essential spending. This includes withdrawing children from schools or tuition classes, deferring medical treatment, cancelling insurance policies, and reducing food and nutrition budgets.Other measures are more drastic. Sixteen percent of borrowers reported taking salary advances. Fifteen percent were forced to liquidate assets. This included selling gold or jewellery, redeeming stocks or mutual funds, and in some cases, selling property.

These are not financial planning decisions. They are emergency responses to prolonged pressure. Once savings are exhausted and assets are sold, families are left with no cushion for the next crisis.

WazirX completes recovery token allocation

New Delhi.(Agency)

Indian cryptocurrency exchange WazirX said on Friday that it has completed the allocation of recovery tokens (RT) to all eligible users under the court-approved scheme of arrangement proposed by its parent company Zettai Pte Ltd.

The exchange suffered cyberattack in July 2024, leading to the loss of nearly Rs 2,000 crore in investor funds. In October 2025, the High Court of Singapore officially sanctioned the creditor-approved restructuring scheme proposed by it with modification. This comes after 95.7% of voting creditors — representing 94.6% in value — re-voted in favour of the scheme in August 2025.

Following the platform's restart on October 24, 2025, WazirX successfully distributed nearly 85% of Rebalanced Net Liquid Platform Assets to eligible users, within 10 business days, as outlined in the scheme.The allocation of recovery tokens has now been completed within the 60-business days timeline specified in the scheme. Eligible users can view their allocated RTs directly on the "Funds" page within the

WazirX app. The recovery tokens are issued to scheme creditors on a pro rata basis, aligned with each user's Approved Claim. The tokens are designed to ensure that users remain proportionally included in any future recoveries realised by the platform over time.Under the scheme, recoveries are evaluated in recurring three-month periods. During such an evaluation cycle when at least $10 million is realised, a portion of that value is allocated for the buyback of the Recovery Tokens. If the value recovered by the platform in a period is less than $10 million, the recovery claim isn't lost; it simply rolls over into the next period and is combined with new recoveries until a distribution becomes viable.

Currently, the recovery tokens are not tradable. Subject to applicable legal and regulatory requirements, RTs may become tradable in the future.

RBI cuts us treasury exposure for first time in four years

According to the US Department of Treasury, RBI's holding of US bonds dropped from $241.4 billion on October 31, 2024 to $190.7 billion on October 31, 2025.

New Delhi.(Agency)

In what may be a strategic shift towards foreign exchange reserve diversification and non-dollar assets amid rising global economic and geopolitical risks, the Reserve Bank of India has cut 21% of its holdings of US Treasury securities.According to the US Department of Treasury, RBI's holding of US bonds dropped from $241.4 billion on October 31, 2024 to $190.7 billion on October 31, 2025, marking a shift in forex strategy towards better asset diversification.

The US follows October-September as its fiscal year.According to a Bloomberg analysis, this is the first annual dip in US treasury investments by RBI in the past four years. The drawdown comes despite relatively attractive yields in US bonds. During the period, the yield on the benchmark

10-year US bonds traded in 4-4.8% range.Experts say this steep reduction is not driven by yield considerations but by a reassessment of the allocation of reserves, which hovered around $700 billion in October.As part of diversification, RBI has been building its gold reserves. After a record 64 tonnes of gold buy in 2024, the central bank has been going slow in adding the yellow metal in 2025, which as of September-end stood at 880.8 tonnes. Gold's share in the total foreign exchange reserves shot up to 13.9% by September, up from 9% in the year-ago period.In 2025, RBI made only modest direct purchases of gold to the tune of 4 tonnes till September, but significantly increased its domestically held reserves by repatriating over as much as 64 tonnes from overseas vaults.China, too, reduced its treasury holding by 9.3% to $688.7 billion during the year.

SoftBank trims stake in Ola Electric to 13.53% following open market sell-off

New Delhi.(Agency)

SoftBank, through its investment arm SVF II Ostrich (DE) LLC, has reduced its stake in Ola Electric Mobility Limited by 2.15%, according to a regulatory filing released today. The Japanese conglomerate offloaded nearly 94.6 million equity shares between September 3, 2025, and January 5, 2026, via open market transactions. After the sale, Softbank now holds 13.53% in Ola Electric.

This divestment marks the second significant stake reduction by SoftBank in the electric vehicle (EV) maker within six months.

The disclosure was triggered on January 5, 2026, when a final sale of 8.4 million shares caused the cumulative disposal to breach the 2% regulatory threshold mandated by SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations.The stake sale comes at a volatile time for Ola Electric. While the stock (currently trading at Rs 39.5) has struggled significantly —

trading nearly 73% below its post-listing high of ?157.40 and roughly 44% below its IPO price of ?76 —the first week of 2026 had shown signs of a rebound.Shares surged nearly 27% in early January as investors reacted to a reported business turnaround in December 2025. The company attributed a December rise in market share (reaching approximately 12% in the latter half of the month) to its new "Hyperservice" initiative, which aims to resolve long-standing service backlogs.Despite these operational gains, SoftBank's exit follows a similar move by founder Bhavish Aggarwal divested a 2.2% stake valued at more than Rs 324 crore in the company to repay personal loans. Aggarwal currently holds around 28% stake in the company.

Agri, dairy continue to be bone of contention between India and US

New Delhi.(Agency)

The US has been asking India to open up a couple of sensitive sectors – agriculture and dairy - as part of the bilateral trade agreement, and this is the primary reason for the two countries not able to close the bilateral trade talks, 'despite being very near to the closure', said a government source on Friday. The official further said that the US wanted India to open some part of the agricultural and dairy sector under trade agreement.

"We have been close to the deal several times. Most of the terms have been negotiated. But they asked to open some sectors which are protected in India, even if partially. Now, with a country where the majority of the livelihood is dependent on agriculture, we can't risk opening it," said the official. From India's end, there are no further demands that need to be addressed and thus, both the countries aim to have a mutually beneficial trade deal.Speaking on the All-In Podcast on January 8, 2026, US Commerce Secretary Howard Lutnick said the long-anticipated India–US trade agreement lost momentum after Prime Minister Narendra Modi did not personally reach out to then US President Donald Trump to close the deal. According to Lutnick, Washington saw the call as critical to finalising negotiations.

Reliance Jio Platforms plans 2.5% IPO this year, could be biggest ever in India

New Delhi.(Agency)

IReliance Jio Platforms is planning to sell 2.5% of its shares through an upcoming initial public offering (IPO) this year. According to a report, this could become India's largest-ever IPO, raising more than $4 billion.

In November, investment bank Jefferies estimated Jio's valuation at $180 billion. At this valuation, selling a 2.5% stake would raise about $4.5 billion. This would be bigger than Hyundai Motor India's $3.3 billion IPO in 2024.

The report, quoting sources, said the company prefers to list only 2.5% of its shares because of Jio's large size. Currently, Indian rules require companies to sell at least 5% in an IPO, but a proposal to reduce this limit to 2.5% for large companies is still waiting for approval from the finance ministry.As per the report, one source said Reliance would prefer to list 2.5% if the rules are changed, as a smaller share sale could help create better pricing. Some bankers are suggesting a valuation between $200 billion and $240 billion, but Reliance has not yet decided on a final valuation.

Reliance Jio Platforms, owned by

Mukesh Ambani, has over 500 million users and holds a 41.41% share of India's wireless subscriber market. Over the past six years, Jio has expanded into areas like artificial intelligence and has raised funds from global investors such as KKR, General Atlantic, Silver Lake, and the Abu Dhabi Investment Authority.

When contacted, the company declined to comment on the IPO plans.

It is still unclear whether the IPO will be an offer-for-sale, where existing shareholders sell their shares, or a fresh issue of new shares.The report also noted that in 2019, Mukesh Ambani had said Jio would be listed within five years. This year, Jio is also expected to face competition from Elon Musk's Starlink, which may launch its internet services in India in the coming months.

Although formal appointments have not yet been made, bankers from Morgan Stanley and Kotak are already working with Reliance on preparing the IPO documents, which is usually a lengthy process.

Big Blow For Homebuyers: RERA Rules Interest Is The Only Compensation For Project Delays

New Delhi.(Agency)

Homebuyers facing long delays in real estate projects cannot claim compensation beyond the legally prescribed interest for the delay period, the Punjab RERA has clarified in a recent order.The regulator stated that while developers are obligated to pay interest for delays in handing over possession, buyers are not entitled to additional monetary compensation unless they can prove specific financial losses caused by the delay.Punjab RERA observed that the Real Estate (Regulation and Development) Act, 2016, clearly defines the relief available to homebuyers in delayed projects. According to the law, interest payable for the period of delay is considered adequate compensation unless exceptional circumstances are established.The authority rejected the buyer's demand for extra damages, noting that general inconvenience, mental stress, or prolonged waiting cannot automatically translate into additional compensation under RERA provisions.Interest Is the Only Statutory Relief

Under Section 18 of the RERA Act, a homebuyer has two clear options in case of delay:

Withdraw from the project and claim a full refund with interest, orContinue with the project and receive interest for every month of delay until possession is handed over

Lemon Tree hotels unveils major restructuring, Warburg Pincus invests Rs 960 crore in Fleur Hotels

Under the scheme, hotel assets currently owned by Lemon Tree will be transferred to Fleur, which will become the group's dedicated vehicle for owning and developing properties.

New Delhi.(Agency)

In a strategic move aimed at unlocking long-term shareholder value and capitalising on India's hospitality boom, Lemon Tree Hotels Limited announced on Friday a comprehensive reorganization of its business and a significant investment from global private equity giant Warburg Pincus.The Board of Directors of Lemon Tree Hotels has approved a Composite Scheme of Arrangement designed to split the group into two distinct, high-growth platforms. Concurrently, Warburg Pincus, through its affiliate Coastal Cedar Investments B.V., will acquire APG Strategic Real Estate Pool N.V.'s entire 41.09% stake in Fleur Hotels Limited, a subsidiary of Lemon Tree. Furthermore, Warburg Pincus has committed to infuse up to Rs 960 crore of primary capital into Fleur to fuel its expansion.The restructuring plan, subject to regulatory and shareholder approvals, will result in transforming Lemon Tree Hotels Limited into a pure-play, asset-light hotel management, franchising, and digital brand platform, while evolving Fleur Hotels Limited from a subsidiary into a large-scale, growth-oriented hotel ownership and development platform, combining existing assets with a robust pipeline.Under the scheme, hotel assets currently owned by Lemon Tree will be transferred to Fleur, which will become the group's dedicated vehicle for owning and developing properties. Lemon Tree will then manage these assets under long-term agreements, focusing on growing its management and franchise network without the capital intensity of ownership.

A Renewed Partnership for Growth

This investment marks a reunion between Warburg Pincus and Lemon Tree, recalling the former's pivotal investment in 2006 that helped build the hotel chain into a national brand. The transaction involves the execution of a Share Purchase Agreement for the stake sale and a Shareholders' Agreement governing the fresh capital infusion.Post-reorganization and investment, Lemon Tree will be holding 41.03% in Fleur. Public shareholding of Lemon Tree will be 32.96%, and Warburg Pincus (26.01%). Fleur is slated for a separate listing on the National Stock Exchange (NSE) and Bombay Stock Exchange (BSE) within 12-15 months.Patanjali Govind Keswani, Founder of Lemon Tree, will serve as the Executive Chairman of Fleur Hotels and will eventually transition to a Non-Executive role at Lemon Tree. Commenting on the development, Keswani said the scheme aims to create a "simplified, transparent, and growth-oriented structure" to enhance shareholder value. He emphasized leveraging Warburg Pincus's global expertise to scale responsibly and embed sustainability into the group's growth journey.Anish Saraf, Managing Director at Warburg Pincus, praised Lemon Tree's pioneering role in India's mid-market hospitality sector and expressed confidence in supporting the platform's next chapter of growth amid favorable industry fundamentals.

Scale and market context

Post-transaction, Fleur will become one of India's largest hotel asset owners, with its portfolio expanding to 5,813 keys across 41 hotels from the current 3,993 keys across 24 hotels.Lemon Tree, meanwhile will continue to manage an extensive portfolio, including the Fleur-owned hotels and its existing third-party managed properties, totalling over 6,000 operational keys and a pipeline of more than 9,400 keys across 127 hotels in various development stages globally.

The Scheme's appointed date is set for April 1, 2026. It involves the merger of certain Lemon Tree subsidiaries and the demerger of 12 hotels (11 operational and one under construction) along with development capabilities into Fleur. Morgan Stanley acted as the exclusive financial advisor for the transaction.APG,

Can Biman Bangladesh avoid long detour to reach Karachi? India has the key

Following growing bonhomie between Pakistan and Bangladesh, direct flights between Dhaka and Karachi are set to resume from January 29, after over a decade. Since India and Pakistan have banned each other's aircraft from their respective airspaces, would New Delhi allow the Dhaka-Karachi air service to operate over its territory, amid strained India-Bangladesh ties?

New Delhi.(Agency)

Bangladesh's flag carrier Biman Bangladesh Airlines is set up to resume direct flights between Dhaka and Karachi, marking the end of the over-decade-long hiatus in non-stop air links between the two countries. The flight service, starting January 29, comes amid growing bonhomie between Bangladesh and Pakistan following the ouster of PM Sheikh Hasina in August 2024. Since India and Pakistan have banned their airspace for each other's aircraft, would New Delhi allow the Dhaka-Karachi flight over its territory, at a time when India-Bangladesh ties are at the lowest ebb?

If India doesn't allow overflying rights to Biman Bangladesh, the Dhaka-Karachi flight would have to circumnavigate the Indian peninsula. That would turn a three-hour, 2,300-kilometre journey into one of over 5,800 kilometres and nearly eight hours. Also, since India's Ministry of External Affairs on Friday said that the service would be dealt with as per existing agreements, the key ultimately lies in New Delhi's hands, it seems. Technically and legally, India holds the key.

On being asked about the Dhaka-Karachi flight services, Foreign Ministry spokesperson, Randhir Jaiswal said, "Yes, we have seen reports about flight connections between Bangladesh and Pakistan. Such issues will be dealt with as per the AThe bilateral agreement signed by both governments in 1978 governs air services between India and Bangladesh, including overflight rights, designated routes, and the conditions under which such permissions can be suspended.ir Services Agreement with Bangladesh".

AFTER HASINA'S FALL, NEW DELHI-DHAKA TIES SOURED, ISLAMABAD-DHAKA CAME CLOSER

After the fall of Hasina's regime in August 2024, ties between India and Bangladesh have been

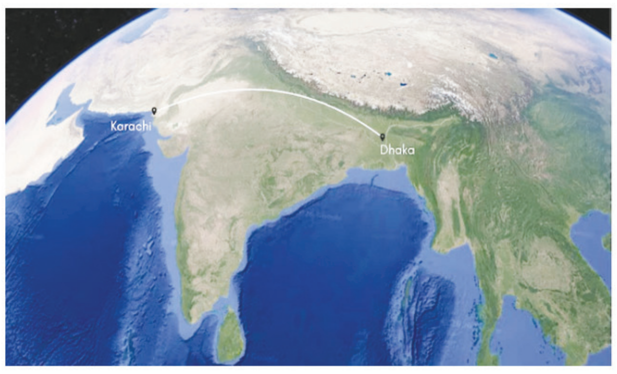

strained over various issues like border security, minority rights, and even over a political murder in Dhaka. Political leaders of Bangladesh, who led the Islamist-backed protests against Hasina, have repeatedly spewed venom on India, attacking its territorial integrity.

After Sheikh Hasina's ouster, a result of an Islamist plot, Bangladesh and Pakistan have strengthened ties through multiple high-level engagements. Interim regime's chief Muhammad Yunus met PM Shehbaz Sharif twice and Foreign Minister Ishaq Dar visited Dhaka. A 27% surge in bilateral trade between August and December 2024 followed by a 20% year-on-year increase by December 2025 was reported. They signed a memorandum on trade aiming for $1 billion in agreements and investments, according to The Diplomat, a Washington DC-based news magazine.

Military cooperation has also deepened. The Bangladeshi Air Force chief visited Pakistan last week and expressed interest in acquiring the China-Pakistan-made JF-17 fighter jets. He even met Pakistan's Chief of Defence Forces, Asim Munir. Forces of both nations participated in the Aman-25 maritime exercise.Direct sea trade resumed for the first time since 1971. Pakistani vessels have been provided with allowances at Mongla port. Visa relaxations have been made. Rahat Fateh Ali Khan performed in Dhaka.

Four AAP MLAs out for rest of Delhi Assembly winter session

New Delhi.(Agency)

Speaker Vijender Gupta on Friday suspended four Aam Aadmi Party (AAP) MLAs for the remaining period of the ongoing Winter Session of the Delhi Assembly for "disrupting" House proceedings.

In a statement, Gupta said, "due to the continuous disruption of the proceedings of the House and violation of its decorum, Opposition members (AAP) Som Dutt, Jarnail Singh, Sanjeev Jha and Kuldeep Kumar are suspended from the House for the rest of the Winter Session."

The Vidhan Sabha Secretariat said that the decision of the Speaker was exercised strictly to preserve the authority, order, and dignity of the House and in full conformity with the Rules of Procedure and Conduct of Business of the Delhi Legislative Assembly.

The AAP MLAs demonstrated inside the Assembly complex demanding immediate resignation of minister Kapil Mishra for sharing a video related to alleged insult of Guru Tegh Bahadur by Leader of Opposition Atishi.Raising slogans outside the House, AAP leaders urged the Speaker to cancel the BJP minister's membership, with Chief Whip Sanjeev Jha saying the misuse of Guru Sahib's name to defame LoP Atishi was unacceptable. The demonstration was led by AAP MLAs Jarnail Singh and Kuldeep Kumar.Meanwhile, Delhi BJP leaders and party workers also held a massive protest outside the AAP office against the alleged insult of Sikh Guru Guru Tegh Bahadur by Atishi. A large number of workers from the Delhi BJP's Sikh Cell also participated in the protest.BJP workers gathered at Windsor Place and marched towards the AAP office, raising slogans demanding Atishi's resignation and an apology from Arvind Kejriwal and Punjab CM Bhagwant Mann.

Op Sindoor exposed Pak failures, forced it to change Constitution: Defence chief

New Delhi.(Agency)

Pakistan's recent constitutional amendments reflect the failures it faced during Operation Sindoor, Chief of Defence Staff General Anil Chauhan said on Friday, suggesting that the neighbouring country rushed changes to address shortcomings exposed during the operation.

Addressing the Pune Public Policy Festival, General Chauhan said, "The changes which have been brought about in Pakistan, including the constitutional amendment done hurriedly, are actually an acknowledgement of the fact that everything didn't go well for them in this operation. They found a lot of shortcomings and deficiencies."

KEY STRUCTURAL CHANGES IN PAKISTAN'S DEFENCE SETUP

The amendment to Article 243 of Pakistan's Constitution has brought significant alterations to the country's

higher defence organisation. General Chauhan explained that the post of Chairman, Joint Chiefs of Staff Committee, intended to promote jointness among the three services, has been abolished. In its place, Pakistan has created the post of Chief of Defence Forces (CDF).However, he noted a critical limitation, "This post can be created only by the Chief of Army Staff, which goes against the basic principle of jointness."

Pakistan has also created a National Strategy Command and an Army Rocket Forces Command. "From both conventional and strategic standpoints, this may strengthen their capabilities. What they have essentially done is concentrate power by creating these new structures," the CDS said.General Chauhan added, "Today, the Army Chief will be responsible for land operations, joint operations with the Navy and Air Force through the CDF, as well as strategic and nuclear matters. The creation of the Rocket Forces Command adds another.

New fee regulation law curtails autonomy: Delhi's minority schools to HC; court refuses stay

New Delhi.(Agency)

After private unaided schools, minority schools in the Capital have challenged the Delhi School Education (Transparency in Fixation and Regulation of Fees) Act, 2025, which came into effect last month, primarily on the ground that it violates the autonomy guaranteed to the minority institutions under the Constitution. The High Court, however, yet again refused to stay the law, as it heard a bunch of petitions by the minority schools on Friday.

On Thursday, in response to a batch of petitions filed by the schools challenging the constitutional validity of the new school fee regulation law in the High Court, the Delhi Education department had agreed to extend the deadline for constituting the School-level Fee Regulation Committee (SLFRC) to January 20, instead of the earlier deadline of January 10.

The minority schools on Friday in their plea highlighted that the new law stipulates the constitution of 11-member SLFRC in such a manner that it consists of nine 'outsiders' — three teachers, five parents and one Directorate of Education (DoE) nominee. This "amounts to taking away management's right to fix the fee", they told the court. Senior advocate Romy Chacko, appearing on behalf of the schools, argued that under Article 30 of the Constitution, one of the basic rights minority schools have is the right to fix the fee. "Any statutory committee dealing with administration of a minority school cannot have outsiders," he said .

Adding that the law mandates unanimous agreement of all SLFRC members for the proposed fee, with even a single member's dissent leading to a veto over the proposal, Chacko told the division bench of Chief Justice DK Upadhyaya and Justice Tejas Karia, "It is like the United Nations Security Council… every member has right to veto."

Relying on judicial precedents set by the Supreme Court on the extent of rights of the managements of minority schools, the schools pointed out that the management of minority schools "must be free of control so that the founders or their nominees can mould the institution as they think fit and in accordance with their ideas as to how interest of the community and the institution will be best served".

The schools have contended that the source of income for all unaided schools is the fee provided by the students which is used by the schools to meet the expenses, including salaries and other expenses incurred by the school, and "if it does not have the freedom to decide the fee structure of the school", the management will not be able to administer the school.

Delhi government believes in delivering, not in staging protests: CM Rekha Gupta

New Delhi.(Agency)

Chief Minister Rekha Gupta on Friday presented a detailed, data-driven account of her government's performance over the past 11 months in the Delhi Legislative Assembly, while sharply attacking the previous Aam Aadmi Party (AAP) government for what she described as years of mismanagement, failures and corruption.

Participating in the discussion on the 'Motion of Thanks' to Lieutenant Governor VK Saxena's address during the Winter Session, Gupta said the L-G's speech was not a routine constitutional exercise but a clear roadmap for a new governance model in Delhi.

She said the government was moving away from "confrontational politics towards coordination, accountability and outcome-based governance". Gupta told the House that for the first time in years, the Centre, the Lieutenant Governor, the

Municipal Corporation of Delhi and other agencies were working in coordination rather than in conflict.

"Our government believes in delivering, not in staging protests," she said, adding that decisions were now focused on implementation and public service rather than announcements and political noise.

During her speech, the CM became emotional and said the opposition was deliberately targeting her over a "human error". She alleged that the "Opposition was unable to accept the fact that DelHighlighting the ideological framework of her government, Gupta said it draws inspiration from Mahatma Gandhi's concept of Sarvodaya, Pandit Deendayal Upadhyaya's philosophy of Antyodaya and Atal Bihari Vajpayee's nationalism, while working to realise Prime Minister Narendra Modi's vision of "Viksit Bharat, Viksit Delhi".hi now has a woman Chief Minister".

Delhi Education Minister calls for stronger links between college campuses & market

Nearly 45% of Indian startups are led by women, Sood said calling entrepreneurship an effective tool for social and economic transformation.

New Delhi.(Agency)

The Delhi government on Friday launched the Delhi Startup Yuva Festival 2026 at Netaji Subhas University of Technology, with Education Minister Ashish Sood describing students as key drivers of innovation and calling for stronger links between campuses and markets.Addressing students, mentors and industry representatives, Sood said universities are no longer limited to academic instruction and are increasingly emerging as centres of entrepreneurship and innovation.

Referring to India's startup ecosystem, the minister said the country had a limited presence in the sector before 2014, but has since witnessed rapid growth. India now has close to 125 unicorns and over 1.97 lakh DPIIT-recognised startups, making it the world's third-largest startup ecosystem, attributing the expansion to policy-driven reforms.

Nearly 45% of Indian startups are led by women, Sood said calling entrepreneurship an effective tool for social and economic transformation. He said women-led enterprises have contributed to wider community development by generating employment and promoting inclusive growth.

The minister said the Delhi government, under CM Rekha Gupta is working to position the capital as a hub for student-led innovation. He added that the Startup Yuva Festival would be developed into an annual platform bringing together educational institutions, mentors, investors and industry stakeholders.According to the minister, over 75,000 students are currently participating in Delhi government-supported entrepreneurship programmes, with an annual growth rate of around 30%. More than 470 startups are being incubated across sectors such as healthcare, sustainability and manufacturing, he said, adding that early-stage startups are generating four to five jobs in their first year.

Now, get full court fee refund in Delhi even for private settlements: How this could benefit litigants

New Delhi.(Agency)

On Tuesday, the Delhi Legislative Assembly passed an amendment to the Court Fees Act, 1870, under which litigants will now get full refund of court fees for disputes settled outside the court.

Matters which are settled out of court are dealt with under Section 89 of the Code of Civil Procedure. "Where it appears to the Court that there exist elements of a settlement which may be acceptable to the parties, the Court shall formulate the terms of settlement and give them to the parties for their observations and after receiving the observations of the parties, the Court may reformulate the terms of a possible settlement and refer the same for arbitration, conciliation, judicial settlement including settlement through Lok Adalat or mediation," the section reads.

Under the new amendment, a full refund of court fees would be provided in all cases where the court has referred the parties to Alternative Dispute Resolution (ADR) mechanisms mentioned under Section 89. Along with this, cases of private settlement that are not covered under Section 89 would also be eligible for a full refund.

What was the fee structure prior to the amendment?

Prior to the amendment, two distinct regimes of refund of court fees operated in Delhi. Where settlement occurred following a court-referred alternative dispute resolution process under Section 89, the litigant was entitled to a full refund of the court fee. However, when parties settled the dispute by mutual agreement outside such court-referred mechanisms, the refund was limited to 50 per cent.

Prior to the amendment, Section 16, titled "refund of fee" of the Court Fees Act, 1870, read: "Where the court refers the parties to the suit to any one of the mode of settlement of dispute referred to in section 89 of the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), the plaintiff shall be entitled to a certificate from the court authorising him to receive back from the collector, the full amount of the fee paid in respect of such plaint."

In 2010, Section 16A was inserted to extend the benefit of a 50 per cent refund of court fees in cases where parties settle disputes amicably outside formal ADR mechanisms.

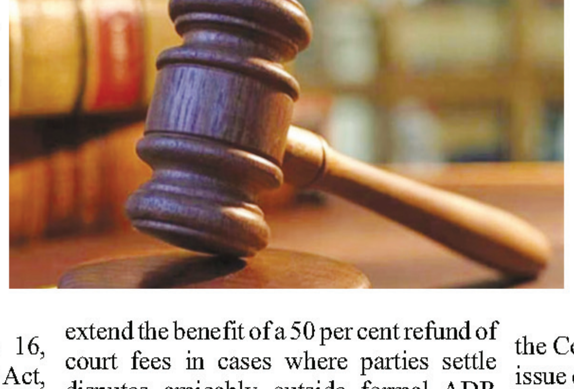

Under the new amendment, Section 16A has been omitted. On the other hand, Section 16 has been amended to read: "Where the parties to a suit or appeal, at any stage of such suit or appeal, settle their dispute amicably, with or without the intervention of the Court and with or without invoking any of the modes of settlement of dispute, referred to in section 89 of the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908) and the said suit or appeal is disposed of as settled by the court, the plaintiff shall be entitled to a certificate from the Court authorising him to receive back from the collector, the full amount of the fee."

What are the fees that applicants have to pay?

The Court Fees Act in Delhi lists out the fee schedule. For instance, petitions filed under Article 226 of the Constitution (Power of High Courts to issue certain writs) at the Delhi High Court have a court fee of Rs 100, and petitions seeking execution or enforcement of any judgment or decree by any court before the Delhi High Court attract a court fee of Rs 1,000.

NEWS BOX

Nicolas Maduro Rejected Asylum Offers While US Planned His Capture: Report

NEW YORK. (Agency)

International efforts to secure a safe exit for Venezuelan President Nicolas Maduro reportedly failed before he was captured by US forces, according to a report.

On Christmas Eve, an urgent diplomatic moment happened at the Vatican. Cardinal Pietro Parolin, the Vatican's Secretary of State and a seasoned diplomatic mediator, called in the US ambassador to the Holy See, Brian Burch, according to government documents obtained by The Washington Post. Parolin sought clarity on the Donald Trump administration's plans in Venezuela. He reportedly asked if the US would target only drug traffickers or if regime change was the ultimate objective.The cardinal had spent days trying to contact Secretary of State Marco Rubio to prevent further destabilisation in Venezuela. During his discussion with Burch, he indicated that Russia was prepared to offer asylum to Maduro.

"What was proposed to (Maduro) ws that he would go away, and he would be able to enjoy his money. Part of that ask was that (President Vladimir) Putin would guarantee security," said a person familiar with the Russian offer.The offer went unheeded. A week later, American Special Operations forces seized Maduro and his wife in a raid, flying them to New York to face drug trafficking charges.According to The Washington Post, the Vatican meeting is one of several previously unreported efforts by the Americans and intermediaries, Russians, Qataris, Turks, the Catholic Church and others to find a safe harbour for Maduro ahead of the US operation.

"It is disappointing that parts of a confidential conversation were disclosed that do not accurately reflect the content of the conversation itself, which took place during the Christmas period," the Vatican press office told The Post.Documents and interviews with nearly 20 officials reveal extensive international attempts to guide Maduro into exile and avoid military intervention. These included repeated offers for him to leave Venezuela, but the former bus driver turned president consistently rebuffed them.

Hindu Farmer Shot Dead By Land Owner In Pakistan, Minority Groups Protest

JACKSON. (Agency)

A Hindu farmer was shot dead by a land owner in Pakistan's Sindh province earlier this week, sparking huge protests by the minority groups in the country.

According to reports, the accused - identified as Sarfaraz Nizamani, a feudal lord, shot the Hindu farmer tenant, Kailash Kolhi, in his chest. He died on the spot.

The reason behind the murder is not yet known.

Many Hindu minority and human rights groups have been leading massive protests against the Pakistani federal and local government in Sindh. They are demanding the arrest of the accused and a case to be registered against him under the charges of murder and terrorism. The groups are also demanding complete protection for the family of the victim.

"Emergency measures must be taken across Sindh to ensure the protection of life," the protesting groups said.Shiva Kachhi, chairman of the minority rights organisation Pakistan Darawar Ittehad, strongly condemned the killing and called it a "brutal and cold-blooded murder"."The blood of Kailash Kolhi demands justice from all of us. This is not just the murder of one individual, but an attack on humanity, justice, and the fundamental rights and safety of minorities in Sindh. Our struggle will continue until the perpetrators are brought before the law and justice is served," he wrote in a post on X.

This comes days after the Pakistan Foreign Minister lectured India on minority rights while criticising the demolition drive near the Faiz-e-Elahi Mosque in Delhi's Turkman Gate area. India had rejected Pakistan's remarks, calling them "abysmal".

JD Vance, Tulsi Gabbard Excluded From Maduro Plan? What US Vice President Said

MINNEAPOLIS. (Agency)

The White House excluded Director of National Intelligence Tulsi Gabbard from months of planning to oust Nicolas Maduro because her previous opposition to military action in Venezuela cast doubt on her willingness to support the operation, people familiar with the matter said.

The move to cut Gabbard out of the meetings was so well-known that some White House aides joked that the acronym of her title, DNI, stood for "Do Not Invite," according to three of the people. They asked not to be identified discussing private conversations. A White House official denied there was any such joke.As a Democratic congresswoman in 2019, Gabbard said the US needs to "stay out" of Venezuela, and as recently as last month she railed against "warmongers" pushing the US into conflict.

The exclusion was the latest evidence of long-running tension over Gabbard's role in the Donald Trump administration, and has underscored how the president's decision to oust Maduro — despite campaigning against starting new wars — has widened fissures not only among his MAGA supporters but also within his team.Vice President JD Vance labeled as "false" the notion that he or Gabbard have been left out of the operation's planning. White House Communications Director Steven Cheung said Trump "has full confidence in DNI Gabbard and she's doing a fantastic job."We're all part of the same team," Vance told reporters at the White House on Thursday. "One of the things that is really amazing about that operation is that we kept it very tight to the senior Cabinet level officials and related officials in our government and we kept this operation secret for a very long time."A senior intelligence official pushed back against the characterization that Gabbard had been excluded, saying she provided intelligence that helped the overall mission, even if it was less operational and more analytical.

At least four dead, dozens missing after massive trash heap collapse in Philippines

Rescuers were now facing the danger of further collapse as they navigated the wreckage, Cebu rescuer Jo Reyes told AFP on Saturday.

PHILIPPINES . (Agency)

Hard hat-wearing rescue workers and backhoes dug through rubble in search of survivors on Saturday in the shadow of a mountain of garbage that buried dozens of landfill employees in the central Philippines, killing at least four.About 50 sanitation workers were buried when refuse toppled onto them Thursday from what a city councillor estimated was a height of 20 storeys at the Binaliw Landfill, a privately operated facility in Cebu City.

Rescuers were now facing the danger of further collapse as they navigated the wreckage, Cebu rescuer Jo Reyes told AFP on Saturday."Operations are ongoing as of the moment. It is continuous. (But) from time to time, the landfill is moving, and that will temporarily stop the operation," she said."We have to stop for a while for the safety of our rescuers."Information from the disaster site has been emerging slowly, with city employees citing the lack of signal from the dumpsite, which serviced Cebu and other surrounding communities.

Joel Garganera, a Cebu City council member, told AFP that as of 10:00 am (0200 GMT), the death toll from the disaster had climbed to four, with 34 still missing.

The four casualties were inside the facility when it happened… They have these staff houses inside where most people who were buried stayed," he said."It's very difficult on the part of the rescuers, because there are really heavy (pieces of steel), and every now and then, the garbage is moving because of the weight from above," Garganera said."We are hoping against hope here and praying for miracles," he said when asked about the timeline for rescue efforts."We cannot just jump to the retrieval (of bodies), because there are a lot of family members who are within the property waiting for any positive result."

At least 12 employees have so far been pulled alive from the garbage and hospitalised.

'Alarming' height

"Every now and then when it rains, there are landslides happening around the city of Cebu ... how much more (dangerous is that) for a landfill or a mountain that is made of garbage?" Garganera said in a phone call with AFP."The garbage is like a sponge, they really absorb water. It doesn't (take) a rocket scientist to say that eventually, the incident will happen."Garganera described the height from which the trash fell as "alarming", estimating the top of the pile had stood 20 storeys above the area struck.Drivers had long complained about the dangers of navigating the steep road to the top, he added.Photos released by police on Friday showed a massive mound of trash atop a hill directly behind buildings that a city information officer had told AFP also contained administrative offices.

Garganera noted that the disaster was a "sad, double whammy" for the city, as the facility was the "lone service provider" for Cebu and adjacent communities.

The landfill "processes 1,000 tons of municipal solid waste daily", according to the website of its operator, Prime Integrated Waste Solutions.

Iranians protest for 13th day amid internet blackout; Trump warns US could strike

JERUSALEM. (Agency)

Iranians took to the streets in new protests Friday to press the biggest movement against the Islamic republic in more than three years, as authorities sustained an internet blackout as part of a crackdown that has left dozens dead.Protests have taken place across Iran for 13 days in a movement sparked by anger over the rising cost of living that is now marked by calls for the end of the clerical system that has ruled Iran since the 1979 Islamic revolution which ousted the pro-Western shah.In Tehran's Sadatabad district, people banged pots and chanted anti-government slogans including "death to Khamenei", in reference to supreme leader Ayatollah Ali Khamenei, as cars hooted in support, a video verified by AFP showed.Other social media images showed similar protests elsewhere in Tehran, while videos published by Persian language television channels based outside Iran showed large numbers taking part in new protests in the eastern city of Mashhad, Tabriz in the north and the holy city of Qom.These protests followed giant demonstrations on Thursday that were the biggest in Iran since the 2022-2023 protest movement sparked by the custody death of Mahsa Amini, who had been arrested for

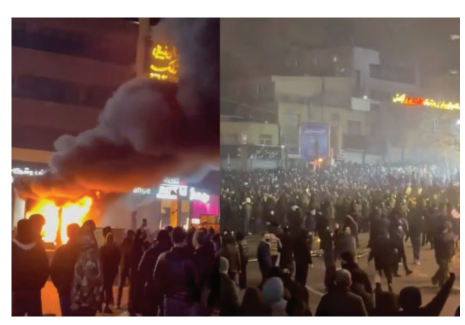

allegedly violating the dress rules for women.The rallies came as internet monitor NetBlocks said authorities imposed a "nationwide internet shutdown" for the last 24 hours that was violating the rights of Iranians and "masking regime violence".Amnesty International said the "blanket internet shutdown" aims to "hide the true extent of the grave human rights violations and crimes under international law they are carrying out to crush" the protests.

Norway-based NGO Iran Human Rights, raising a previous toll of 45 issued the day earlier, said at least 51 protesters, including nine children, have been killed by security forces and hundreds more injured.Stained with blood'

In his first comments on the escalating protests since January 3, Khamenei on Friday called the demonstrators "vandals" and "saboteurs".Khamenei, in a speech broadcast on state TV, said US President Donald Trump's hands "are stained with the blood of more than a thousand Iranians", in apparent reference to Israel's June war against the Islamic republic, which the US supported and joined with strikes of its own.He predicted the "arrogant" US leader would be "overthrown" like the imperial dynasty that ruled Iran up to the 1979 revolution.

"Everyone knows the Islamic republic came to power with the blood of hundreds of thousands of honourable people, it will not back down in the face of saboteurs."

Japanese Man Arrested Under 1889 Duelling Law After Fatal Fight Over Board Game

DUBA . (Agency)

A Japanese man has been arrested under a 1889 law that bars duelling in the country. Fuzuki Asari, 26, arranged a duel with 30-year-old Naoya Matsuda in a public square last year after the two had a fallout over a board game. Matsuda, who was hurt badly during the brawl, was taken to the hospital and died from organ failure caused by brain damage three weeks later.The Tokyo Metropolitan Police stated that Asari conspired with a male Mongolian national to challenge Matsuda on a sidewalk in the Kabukicho red-light district. During the fight, Asari allegedly threw Matsuda to the ground. It has not been specified whether any weapons were involved in the fight.

According to a report in The Japan Times, the 1889 anti-duelling law states that "anyone who has engaged in a duel shall be punished by imprisonment for no less than two years and no more than five years". Though there is no written definition of a duel, a Supreme Court ruling defined it as "an act of combat in which the parties mutually agree to inflict physical or life-threatening violence".

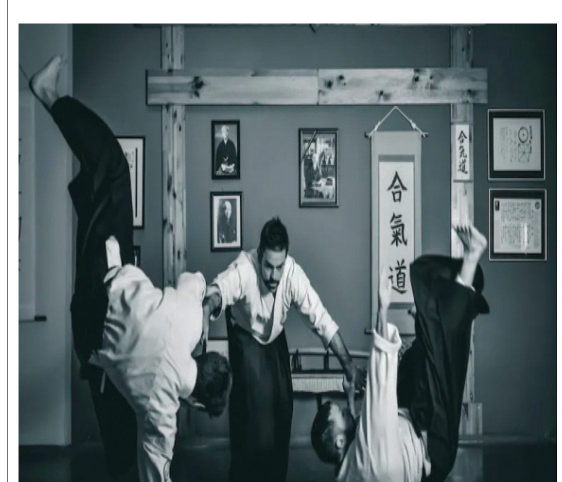

Apart from being charged under the anti-duelling law, Asari could also be charged for causing death from involuntary injury under Japan's criminal law, which carries a prison sentence of at least three years. The Mongolian man who was at the scene and incited the duel has already been deported for illegal residence.

Previous Instances

Japan's 137-year-old anti-duelling law is rarely enforced in modern times. Despite this, a recent and unusual case occurred in October last year, when a high school student and an adult man were arrested on suspicion of duelling in a prefecture north of Tokyo.

Historically, duelling was a tradition among the samurai class during Japan's Edo period, but this practice became increasingly subject to regulation over time.

Trump repeats stopping India-Pak conflict claim, says he deserves Nobel; Obama 'did nothing to earn it'

World. (Agency)

US President Donald Trump has once again claimed that he stopped a conflict between India and Pakistan, saying "no one in history is more deserving" of the Nobel Peace Prize than him, while sharply criticising former president Barack Obama for receiving the award despite having "done nothing".

Trump made the remarks during a meeting at the White House on Friday with oil and gas executives, where discussions focused on plans related to Venezuelan oil reserves. During the interaction, he reiterated his claim that eight jets were shot down during the India-Pakistan conflict in May last year, without clarifying which side suffered the losses."Look whether people like Trump or don't like Trump, I settled eight wars, big ones," Trump said, adding that some of these conflicts had lasted between 25 and 36 years. Referring to India and Pakistan, he said the two countries were "just getting ready to start" a war, during which "already eight jets were shot out of the air".The US president also said Pakistan Prime Minister Shehbaz Sharif, who visited Washington last year, had credited him with saving millions of lives by stopping the conflict between the tw nuclear-armed neighbours.This was the second time in as many days that Trump publicly claimed credit for halting the India-Pakistan standoff.

He has repeatedly made this assertion since May 10 last year, when he announced on social media that India and Pakistan had agreed to a "full and immediate" ceasefire after a "long night" of talks he said were mediated by Washington.India has consistently rejected claims of third-party mediation. New Delhi has maintained that the understanding to end hostilities was reached bilaterally after four days of intense cross-border drone and missile strikes.

India launched Operation Sindoor on May 7 last year, targeting terror infrastructure in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir, in retaliation for the April 22 Pahalgam attack that killed 26 civilians. India and Pakistan reached an understanding on May 10 to end the conflict.

Trump said that since returning to office, he had stopped eight wars within eight months of his second term, arguing that a Nobel Peace Prize should be awarded for "every war you stopped".

Wife of Minnesota woman killed in ICE shooting: 'We had whistles. They had guns'

WASHINGTON .(Agency)

The wife of Renee Good, the woman shot and killed in her car by a federal immigration agent in Minneapolis, says the couple had stopped to support their neighbors on the day of the shooting and described the mother of three as leaving a legacy of kindness."We had whistles. They had guns," Becca Good said in a written statement Friday that was provided to Minnesota Public Radio.The statement was her first pblic commet about the death of Renee Good, 37, who was killed Wednesday after three Immigration and Customs Enforcement officers surrounded her Honda Pilot SUV on a snowy street a few blocks from the couple's home. Video taken by bystanders show an officer approaching the SUV stopped across the middle of the road, demanding the driver open the door and grabbing the handle.The vehicle begins to pull forward and a different ICE officer standing in front of it pulls his weapon and immediately fires at least two shots at close range, jumping back as the vehicle moves toward him.

Trump administration officials have painted Renee Good as a domestic terrorist who tried to run over an officer with her vehicle. State and local officials in Minneapolis, as well as protesters, have rejected that characterization.Becca Good has not responded to calls and messages from The Associated Press. Her statement provided no further detail about the day of the shooting and instead focused on memorializing her wife.The couple had only recently moved to Minneapolis and were raising Renee Good's 6-year-old son from a previous marriage.Becca said Renee was a Christian who "knew that all religions teach the same essential truth: we are here to love each other, care for each other, and keep each other safe and whole."She thanked the people all across America and the world who had reached out in support of their family."Renee sparkled. She literally sparkled," Becca Good wrote. "I mean, she didn't wear glitter but I swear she had sparkles coming out of her pores. All the time. You might think it was just my love talking but her family said the same thing. Renee was made of sunshine."Far from the worst-of-

the-worst criminals President Donald Trump said his immigration crackdown would target, Good was a U.S. citizen born in Colorado who apparently was never charged with anything beyond a single traffic ticket.In social media accounts, she described herself as a "poet and writer and wife and mom." She said she was currently "experiencing Minneapolis," displaying a pride emoji on her Instagram account. A profile picture posted to Pinterest shows her smiling and holding a young child against her cheek, along with posts about tattoos, hairstyles and home decorating.Her ex-husband, who asked not to be named out of concern for the safety of the two now-teenage children he had with Renee Good while they were married, told the AP on Wednesday that he had never known her to participate in a protest of any kind.Becca Good said the couple, who had previously lived in Kansas City, Missouri, had settled in Minneapolis after an "extended road trip." She said people they encountered in the Twin Cities had provided a strong sense that "they were looking out for each other.""We were raising our son to believe that no matter where you come from or what you look like, all of us deserve compassion and kindness," Becca wrote. "I am now left to raise our son and to continue teaching him, as Renee believed, that there are people building a better world for him.

NEWS BOX

HIL: TN Dragons sign off home leg with shootout win

CHENNAI. (Agency)

HOSTS Accord Tamil Nadu Dragons rounded off their home leg with a thrilling shootout win against SG Pipers in the Hockey India League at the Mayor Radhakrishnan Stadium here on Friday. In the shootout, the Pipers converted four of their five attempts, that too via penalty strokes after repeated fouls by the Dragons' goalkeeper Prince Deep Singh. The Dragons still managed to secure a bonus point as they scored all five of their shots. Amit Rohidas (9'), Tom Craig (18'), Paul Philipp Kaufmann (17'), and Selvaraj Kanagaraj (40') scored a goal each for the Dragons, while Tomas Domene (13', 18'), Ky Willott (38'), and Aditya Lalage (59') netted goals for the Pipers in regulation time.

Earlier in the day, Harmanpreet Singh notched up the stroke into the left past Bikramjit Singh to help JSW Soorma Hockey Club beat Hyderabad Toofans 3-1 in the penalty shootout after a 1-1 draw in regulation time. Harmanpreet led by example and once again showed that there is no substitute for experience. Both sides were error prone and failed to convert the opportunities they got and thus the game stretched into the shootout where Soorma HC held on to their nerves to earn their first points.If errors ensured a 1-1

draw, the same crept into the shootout also to the dismay of both the teams. Toofans' Zachary Wallace, Arshdeep Singh and Rajinder Singh were denied by Vincent Vanasch. For Soorma, Victor Wegnez and Gurjant Singh were off their mark with their efforts.The Toofans began the match in earnest with Wallace and Jacob Anderson trying to make inroads into the opposition den.Anderson came close to scoring one but was rudely blocked by Della Torre Nicholas. For Soorma, Vivek Sagar Prasad and Harmanpreet tried to sound the board, but Bikramjit Singh's defence and presence of mind was too good for them.The breakthrough came in the 20th minute when Pawan Rajbhar's skill sets in the circle got Soorma a corner, which Harmanpreet delivered in his inimitable style. Soorma nearly doubled its lead in the same minute as Jeetpal and Akashdeep Singh combined to win the ball back merely seconds after push back. Jeetpal got the final shot, which crept inches wide of the far post.

Women's Hockey India League final: SG Pipers hope to end Bengal Tigers jinx

A new champion is all set to be crowned in the Women's Hockey India League as SG Pipers square off against the Shrachi Bengal Tigers in Ranchi on Saturday, January 10. The top teams delivered tight contests earlier on in the season.

New Delhi. (Agency)

The second season of the Women's Hockey India League comes to an end on Saturday, January 10 with the SG Pipers taking on the Shrachi Bengal Tigers in what is expected to be a close contest. The Pipers witness a revival under the Sofie Gierts and Navneet Kaur regime as they went from finishing last in season one to being the first team to qualify for the final.The Delhi-based franchise finished at the top of the table with 11 points as they have had no issues with getting goals this season. They're the second-highest goalscorers this season with 11 to their name and Navneet scoring four of them. They have also got the second-best defence this season, having conceded just nine.

Navneet said that the on-field chemistry has improved this season with the addition of some more experienced players to their ranks."Last season, on-field connection was not good. We had many young players. This season, we focused on getting experienced players so that there is good connection in every line — defence, midfield and attack. We started planning right after last season ended about what kind of team we wanted. That is the biggest difference and the result is that we are on top this season," said Navneet.For the Bengal Tigers, there has been a dependence on penalty corner specialist Agustina Gorzelany, who has scored five out of the seven goals scored by the team. Despite this, captain Vandana Katariya feels that the team has improved with each game.

"From the start, our coach's message was clear - he wanted us to fight for the title. He won it in the Men's league last season and his aim was to achieve the same with us. So, that's the mindset we've played with throughout the season. We've improved game by game, and now it's about staying consistent. As a team, we've bonded tightly through team meetings, understanding each other's game. Now, all our focus is on becoming champions," said Katariya.

With the Women's HIL set to crown a new champion, Ranchi is ready for an instant classic on the hockey field.

PV Sindhu's Malaysia Open run ends in semi-final loss to world No. 2 Wang Zhi Yi

PV Sindhu's encouraging return ended in disappointment at the Malaysia Open. Despite strong leads in both games, the Indian star faltered at key moments, falling to world No. 2 Wang Zhi Yi in the semis.

NEW DELHI. (Agency)

India's two-time Olympic medallist PV Sindhu came close to scripting a statement run at the Malaysia Open, but her campaign ended in the semi-finals after a straight-game loss to world No. 2 Wang Zhi Yi on Saturday.Returning to competitive action after a foot injury that had kept her out since October, Sindhu showed encouraging signs throughout the week but was unable to sustain the intensity against the higher-ranked Chinese shuttler, going down 16–21, 15–21 in the women's singles last-four clash.Sindhu started brightly, taking the initiative early with her trademark power and reach. She surged to a quick lead in the opening game, using sharp angles and

cross-court smashes to put Wang under pressure. However, the Chinese player gradually settled into the contest, relying on her solid defence and timely counter-attacks to draw level and then edge ahead.As the rallies wore on, Sindhu's unforced errors began to creep in, particularly at the net and along the backline. Wang capitalised by raising the tempo, pinning Sindhu deep and forcing hurried lifts, which swung the momentum firmly in her favour. From a closely fought mid-phase, Wang pulled away late to close out the first game.The second game followed a similar script. Sindhu recovered from a tentative start to take control midway, pushing Wang to the corners and opening up a commanding lead at the interval. But once again, the advantage proved difficult to protect. Wang came out aggressively after the break, attacking the backhand side and turning defence into offence as Sindhu struggled to regain control.A series of tight net exchanges and missed opportunities proved costly for the Indian, allowing Wang to seize the initiative and race ahead. Sindhu's rhythm deserted her in the closing stages, and the Chinese shuttler wrapped up the match to book her place in the final.

While the result ended India's campaign at the tournament, with Lakshya Sen, Ayush Shetty, and doubles stars Satwiksairaj Rankireddy and Chirag Shetty also exiting, Sindhu's performance stood out as a positive as she continues her push towards full fitness.

Kylian Mbappe lands in Saudi Arabia ahead of El Clasico Super Cup final vs Barcelona

NEW DELHI. (Agency)

Kylian Mbappe has arrived in Saudi Arabia ahead of the Spanish Super Cup final, raising anticipation ahead of another chapter in the iconic El Clsico between Real Madrid and FC Barcelona.Mbappe confirmed his arrival with a brief post on social media platform X, greeting fans with a "Salam Alaikoum" as Madrid landed in Jeddah for the Supercopa de Espaa 2025–26 final, scheduled for January 12 at King Abdullah Sports City. While the French forward has been nursing a knee injury for several weeks, his presence in Saudi Arabia has fuelled speculation that he could still play a role in the final.Madrid earned their place in the summit clash after edging past Atletico Madrid in a tense semi-final, while Barcelona stormed into the final with a commanding 5–0 win over Athletic Club. The contrasting paths have set the stage for a high-stakes showdown between Spain's fiercest rivals.Mbappe's fitness has been a major talking point. The forward has been sidelined since late December after suffering a ligament sprain in his left knee, an injury confirmed by the club on the final day of 2025. He subsequently missed Madrid's recent competitive fixtures, including the semi-final against Atletico, as he followed a carefully managed recovery programme in the Spanish capital.owever, Madrid head coach Xabi Alonso struck an optimistic note after the derby win, revealing that Mbappe has trained and is responding well. Alonso suggested that the forward will be assessed like any other squad member ahead of the final, leaving the door open for a potential return on the biggest stage."He is much better, he has trained and the sensations are good. The options for him to play are the same as everyone else who is available," Xabi said.In Mbappe's absence against Atletico, Madrid found inspiration elsewhere. Federico Valverde delivered the decisive moment, unleashing a thunderous strike just two minutes into the match to break the deadlock. His energy, intensity and all-round influence proved vital in a contest decided by narrow margins, earning high praise from Alonso afterward.

Fame vs freedom: Stop questioning why Virat Kohli chooses to stay in London

New Delhi. (Agency)

As a young boy in West Delhi, Virat Kohli likely dreamt of the very scenes that unfolded in Vadodara this week. He would have craved the recognition, the chanting of his name, and the eyes of a nation fixed on his every move. But fame is a trick of the light: what looks like a spotlight from a distance feels like a furnace up close.

Decades later, the man who went on to conquer the world of cricket finds himself grappling with the weight of his own success. The adulation he once aspired to has gradually turned into a relentless, boundary-less presence, where even routine public appearances become overwhelming. It reflects a familiar irony of elite sport — spending the early years striving to be noticed, and the second half trying to disappear.Recently, Virat Kohli was accorded an overwhelming welcome in Vadodara ahead of the ODI series against New Zealand, starting January 11.Kohli,

now largely settled in London with his family, divides his time between England and India, with cricketing commitments accounting for most of his visits home.

Given his limited public appearances in India, every sighting of the former India captain triggers frenzy among fans eager to catch a glimpse of the global cricketing icon. The moment the superstar stepped into the airport premises, it descended into chaos. The noise hit the roof, the crowd erupted, and emotions spilled over as fans struggled to contain their excitement.

MOBBED IN VADODARA

In a video that soon went viral, Kohli was seen navigating through a sea of people, with his security personnel forming a human chain to shield him from the uncontrolled crowd. There was visible pushing and shoving as fans strained to get closer to their cricketing hero. Several individuals were even seen attempting to touch Kohli, only to be restrained by security officials. Despite the turmoil surrounding him, the India batter appeared composed, quietly absorbing the love and adulation he continues to receive across the country. While his calm demeanour stood out, the unrestrained outburst from the crowd once again highlighted how fans often overstep boundaries when encountering celebrities in India.

WHAT KOHLI YEARNS FOR

Kohli has frequently faced criticism for choosing to settle abroad despite achieving his stature and success in India.

Shubman Gill out to stamp his authority in 2026 after tough start as India captain

NEW DELHI. (Agency)

Virat Kohli has ended a streak that lasted nearly three years. Just days ahead of the ODI series opener against New Zealand in Vadodara, the former India captain shared photos from a training session at Kotambi Stadium on Instagram.

So, what's the big deal?

It is this: Kohli has posted images from a

training session on his Instagram page for the first time since the 2023 World Test Championship final.The star batter shared three photographs in total — one showing him striking the ball in the nets, another capturing him taking part in running drills alongside his teammates, and a third where he is seen walking towards the training ground with his kit bag.For Kohli and his fans, it marears, chosen to limit his posts to a select few themes — making this latest training updte all the more notable.

THE T20I STRUGGLE AND THE WORLD CUP SNUB

The turning point came with Gill's omission from the T20 World Cup 2026 squad. It was a surprise decision and one that caught many off guard, including Gill himself. For a batter long considered an all-format certainty, being left out of a global tournament sent a clear message.Since the Asia Cup in 2025, Gill had been given a long run in T20 internationals. The team management backed him to settle into the format and make it his own. While there were flashes of quality, consistency remained elusive. Gill often looked caught between anchoring the innings and accelerating, unsure of his exact role.In T20Is, impact matters more than elegance. Gill's returns, though not poor, failed to stand out. Over time, doubts grew about whether his natural game was suited to the demands of the format at the highest level. The World Cup snub was harsh, but it reflected those concerns.

WPL 2026: Delhi Capitals begin Jemimah Rodrigues era against battered Mumbai Indians

Delhi Capitals start their Women's Premier League 2026 (WPL 2026) campaign against defending champions Mumbai Indians. DC will be led by a new captain this season in Jemimah Rodrigues.

New Delhi. (Agency)

After three successive heartbreaks, Delhi Capitals (DC) will embark on a fresh start to their Women's Premier League 2026 (WPL 2026) campaign as they take on defending champions Mumbai Indians (MI) in their opening fixture on Saturday, January 10, at the Dr DY Patil Sports Academy, Navi Mumbai.Much has changed for Delhi since last season, with the most significant development being a change in leadership. Jemimah Rodrigues has been handed the captaincy following Meg Lanning's exit. The right-handed batter is currently at the zenith of her professional career, buoyed by her recent World Cup success.

The three-time runners-up added considerable firepower to their squad at the auction, acquiring the services of last season's sensation Chinelle Henry and South Africa star Laura Wolvaardt. Meanwhile, the spin department has been strengthened with the inclusion of Sneh Rana alongside Shree Charani.Delhi have shown faith in most of their former players, re-signing them at the auction, and will be aiming for a rollicking start to their campaign under Jemimah's leadership. On the other hand, Mumbai will be ruing their defeat in the opening fixture against Royal Challengers Bengaluru (RCB).The Harmanpreet Kaur-led side had complete control of the match for the majority of the contest, with RCB reeling at 65/5 while chasing 155. However, Nadine de Klerk's clutch knock of 63* off 44 balls snatched

victory from the jaws of defeat for the 2024 champions. MI have plenty to rectify ahead of their second fixture, having failed to get off to a flying start against RCB, managing just 21 runs in the first five overs.

In the bowling department, they allowed the Smriti Mandhana-led side to claw their way back into the contest, despite having them under severe pressure at one stage. The third fixture of the tournament promises to be a blockbuster clash, given the history of fierce battles between the two teams.

WPL 2026, MI vs DC: Head-to-head

Mumbai and Delhi have been involved in several memorable encounters in WPL history, with both teams having won four matches apiece ahead of the upcoming season. However, DC hold the upper hand in the most recent meetings, having won three of the last four fixtures between the two sides.

WPL 2026, MI vs DC: Weather and pitch conditions

The pitch used for the opening fixture showed signs of slowness, with batters finding it difficult to get going in the initial overs. Spinners are expected to extract good purchase from the surface, which is likely to improve for batting as the match progresses. Winning the toss and opting to bowl first could prove to be the ideal strategy for the captains.

Zareen Khan

Joins Karan Kundrra, Tejasswi Prakash For Late-Night Party

Zareen Khan was recently spotted with actor Karan Kundrra at a party at Sanjay Dutt's Solaire restaurant in Mumbai. The Veer actress looked drop-dead gorgeous in a black cocktail dress in the evening.Later, Karan took to Instagram and offered a glimpse of a "banger of a night" he had with Zareen and TV actress Tejasswi Prakash. After the party, Karan dropped Zareen off at her home.

Zareen Khan Parties With Karan Kundrra

Zareen Khan and Karan Kundrra collaborated in the 2018 horror-romance film, 1921. Ever since the two became great friends. Last year, Zareen turned up at Karan's 'Love Adhura' screening to show him support. The Hate Story 3 actress recently partied with Karan, his girlfriend, Tejasswi Prakash, actress Jasmin Bhasin, and YouTuber Elvish Yadav."Surprise Banger of a Night!!!" the 'Thank You for Coming' actor captioned the post. According to a video by Viral Bhayani, Kundrra later dropped Zareen off at her home after the party. "Where is Karan?" Zareen is heard in the brief clip."You come with me," Karan appears to reply.

Zareen Khan On Working With Karan Kundrra

Zareen Khan liked Karan Kundrra as a person when they first met during the shooting of 1921. "I met Karan Kundra during our film. He is a fun person," Zareen had told Deccan Chronicle. "Just after we would hear 'cut, ' everyone would crack jokes the next moment," she recalled.

Zareen made her Bollywood debut with Salman Khan's Veer. She said it was easier for her to work with Kundrra. "You face hesitation when you are working with big names like Salman Khan," Khan told Bollywood Kills. However, she found it easier to interact with Karan. "We are almost in the same boat. His energy is really good. He is so fun to work with. He is easy-going. It was a lot of fun working with him," she said.

Karan was equally grateful for the opportunity. "I loved the script when I read it. I'm glad Zareen decided to work with a lesser-known actor from TV shows," he had said. In 1921, Zareen Khan played a ghost whisperer who could see spirits.

Priyanka Chopra

Is Not Celebrated Enough In India, Says Ricky Kej: 'She Is The Only Indian Actor...'

Priyanka Chopra is among the most successful Indian actors who has not only established herself in Hindi cinema but also in Hollywood. She has represented India on several global platforms and has diversified her career over the years. However, Ricky Kej feels that the actress is not celebrated enough in her home country.Ricky Kej wrote, "My Opinion: The one actor in India who we do not celebrate enough is @priyankachopra. She is the ONLY Indian actor (of any generation) who has truly made waves in Hollywood and globally (After being one of the most sought after in India for many years). She has starred with giants like Edris Alba, Dwayne Johnson, Keanu Reeves, Karl Urban, Richard Madden, Stanley Tucci, Will Ferrell, Anthony Mackie, John Cena, Pedro Pascal…"

He added, "And the list goes on! She plays actual mainstream roles, and not some vague character who is 'exotic Indian'. Widely recognised as a great actor who can perform any kind of a role – action, comedy, drama. She is an ambassador with UNICEF and gives back to society. Let's all wish her the best for her upcoming movie #TheBluff on @netflix."

On the work front, Priyanka Chopra has an exciting slate of projects lined up. She will be seen in SS Rajamouli's ambitious film Varanasi, starring alongside Mahesh Babu and Prithviraj Sukumaran. Priyanka plays Mandakini, while Mahesh essays the role of Rudhra and Prithviraj portrays Kumbha. The film is slated for a Sankranti 2027 release and will mark Priyanka's Telugu cinema debut.

She will also return for the second season of the web series Citadel and headline The Bluff, where she plays a 19th-century Caribbean pirate opposite Karl Urban. Priyanka was last seen in the action thriller Heads of State, co-starring Idris Elba and John Cena.

Ananya Panday Is 'Dying To Watch' Shanaya Kapoor And Adarsh Gourav's Tu Ya Main

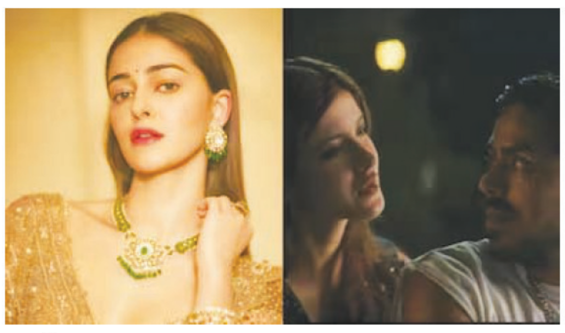

Ananya Panday has expressed her excitement for the upcoming film Tu Ya Main, starring Shanaya Kapoor and Adarsh Gourav, and her reaction has caught the attention. The actress recently mentioned that she is "dying to watch" the film, adding to the growing buzz. The film is releasing next month, on February 13.Taking to her Instagram stories, Ananya Panday shared the teaser and wrote, "oh my god!!! Liking and subscribing and dying to watch #TUYAMAIN." A year later, the makers of the movie have now unveiled the gripping teaser, leaving fans with goosebumps and a sense of the danger that lies ahead.

Tu Yaa Main Teaser:

The teaser takes audiences into the world of two content creators from completely different backgrounds who come together for a collaboration driven by curiosity, clout and chemistry. What starts off as a fun, high-energy adventure quickly takes a dark turn, turning into a pulse-pounding fight for survival as they come face to face with a menacing crocodile. Will they manage to escape, or will the croc turn their collaboration into a nightmare? Blending romance, adrenaline and danger with fresh, new-age storytelling, the Bejoy Nambiar directorial, starring Adarsh Gourav and Shanaya Kapoor, promises an experience that will turn an ordinary date into a chilling memory, making it the perfect #DateFright experience for audiences seeking something beyond the usual Valentine's watch. The film also stars Parul Gulati in a key role.

About the film

Directed by Bejoy Nambiar, Tu Yaa Main is produced by Aanand L Rai and Himanshu Sharma under the banner of Colour Yellow, along with Vinod Bhanushali and Kamlesh Bhanushali of Bhanushali Studios Limited. The film speaks directly to today's youth, blending raw emotion with edge-of-the-seat storytelling. It is scheduled for release on February 13, 2026.

Ananya Panday in TMMTMTTM

Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri, starring Ananya Panday alongside Kartik Aaryan, released on Christmas last year. Backed by Dharma and directed by Sameer Vidwans, the movie received negative reviews and bombed at the box office. Meanwhile, Ananya will next be seen in Dharma's rom-com Chand Mera Dil alongside Lakshya. She will also reprise her role as Bella Rajvansh in Amazon's series Call Me Bae, season 2.

Nick Jonas Reacts To Diljit Dosanjh–J Balvin's Senorita, Cheers Priyanka Chopra Lyric With Viral Video

Pop sensation Nick Jonas has given a special shout-out to Senorita, the new global collaboration between Diljit Dosanjh and J Balvin, and it's a lyric referencing his wife, Priyanka Chopra, that truly stole his heart. The high-energy track, which fuses Punjabi beats with Latin flair, has been making waves worldwide since its release, with fans instantly latching on to the cheeky line, "Yo quiero una como Priyanka Chopra" — a playful declaration that translates to "I want someone like Priyanka Chopra."

Nick Jonas grooves with Priyanka Chopra

Taking the appreciation a step further, Nick shared a delightful video on social media featuring himself and Priyanka dancing to Senorita by a poolside. Dressed casually in a black T-shirt, baseball cap and sunglasses, Nick matched steps with Priyanka, who turned heads in a bikini layered with a white shirt. What began as playful dancing ended on a sweet note, with Priyanka planting a quick kiss on Nick's cheek. Captioning the clip, Nick wrote, "You guys really cooked with this Priyanka line," tagging both Diljit Dosanjh and J Balvin.

A love story fans still adore

Nick and Priyanka's love story has remained a favourite among fans since they first sparked dating rumours after meeting at the Met Gala in 2018. Their whirlwind romance led to an engagement in July that year, followed by a grand wedding in December that beautifully blended Christian and traditional Indian ceremonies. Over the years, the couple has frequently shared glimpses of their life together, including the arrival of their daughter, Malti Marie, in 2022.

What's next for Nick and Priyanka

While celebrating Senorita, Nick Jonas has also been focused on his own music. He recently dropped his new single Gut Punch, marking a return to his pop-R&B roots. The track delves into heartbreak and emotional vulnerability, resonating with listeners for its raw and honest tone.Priyanka Chopra, meanwhile, is gearing up for her next major project, The Bluff. The pirate-themed action drama is set in the late 19th-century Caribbean and follows Ercell "Bloody Mary" Bodden, a former pirate forced to confront her past when old enemies resurface. Directed by Frank E. Flowers and produced by the Russo Brothers' AGBO banner, the film also stars Karl Urban and Ismael Cruz Córdova, and is slated to stream on Amazon Prime Video from February 25, 2026.